रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● रांची, रविवार 08 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 151 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

अधिवक्तागण के समृद्ध भविष्य के लिए सरकार का प्रयास

देश में पहली बार हेमन्त सरकार द्वारा अधिवक्ता कल्याण हेतु लिए गए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय

₹5 लाख
तक का स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा

झारखण्ड राज्यकृत एडवोकेट वेलफेयर फंड के सभी सदस्यों को राज्य सरकार एडवोकेट वेलफेयर फंड के माध्यम से ₹5 लाख तक का स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा प्रदान करेगी

₹14,000
हुई पेंशन की राशि

झारखण्ड राज्यकृत एडवोकेट वेलफेयर फंड के माध्यम से सदस्यों को ₹7,000 पेंशन दी जा रही थी। अब राज्य सरकार इस फंड में राज्यांश से अतिरिक्त ₹7,000 देगी, इस तरह अधिवक्ताओं के कल्याण हेतु पेंशन की राशि ₹7,000 से बढ़ कर ₹14,000 हुई

₹5,000
हुई स्टाइपेंड राशि

नए निबंधित अधिवक्ताओं के स्टाइपेंड राशि प्रतिमाह (पहले तीन वर्ष तक) मिलने वाली राशि ₹1,000 को बढ़ाकर ₹5,000 किया गया, इसमें 50% राशि राज्य सरकार वहन करेगी

अधिवक्ता हित को ध्यान में रखकर सभी अधिवक्ताओं से आग्रह है कि वे एडवोकेट वेलफेयर फंड के सदस्य बनें और लाभ उठाएं

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

झारखंड में घुसपैठियों के लिए गृह मंत्री जिम्मेवार

पूरे देश में गिर रहा भाजपा का ग्राफ : डी राजा

- झारखंड में मजबूत गठबंधन की जरूरत
- भाजपा को सत्ता में आने से रोकना ही हमारा लक्ष्य
- महंगाई, बेकारी, लाचारी होंगे भाकपा के चुनावी मुद्दे

प्रमुख संवाददाता । रांची

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव डी राजा ने कहा है कि पूरे देश में भाजपा का ग्राफ गिर रहा है. लोग पीएम नरेंद्र मोदी को नकार रहे हैं. 400 पार का नारा भी खोखला साबित हुआ. डी राजा शनिवार को अलबर्ट एक्का चौक स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि गुजरात और महाराष्ट्र में भी भाजपा हारने जा रही है. लगातार बीजेपी विपक्षी दलों पर हमलावर बनी हुई है.

महंगाई, बेकारी और भूखमरी भाजपा के एजेंडें में नहीं : डी राजा ने कहा कि महंगाई बेकारी भूखमरी भाजपा एजेंडे में नहीं है. झारखंड में चुनाव को देखते हुए बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला उठा रहा है. जबकि सबसे ज्यादा शासन करने वाली पार्टी भारतीय जनता पार्टी है. अगर देश में घुसपैठ हो रहा है तो उसके लिए देश के गृह मंत्री जिम्मेवार है. देश के गृह मंत्री सोए हुए हैं या घुसपैठियों से मिल गए हैं. कोई भी विदेशी घुसपैठ हो रहा है उसके लिए गृह मंत्री अमित शाह जिम्मेवार है.

हिंदू- मुस्लिम के नाम पर बांट रहे : भाजपा पर निशाना साधते हुए डी राजा ने कहा कि झारखंड में विधानसभा के चुनाव को देखते हुए हिंदू मुसलमान के नाम पर लोगों को बांटना शुरू कर दिया गया है, जबकि महंगाई, बेकारी बेरोजगारी, लाचारी, भाजपा के मुद्दे नहीं है. झारखंड में मजबूत महागठबंधन की जरूरत है. राज्य में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी गठबंधन के साथ मिलजुल करके चुनाव लड़ना चाहती है. राज्य सरकार को चाहिए की सभी तरह के छोटे बड़ी पार्टियों को एक सूत्र में बांधकर एक मजबूत गठबंधन बनाए ताकि भाजपा को सत्ता मे आने से रोका जा सके.

20 से 25 सीटों पर चल रही तैयारी : पत्रकारों से बात करते हुए राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने कहा 20 से 25 सीटों पर हमारी तैयारी चल रही है. पार्टी चाहती है कि सम्मानजनक समझौता के तहत गठबंधन में चुनाव लड़ा जाए, जिसका फायदा गठबंधन को सभी विधानसभा क्षेत्र में मिलेगा. विपक्षी सेकुलर वोटों को बिखराव को रोकने के लिए हम सबको पहल करनी चाहिए. आठ सितंबर को अटल वेंडर मार्केट के चौथी मंजिल पर बने अतुल कुमार अंजन सभागार में विधानसभा चुनाव को लेकर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित की गई है, जिसमें महासचिव डी राजा, एटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेंद्र कुमार, पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता शामिल होंगे.

555 इंस्पेक्टर व सार्जेंट मेजर की वरीयता सूची जारी

रांची । इंस्पेक्टर और सार्जेंट मेजर रैंक के 555 पुलिस पदाधिकारियों की अंतिम वरीयता सूची जारी की गयी है. डीजीपी ऑफिस से इससे संबंधित आदेश भी जारी कर दिया गया है. जारी आदेश में कहा गया है कि इंस्पेक्टर और सार्जेंट मेजर रैंक के पदाधिकारियों की वरीयता सूची जारी कर दी गयी है, जिसमें सेवानिवृत्ति इंस्पेक्टर के नाम को विलोपित कर 18 अगस्त को नवप्रोन्नत इंस्पेक्टर का नाम सूची में जोड़ा गया है. यदि किसी सार्जेंट मेजर और इंस्पेक्टर का नाम वरीयता सूची में छूट गया है या प्रकाशित वरीयता सूची के अनुसार पदस्थापित नहीं हो तो ऐसे पदाधिकारी के संबंध में सूचना अलग से उपलब्ध करायी जाये.

189 एएसआई का तबादला, आदेश जारी

संवाददाता । रांची

पुलिस मुख्यालय ने राज्य पुलिस के 189 सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) का तबादला कर दिया गया है. इससे संबंधित आदेश जारी करते हुए पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी से कहा है कि जिनका तबादला किया गया है, उन्हें विरमित किया जाये. ताकि वह जिस जिले में स्थानांतरित किया गया है, वहां योगदान कर सकें. विरमित करने के साथ ही इसकी जानकारी पुलिस मुख्यालय को दें. उल्लेखनीय है कि अगल एक-दो माह में विधानसभा चुनाव होने हैं. इसके मद्देनजर चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि एक ही जिले में लंबे समय से पदस्थापित पुलिसकर्मियों का तबादला किया जाये. पुलिस मुख्यालय की कोशिश है कि अचार संहिता लगने से पहले पुलिसकर्मियों के तबादले का काम पूरा कर लिया जाये. ताकि चुनाव के वक्त पुलिस पदाधिकारियों को किसी तरह की दिक्कत का सामना ना करना पड़े.

कभी बोले के बेमारी धइले था प्रकाश भाई के...अब कोई पूछिए न रहा है

संजय सिंह

बड़की वाली पार्टिया में एगो दीपक हैं. प्रदेश का बड़का ओहदा पर ढेरे दिन रहे. जब पावर मे थे भाई जी, तो पूछिए मत. प्रकाश की लौ खूबे तेज थी. जे चाहे सो करे लगे. पिछिलका दरवाजा के सहारे दिल्ली तक चहुंप गए. खूबे मिहि-मिहि बोलते हैं. चलती भी खूबे थे. जब प्रकाश की रोशनी तेजी से फड़फड़ा रही थी, तो जे चाहे सो करे लगे. छपास के रोग भी धइले था. दिल्ली हो या चाईना, राज्य से लेके देश-विदेश पर तक का कोनो इश्यु हो, प्रकाश बाबू को ओकरा पर बोले का बेमारी धर लिया था. उ समय एगो दिल्लीवाले कोनो मथुरा जी की कृपा इन पर खूबे बरस रही थी, तो अलबलाइल रहते थे. पार्टी में इनका किचन कैबिनेट भी था. लेकिन अब तो किचन कैबिनेट वाले नेताजी लोगन भी इन्हें टक्कर देले हैं. सबलोग पैरेलल खड़ा हो गया है. दु लोग तो भाईजी की तरह ही पिछिलका दरवाजा से दिल्ली निकल लिया है. एगो गुड बाबू अभी इहे हैं. हिनू देने रहेवाले गुड बाबू लकलकाइल हैं कि भाई प्रकाश बिखरेवाला गुरुजी कुछो उद्धार करा दें, लेकिन अब लगता न है कि उनका कुछगुड हो पाएगा. कैहे कि बेचारा दीपक के प्रकाश की लौ ही मधिम पड़ गई. उनको भी हंफनी के बेमारी धर लिहिस है. एक समय था, जब पार्टिया में चलती थी, तो प्रवक्ता से लेके पदाधिकारी तक के साइड धराइले थे. प्रवक्ता भाई लोग तो कुछो बोलिए न पाता था. प्रकाश बाबू खुदे सब कुछ बोल देते थे, तो दूसरे के जरूरते का था. खूबे रुआब में रहते थे प्रकाश बाबू... लेकिन कहते हैं न, सब दिन होत न एक समाना. बड़की कुरसिया से उतारल गए, तो ज्यादा जोर- जोर से हांफे लगे. लेकिन खुद के जियावे लगी, जेने-तेने मुंह मारे लगे. पहिले पार्टिया में छोटका नेताजी लोगन आगे-पीछे कइले रहता था, लेकिन अब तो नेताजी लोगन भी उनको देख के किनारा कर ले रहा है. बेचारे अलबलाइल हैं. करें तो करे का. अब प्रकाश बाबू पार्टिया में जेने-तेने मुंह मारले फिर रहे हैं.भाई जी इन दिनों पूजा-पाठ, तंत्र-मंत्र में भी खूबे विश्वास करे लगे हैं. कोनो तांत्रिक इनको बता दिया है कि प्रकाश का लौ फिरो से तेल होगा. झारखंड प्रदेश में आपको डिप्टी का बड़का ओहदा भेटा सकता है. अब प्रकाश बाबू दो महीना बाद होवेवाला चुनाउवा के लिए संभावना तलाशे लगे हैं.एगो तीर्थस्थल से आयातित नेताजी जब-जब राजधानी में टपकते हैं, इ प्रकाश बाबू उनका आगे-पीछे कइले रहते हैं. इनको तांत्रिक पर भरोसा है. हजार बागों वाले एक शहर की सीट पर भाई जी नजर टिकाइले हैं. दाल गल गई, तो फिर तो बल्ले ही बल्ले. लेकिन पार्टिया में ई प्रकाश बाबू के बुरा हाल है. जेने-तेने, पार्टी को छोटकों प्रोग्रामवा में टपक जाते हैं. अब बिन बुलावल मेहमान की तरह टपकते हैं, तो आयोजक लोग को इनका बइठावे-उठावे के व्यवस्था करे में हंफनी छूटे लगते हैं. लेकिन ई भाई जी करे तो करे का. ई तो राजनीति है. राजनीति में खुद को जिंदा रखेला कुछ न कुछ तो तिकड़मवा करे ही पड़ता है. वैसे इनका पार्टी वाला लोग इन पर ढेर भरोसा न करता है. काहे कि ईहो भाई साहेब पार्टी के एक लाल बाबू संगे पार्टिया के लात मार के भाग गईल थे. कुछ दिन कंघी किए, लेकिन फुर बुझा गया कि ईहां कोई भविष्य न है, तो अपना लाल बाबू जी के गच्चा देकर धीरे से कंघिया फेंक कर कर कमल खिलावे लगी लौट आए. लाल बाबू से धकिया के आए, तो भाई साहेब का लह गया. मौज ही मौज था. खूबे चलती भी चलाए. लेकिन जब लाल बाबू भी उनका राह पर चलते हुए फिर से चाटे लगी कमल में आये, तो प्रकाश भाई के लगे लगा कि अब उनका दिन लद गया. दीपक के प्रकाश के लौ कम होगा ही. अब चाहे जो भी, ई प्रकाश बाबू फिरो से गेटिंग-सेटिंग में जुटल हैं. तांत्रिक के चक्कर में पड़ल भाई जी प्रकाश की लौ तेज करे ला खूबे पैडल मारले हैं. अभी भाई जी आयातित नेताजी पर विस्वास कईले हैं. आयातित नेताजी के पटावे लगी पूरा जोर लगाइले हैं. अब देखिए भाई जी केतना पैडल मार लेते हैं. पटावे सकते हैं या नहीं.

चुनावी चकल्लस

विरासत की सियासत... राजनीति की डगर पर बच्चों दिखाओ चल कर

रवि भारती । रांची

झारखंड में इस बार का विधानसभा चुनाव दिलचस्प होगा. राज्य के कई राजनेता उम्र के उस पड़ाव पर पहुंच गए हैं, जहां से उनके लिए ज्यादा भाग-दौड़ करना संभव नहीं है. ऐसे में वे अपनी राजनीतिक विरासत ने बेटे-बेटियों, पत्नी- भाई को सौंपने की तैयारी में जुटे हैं. अपने बेटे-बेटियों को न सिर्फ सिर्फ राजनीति के अखाड़े में उतार दिया है, बल्कि उनके लिए पसीना भी बहा रहे हैं. राज्य की राजनीति में दर्जन भर से ज्यादा नेता, सांसद-विधायक और मंत्री अपने बेटा-बेटी, पत्नी को चुनाव मैदान में उतारने के लिए भी जोरदार तैयारी कर रहे हैं. राष्ट्रीय पार्टी के कुछ नेताओं को पता है कि उम्र उनके चुनाव लड़ने में आडे.आएगी, इसलिए वे पहले से ही सियासत की राजनीतिक विरासत अपने बेटा-बेटी को सौंपने के साथ ही साथ उनके लिए टिकट के जुगाड़ में गेटिंग-सेटिंग में भी जुट गये हैं. कुछ विधानसभा क्षेत्र तो ऐसे भी हैं, जहां से राष्ट्रीय स्तर की पार्टी के पिता-पुत्र, पुत्री ने एकसाथ टिकट की दावेदारी ठोक दी है और अपने राजनीतिक करियर से संबंधित बायोडाटा भी सौंप दिया है.

लोहरदगा के लिए डॉ रामेश्वर उरांव और सुखदेव भगत के बेटे भी ठोकने लगे हैं ताल

कांग्रेस के मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव की उम्र 77 वर्ष हो चुकी है. अब वे खुद भी बहुत भाग-दौड़ नहीं कर पाते हैं. ऐसे में वे अपने बेटे रोहित उरांव को लोहरदगा से अपनी राजनीतिक विरासत सौंपना चाहते हैं. राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि रामेश्वर उरांव अपने बेटे को टिकट दिलाने की कोशिश कर

सकते हैं. हालांकि इस मुद्दे पर वे कुछ भी बोलने से परहेज करते हैं. वहीं राजनीति में डॉ रामेश्वर के धुर विरोधी सुखदेव भगत भी युवा कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय बेटे अऊनव भगत को चुनाव में उतारना चाहते हैं. लोहरदगा सीट के लिए अभिनव में भी दावेदारी की है.

ददई दुबे ने भी बेटे अभय को आगे किया

विश्रामपुर सीट से कई बार विधायक रहे कांग्रेस नेता चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे की भी उम्र ज्यादा हो चुकी है. इस कारण धनबाद से लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा धरी की धरी रह गयी. उन्होंने पहले ही घोषणा कर दी है कि उनका बेटा अभय दुबे ही उनका उत्तराधिकारी होगा और वह विश्रामपुर से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ेगा.

इंदर सिंह नामधारी के पुत्र फिर से होंगे चुनाव मैदान में

विधानसभा अध्यक्ष रहे इंदर सिंह नामधारी ने खुद को राजनीति से किनारा कर लिया है. वे डालटनगंज से पांच बार विधायक, बिहार सरकार में मंत्री भी रहे हैं. पिछले चुनाव में बेटे दिलीप सिंह नामधारी को मैदान में उतारा था, लेकिन जीत न सके. वह बेटे के लिए फिर से फील्ड तैयार कर रहे हैं.

विश्रामपुर से रामचंद्र चंद्रवंशी भी बेटे को कर रहे तैयार

पलामू के विश्रामपुर सीट से भाजपा के विधायक और पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी की उम्र भी ज्यादा हो गयी. ऐसे में हो सकता है पार्टी उन्हें चुनाव न लड़ाये. इसलिए वे अपने बेटे ईश्वर सागर चंद्रवंशी को को अपनी राजनीतिक विरासत सौंपना चाहते हैं. ईश्वरभी इलाके में स्क्रिय दिख रहे हैं. रामच्देर चंद्रवंशी भी बेटे के लिए फील्ड तैयार कर रहे हैं.

बरही से पिता उमाशंकर अकेला भी बेटे संग ठोक रहे ताल

हजारीबाग जिले की बरही विस सीट से कांग्रेस विधायक उमाशंकर अकेला की भी उम्र आडे.आ रही है. इसलिए वे भी अपने बेटे रविशंकर अकेला को बरही से अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी बनाने की तैयारी कर रहे हैं. हालांकि इस सीट बाप-बेटे दोनों ने दावेदारी कर दी है.

(कल पढ़िए कुछ और राजनेताओं की चाहत, जो अपने बेटे-बेटी को चुनावी रण में उतारने के लिए तैयार कर रहे हैं)

ब्रीफ खबरें

बाबूलाल ने किया सैन्य प्रदर्शनी का अवलोकन

रांची । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को मोरहाबादी मैदान में आयोजित सैन्य प्रदर्शनी देखने पहुंचे. उन्होंने प्रदर्शनी का भ्रमण किया और सेना के सौर्य को देखा. उन्होंने प्रदर्शनी में रखे विभिन्न तरह के हथियारों को देखा और उन हथियारों के बारे में जानकारी भी ली. इसके साथ ही बाबूलाल मरांडी ने प्रदर्शनी में मौजूद सेना के अफसरों से बीतचीत की.

अमित शाह पर टिप्पणी मामले में अब 21 को अगली सुनवाई

रांची । एमपी-एमएलए कोर्ट में शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में सुनवाई हुई. इसमें कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को अदालत में सशरीर उपस्थिति में छूट देने पर उनकी ओर से समय मांगा गया. अब इस मामले पर अगली सुनवाई 21 सितंबर को होगी. बताते चलें कि बीजेपी कार्यकर्ता नवीन झा ने राहुल गांधी के खिलाफ अवमानना का केस दर्ज कराया था.

जदयू प्रदेश कार्यसमिति की बैठक कल रांची में

रांची । झारखंड जदयू की कार्यसमिति की बैठक सोमवार नौ सितंबर को होगी. इसमें विधानसभा चुनाव को लेकर मंथन किया जाएगा. पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने बताया कि बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा भी मौजूद रहेंगे. इसके अलावा प्रदेश जदयू प्रभारी डॉ. अशोक चौधरी, बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार, प्रदेश जदयू के सह प्रभारी विजय कुमार सिंह, बिहार जदयू के एमएलए मनोज यादव भी बैठक में शामिल होंगे. बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो करेंगे.

कैबिनेट के फैसले के बाद जलसहिया का धरना समाप्त

रांची । शुक्रवार को हुई कैबिनेट के फैसले के बाद राजभवन के समीप धरने पर बैठी जलसहिया संघ का धरना समाप्त करने का निर्णय लिया है. जलसहिया 28 अगस्त से धरने पर बैठीं थीं. शुक्रवार को हुई कैबिनेट की बैठक में जलसहिया के मानदेय में एक हजार रुपए की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया गया है. इसके अलावा सरकार जल्द ही जलसहियायों को स्मार्टफोन के साथ इनके एरियर का भी भुगतान करेगी. उल्लेखनीय है कि इस बार के कैबिनेट की बैठक में सरकार ने आंदोलन कर रहे तमाम कर्मचारी संघों की अधिकांश मांगों को मान लिया है. यही कारण है कि सहायक पुलिसकर्मियों ने भी अपने आंदोलन को समाप्त करने की घोषणा कर दी है.

हिमंता ने कहा - मुझे चंपाई सोरेन के अनुभवों से काफी कुछ सीखने को मिला

रांची । पूर्व सीएम चंपाई चोरेन असम में हैं. वहां वह सीएम हिमंता बिस्व सरमा द्वारा आयोजित रात्रि भोज में भी शामिल हुए. हिमंता ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी तस्वीर भी शेयर की है. उन्होंने लिखा कि आज मुझे और मेरी पत्नी रिंकी को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ नेता चंपाई सोरेन और उनके परिवार की आवभगत करने

का सौभाग्य प्राप्त हुआ. मां कामाख्या के दर्शन करने के लिए चंपाई सोरेन गुवाहाटी आये हैं. इसी दौरान वह हमारे मेहमान बनें. उन्हें असमिया व्यंजनों से परिचित कराने का अवसर भी मिला. उनके अनुभवों से हमें बहुत कुछ सीखने को मिला. गौरतलब है कि चंपाई सोरेन जब झामुमो छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए, तब दूसरे दिन हिमंता ने उनके आवास पर जाकर उनसे मुलाकात की. इस मुलाकात के दौरान हिमंता ने चंपाई सोरेन को असम आने और मां कामख्या का दर्शन करने का निमंत्री दिया था, जिसे चंपाई सोरेन ने स्वीकार किया था.

दो साल बाद भी नहीं हो सकी एफएसएल डायरेक्टर की नियुक्ति

वरीय संवाददाता । रांची

दो साल बीत जाने के बाद भी झारखंड में एफएसएल निदेशक (डायरेक्टर) की नियुक्ति नहीं हो पायी है. इससे पहले एके बापुली एफएसएल के डायरेक्टर थे. उनका कार्यकाल 15 सितंबर 2022 को ही खत्म हो गया था. उनकी कार्यावधि बढ़ाने के लिए सरकार के पास फाइल गयी थी. लेकिन अब तक उक्त फाइल पर विचार नहीं हो सका है. ऐसे में झारखंड में एफएसएल डायरेक्टर का पद अब तक खाली पड़ा है.

जेपीएससी ने नियुक्ति की फाइल गृह विभाग को कर दी थी वापस : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने 28 सितंबर 2022 को एफएसएल के डायरेक्टर पद पर सीधी भर्ती से संबंधित फाइल गृह विभाग को वापस कर दी थी. जेपीएससी ने टिप्पणी की थी कि त्रुटियों के निराकरण के बाद ही यह प्रक्रिया आगे बढ़ेगी. राज्य सरकार ने एफएसएल के निदेशक पद पर सीधी भर्ती के लिए जेपीएससी से पत्राचार भी किया था. लेकिन जेपीएससी ने कुछ बिंदुओं पर आपत्ति जताते हुए गृह विभाग को फाइल वापस कर दी थी. साथ ही जेपीएससी की ओर से तर्क दिया गया था कि इस पद के लिए संबंधित नियमावली में उम्र सीमा और चयन की प्रक्रिया का उल्लेख नहीं है. त्रुटि निराकरण के बाद ही जेपीएससी इस दिशा में आगे बढ़ेगा.

कोयला राज्यमंत्री आज धनबाद में

रांची । केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीशचंद्र दूबे शनिवार को रांची पहुंचे. वे दो दिनों तक झारखंड दौरे पर रहेंगे. शनिवार को उन्होंने सीसीएल, बीसीसीएल और सीएमपीडीआई के अफसरों के साथ समीक्षा बैठक की. रविवार को वह धनबाद में बीसीसीएल के कार्यक्रम में शामिल होंगे. इसके बाद अपराह्न तीन बजे मटकुरिया धनबाद में और शाम पांच बजे अक्षत बैंक्वेट हॉल में आयोजित स्वागत समारोह में हिस्सा लेंगे. शाम सात बजे वेस्ट बोकारो घाटोटांड के हाशिल कॉलोनी में प्रदीप मिश्रा के घर भोजन करेंगे. इसके बाद रात्रि के आठ बजे सड़क मार्ग से पटना के लिए प्रस्थान करेंगे.

सहायक पुलिसकर्मियों का आंदोलन 70 दिन बाद समाप्त

वरीय संवाददाता । रांची

रांची के मोरहाबादी मैदान में 2300 सहायक पुलिसकर्मी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर दो जुलाई से धरने पर बैठे थे. करीब 70 दिन बाद शुक्रवार की देर रात सहायक पुलिसकर्मियों का आंदोलन समाप्त हो गया. दरअसल, झारखंड सरकार ने सहायक पुलिसकर्मियों की कई मांगों पर सहमति जताते हुए उसे कैबिनेट से पास कर दिया, जिसके बाद सहायक पुलिसकर्मी ने अपना आंदोलन खत्म करने की घोषणा की. कैबिनेट के फैसले के अनुसार, अब सहायक पुलिसकर्मियों को 13 हजार रुपये वेतन मिलेगा. वहीं सरकारी की ओर से वर्दी भत्ते के रूप में उन्हें 4 हजार रुपये दिया जायेगा. साथ ही सहायक पुलिसकर्मी अब अवकाश भी ले सकेंगे.

झारखंड पुलिस ने किया था लाठीचार्ज : झारखंड पुलिस में

समायोजन की मांग को लेकर मोरहाबादी मैदान में धरना दे रहे सहायक पुलिसकर्मी 19 जुलाई को सीएम आवास का घेराव करने निकले थे. इस दौरान उनपर झारखंड पुलिस ने लाठीचार्ज किया था. सहायक पुलिसकर्मियों की बहाली दस हजार रुपये के मानदेय पर राज्य के 12 जिले गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, दुमका व गिरिडीह में हुआ था.

इन पांच मुख्य बिंदुओं पर बनी सहमति

- मानदेय में 30 फीसदी की बढ़ोतरी
- एक साल का अवधि विस्तार
- होमगार्ड और वन आरक्षी की बहाली रिजर्वेशन पर
- सिपाही की तर्ज पर मिलेगी छुट्टी
- सिपाही की तरह सालाना 4 हजार रुपये भत्ता मिलेगा

सरकारी काम के लिए 12 घंटे होगा किराये की गाड़ी का उपयोग

- हर दिन 80 किलोमीटर और महीने में 1500 किलोमीटर वाहनों का होगा परिचालन
- अगर महीने 1500 किलोमीटर नहीं चल पाए वाहन तो अगले महीने किया जाएगा एडजस्ट

प्रमुख संवाददाता । रांची

राज्य के सरकारी कामों के लिए हायर किए गए वाहनों का उपयोग प्रतिदिन 12 घंटे तक किया जाएगा. वाहन का परिचालन हर दिन 80 किलोमीटर या महीने में 1500 किलोमीटर होना जरूरी है. अगर महीने में 1500 किलोमीटर वाहन का परिचालन नहीं हो पाया तो अगले महीने इसे एडजस्ट करना होगा. वित्त विभाग बाह्य स्त्रोत से किराये पर वाहन रखने के लिए टेंडर जारी किया है. इसके लिए आवेदन देने की अंतिम तिथि 13 सितंबर को शाम पांच बजे तक रखी गई है. 20 सितंबर को अपराह्न 330 बजे इसका टेंडर खोला जाएगा.

तीन साल के लिए होगा करार

बाह्य स्त्रोत से वाहन रखने के लिए जिस एजेंसी का चयन होगा. उसकी अवधि सेवा प्राप्त करने की तिथि से अधिकतम तीन साल के लिए होगी. सेवा अवधि के दौरान दरों में किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं किया जाएगा. माइलेज की गणना हर साल फरवरी में होगी. वाहन पूर्ण रूप से विभाग,कार्यालय और अधिकारी के नियंत्रण में होगा. सेवा की वैध अवधि में दरों में कोई संशोधन अथवा परिवर्तन किसी भी पक्ष द्वारा नहीं किया जाएगा.

30 दिन के अंदर होगा भुगतान

वाहन आपूर्तिकर्ता को 30 दिनों के अंदर भुगतान किया जाएगा. समय-समय पर राज्य में प्रभावी नियमों के अनुसार भुगतान के समय नियमानुसार कटौती की जाएगी. किसी वाहन के संतोषजनक परिचालन नहीं रहने की स्थिति में विभाग को अधिकार होगा कि संबधित वाहन का मासिक या आंशिक भुगतान अवरुद्ध रखे, अथवा अनुमान्य कटौती कर भुगतान करें. सभी प्रकार के टोल टैक्स, प्रवेश कर, पार्किंग चार्ज आदि का भुगतान आपूर्तिकर्ता द्वारा किया जाएगा. बाद में वास्तविक खर्च का प्रमाण विभाग को देना होगा. वाहनों की संख्या एवं प्रकार आवश्यकतानुसार घटाई या बढ़ाई जा सकती है. आपूर्तिकर्ता द्वारा करार के दौरान कोई भी वाहन जो पूर्व में दुर्घटनाग्रस्त हुआ हो अथवा 03 वर्ष से अधिक पुराना हो, वाहन की आपूर्ति नहीं की जाएगी.

क्लासिफाइड

Aaither Infrastructure Pvt. Ltd.
Prop. Sharad Thakur
Harish Pandey path
Anand vihar colony
Main Road Dimna
Jamshedpur, Jharkhand - 831018

MAHAMAYA SWEETS
महामाया स्वीट्स
SHERE PUNJAB CHOWK, ADITYAPUR
शादी ब्याह, विश्वकर्मा पूजा, दुर्गा पूजा, दीपावली एवं अन्य तीज त्योहारों पर शुद्ध और क्वालिटि मिठाइयों के लिए पधारें।
तरूण घोष

MANOJ KUMAR DINESH KUMAR ENTERPRISES
Parsudih Market Near HDFC Bank
Mob. : 9234585332, 9263956400
GSTIN : 20AZCPK8472B1ZS
DISTRIBUTOR : CHAIR- NATIONAL (MUMBAI) ALMIRAH-DIAMOND AND MODI
ADDRESS : MAIN ROAD GAINTADIH, KARANDIH, TATA NAGAR, NEAR WASHING CENTRE

Yashvi RESTRO-BAR
यशवी बार एंड रेस्टोरेंट
YASHVI
RESTRO-BAR
अपोजिट गंगौर स्वीट्स कालीमाटी रोड
नियर बाय सागर होटल

SURYA NURSING COLLEGE
Affiliated by J.N.R.C. Ranchi & INC New Delhi
ADMISSION OPEN
GNM ANM
SCHOLARSHIP FACILITY AVAILABLE
HOSTEL FOR GIRLS
CHAKRADHARPUR, W. SINGHBHUM, JH.
7004337155
9204381636

Hotel Rahul Palace
Family Restaurant
delicious dishes
Fooding & Ladging
Marriage And Party
Anniversary/Birthday Party
A/C Hall/A/C Room Classic
Home Delivery Facility
Veg
Non Veg
Contact No.
7667870045, 7209893445
NH-32, CHANDIL BAZAR

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.9	27.0
जमशेदपुर	35.2	25.9
डालटनगंज	32.0	25.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

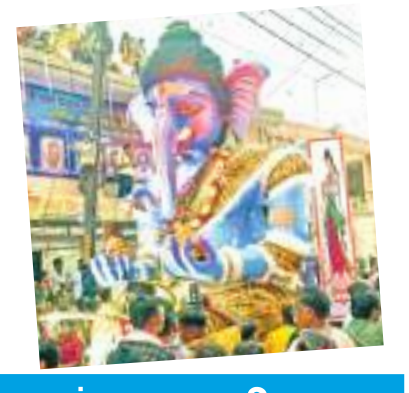

www.lagatar.in रांची, रविवार 08 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 151 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

2019 का वादा था **सभी PHC एवं CHC पर** **डॉक्टर नर्स-दवाइयां उपलब्ध कराने का** 2024 तक आप में से **किसी को** **मिला क्या?**

देश फिर शर्मसार

अब हुगली में ट्यूशन से लौट रही 9वीं की छात्रा का यौन शोषण

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर से रेप और हत्या के अभी एक महीना भी नहीं हुआ और इसी बीच कोलकाता से सटे हुगली के हरिपाल में छात्रा के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है. नौवीं कक्षा की स्टूडेंट जब ट्यूशन से लौट रही थी, तब वारदात को अंजाम दिया गया. स्थानीयों से सूचना के बाद पुलिस छात्रा को बचाने पहुंची. पुलिस को पीड़िता अर्धनग्न हालत मिली. छात्रा के परिजनों ने पुलिस को शिकायत दे दी है, जिसके बाद पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है. पुलिस के मुताबिक, अब तक की जांच में किसी भी संदिग्ध का पता नहीं चल सका है. बच्ची और उसके परिवार की निजता का सम्मान करने का अनुरोध है. अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

ब्रीफ खबरें

अब कारगिल युद्ध पर पाक का कबूलनामा

नयी दिल्ली। पाकिस्तान ने पहली बार कबूला है कि कारगिल युद्ध में वह शामिल था. शुक्रवार को रक्षा दिवस पर वहां के आर्मी चीफ असीम मुनीर ने कारगिल में पाक सेना के जवानों की मौत की बात स्वीकार की. मुनीर ने कहा कि चाहे वह 1948, 1965, 1971 हो या 1999 का कारगिल युद्ध, हजारों सैनिकों ने देश और इस्लाम के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है.

इंदौर-जबलपुर ट्रेन के 2 डिब्बे बेपटरी

जबलपुर। एमपी के जबलपुर रेलवे स्टेशन के पास शनिवार को एक बड़ा ट्रेन हादसा होने से टल गया. इंदौर-जबलपुर एक्सप्रेस ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए. यात्रियों के हताहत होने की खबर नहीं है. ट्रेन स्टेशन के पास पहुंची, तभी उसके दो डिब्बे रेलवे स्टेशन से 150 मीटर की दूरी पर पटरी से उतर गए. ट्रेन की स्पीड कम होने की वजह से बड़ा हादसा होने से टल गया.

पूजा खेडकर आईएएस से की गईं बर्खास्त

नयी दिल्ली। केंद्र ने पूजा खेडकर को आईएएस से बर्खास्त कर दिया है. केंद्र सरकार ने 6 सितंबर के आदेश के तहत आईएएस नियम, 1954 के नियम 12 के तहत खेडकर को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है.

ईडी-सीबीआई व आईटी को अब जांच से पहले लेनी होगी राज्य सरकार की अनुमति

प्रमुख संवाददाता। रांची

सरकार ने जारी किया आदेश, मंत्रिमंडल सचिवालय ऐसे सभी मामलों की नोडल एजेंसी बना

अब गृह विभाग की जगह मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग केंद्रीय जांच एजेंसियों से जुड़े मामलों को देखेगा. डीएसपीई एक्ट की धारा पांच और छह के मामलों को छोड़ कर केंद्रीय जांच एजेंसियों से जुड़े सभी मामले देखने की जिम्मेवारी मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग को दे दी गई है. कैबिनेट सेक्रेटरी वंदना दादेल ने शनिवार को इसका आदेश जारी कर दिया है. जारी आदेश के मुताबिक सीबीआई, इनकम टैक्स सहित अन्य जांच एजेंसियों से जुड़े मामलों के लिए मंत्रिमंडल विभाग को नोडल डिपार्टमेंट बनाया गया है.

कार्यपालिका नियमावली में संशोधन को मिल चुकी मंजूरी : कैबिनेट की बैठक में राज्य की कार्यपालिका नियमावली 2000 में संशोधन की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है. इसके तहत अब ईडी, सीबीआई समेत अन्य जांच एजेंसियों को झारखंड के किसी भी अफसर, एमएलए या मंत्री के खिलाफ जांच करने से पहले राज्य सरकार से अनुमति लेनी होगी.

केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को नियंत्रित कर सकेंगे राज्य : अब झारखंड सरकार ने नियमावली में संशोधन कर मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग को इस संदर्भ में शक्ति प्रदान कर उसे कानूनी रूप दिया है. संशोधन इस लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि इसके जरिए सरकार ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई को कुछ हद तक नियंत्रित कर सकेगी. बताते चलें कि सीबीआई डीएसपीई एक्ट 1946 से नियंत्रित होती है. इस कानून की धारा पांच के अनुसार राज्य सरकार से संबंधित किसी मामले में जांच करने के लिए सीबीआई को राज्य सरकार की अनुमति प्राप्त करनी होगी.

कई राज्यों में सीबीआई की एंट्री पर प्रतिबंध : ईडी पीएमएलए एक्ट से नियंत्रित होती है. अब तक कई राज्यों ने सीबीआई की एंट्री पर अपने यहां प्रतिबंध लगा रखा है. अब तक जांच के लिए जिन राज्यों में लिखित अनुमति लेनी पड़ती थी, वहां विपक्षी पार्टियों की सरकार है. हालांकि, हाल ही में भाजपा शासित मध्य प्रदेश ने भी राज्य सरकार से जुड़े मामलों की जांच में सीबीआई को कार्रवाई से पहले राज्य सरकार की अनुमति लेना अनिवार्य किया है.

पाकिस्तान से बातचीत पर केंद्र ने रुख किया साफ

जब तक शांति नहीं, तब तक कोई संवाद नहीं : अमित शाह

एजेंसी। जम्मू

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को लेकर बड़ा बयान दिया है. शनिवार को उन्होंने साफ किया कि जब तक घाटी में शांति नहीं आती, तब तक पाकिस्तान से कोई संवाद नहीं होगा.

शाह की पाकिस्तान से बातचीत को लेकर ताजा टिप्पणी जम्मू कश्मीर में चुनावी जनसभा के दौरान आई है. केंद्र शासित प्रदेश की पहली चुनावी रैली में शाह ने कहा कि पहली बार भारत के संविधान तले यहां चुनाव हो रहा है. कोई ताकत जम्मू कश्मीर में स्वायत्तता की बात नहीं कर सकती है. गृह मंत्री बोले, बूथ हमारी सबसे बड़ी ताकत है और जब ये पूरी जोर से उतरते हैं तो अच्छे-अच्छे लोगों के पसीने छूटते हैं.

शाह ने लोगों से कहा कि यह संयोग है कि भाजपा की पहली चुनावी रैली गणेश चतुर्थी के दिन शुरू हो रही है. आगामी चुनाव ऐतिहासिक चुनाव है. देश की आजादी के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के मतदाता तिरंगे के नीचे अपना वोट डालेंगे.

शहरी क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण के लिए हेमंत सरकार की **बड़ी पहल**

12000 बागवान मित्र की सरकार करेगी नियुक्ति

रवि भारती। रांची

वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य सरकार शहरी क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण के लिए माली की तलाश कर रही है. इस कड़ी राज्य सरकार ने 12,000 युवाओं को माली, बागवान मित्र, उद्यान मित्र का प्रशिक्षण देने का फैसला लिया है.

इसके तहत सरकार राज्य और भारत सरकार के चिन्हित संस्थानों या एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त संस्थानों से 200 घंटे का सर्टिफिकेट कोर्स कराएगी. इसके तहत 25 दिनों तक माली का प्रशिक्षण दिया जाएगा. इस दौरान प्रति माली प्रति दिन 220 रुपए की दर से 30 दिनों का रुपए 6600 रुपए दिए जाएंगे. प्रति प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण का मूल्यांकन तथा प्रमाण-पत्र के लिए 1000 रुपए दिए जाएंगे. प्रति प्रशिक्षणार्थी परिवहन की प्रति-पूर्ति के लिए भी रुपए दिए जाएंगे. परिवहन पर प्रति माली 17,500 रुपए खर्च किए जाएंगे.

ऐसी होगी चयन प्रक्रिया : माली प्रशिक्षण के लिए इच्छुक युवाओं, जिनकी उम्र न्यूनतम 20 से 45 वर्ष के बीच हो, चयन किया जाएगा. 10वीं पास अथवा समकक्ष (प्रमाण पत्र), कृषि उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र में अनुभव होना अनिवार्य है. ग्राम पंचायत, वार्ड सदस्य, मुखिया द्वारा अनुमोदित युवा कृषकों को भारत सरकार या राज्य सरकार के चिन्हित प्रतिष्ठित संस्थानों में 200 घंटा (25) दिनों का माली प्रशिक्षण एवं प्रमाण पत्र के लिए चयन किया जाएगा.

किन जिलों से होगा माली का चयन

जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना के तहत 13 जिलों रांची, खूंटी, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, लातेहार, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, साहिबगंज, जामताड़ा, पाकुड़ एवं दुमका में युवाओं का चयन किया जाएगा. इन जिलों में प्रशिक्षण पर 63 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे. अन्य क्षेत्रीय उपयोजना के तहत ।। जिले हजारीबाग, रामगढ़, देवघर, गोड्डा, गिरिडीह, चतरा, कोडरमा, गढ़वा, धनबाद, पलामू एवं बोकारो में युवाओं का चयन किया जाएगा.

अवसर

- **माली बनने के लिए सरकार कराएगी 200 घंटे का सर्टिफिकेट कोर्स**
- **20 से 45 साल के युवाओं को मिलेगा मौका, मिलेगा रहने- खाने के लिए भत्ता**

उद्यान विकास योजना पर खर्च होंगे 129.25 करोड़ : राज्य सरकार वित्तीय वर्ष 2024-25 में उद्यान विकास योजना पर 129.25 करोड़ रुपए खर्च करेगी. इसके तहत बागवान-उद्यान मित्रों, कृषकों को 5 दिवसीय उद्यानिकी प्रशिक्षण दिया जाएगा. जिलों में उद्यानिकी फसलों के चहुंमुखी विकास के लिए पंचायत स्तर पर चयनित बागवान मित्रों, प्रखंड स्तर पर कार्यरत उद्यान मित्रों-कृषकों को उद्यानिकी फसलों की तकनीकी खेती के भी प्रशिक्षण दिए जाएंगे. इस प्रशिक्षण पर प्रति बागवान मित्र- उद्यान मित्र प्रतिदिन 336 रुपए दिए जाएंगे. प्रति व्यक्ति ठहरने और भोजन के लिए प्रतिदिन 220 रुपए दिए जाएंगे.

सहायक पुलिसकर्मियों ने सीएम का आभार जताया : सीएम हेमंत सोरेन से शनिवार को रांची स्थित सीएम आवास में राज्य के विभिन्न जिलों से आये सहायक पुलिसकर्मियों ने राज्य सरकार द्वारा कैबिनेट की बैठक में सेवा अवधि विस्तार एवं अन्य लाभ प्रदान किए जाने के निर्णय को लेकर उनका जताया आभार.

दो दिन के दौरे पर रांची पहुंचे **कोयला राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे,** बोले

झारखंड को देंगे रॉयल्टी

प्रमुख संवाददाता। रांची

केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार केंद्र सरकार झारखंड को उसके हिस्से की रॉयल्टी देगी. मंत्री दो दिन के झारखंड दौरे पर शनिवार को रांची पहुंचे. सीसीएल-सीएमपीडीआइ के अफसरों के साथ समीक्षा बैठक करने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जिन समस्याओं का समाधान किया जाना है, उसमें कोताही बरती जा रही है. वहीं केंद्र स्तर की समस्याओं का समाधान तुरंत कर दिया जा रहा है. सीसीएल और सीएमपीडीआइ के कार्यों की समीक्षा के बारे में कहा कि खनन कार्य लक्ष्य के अनुरूप चल रहा है. पिछले दो महीने में बरसात के कारण उत्पादन प्रभावित हुआ. फिलहाल 90 फीसदी से अधिक उत्खनन का काम हो चुका है.

खनन कार्य में आ रही समस्या के लिए राज्य सरकार जिम्मेवार : केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री ने झारखंड में खनन कार्य में आ रही समस्याओं के लिए राज्य सरकार को जिम्मेवार ठहराया है. उन्होंने कहा कि फिलहाल केंद्र से राज्य सरकार को जो दिया जा रहा है और जो झारखंड सरकार को करना चाहिए, वह नहीं हो रहा है. उन्होंने किसानों की समस्याओं के समाधान का भी आश्वासन दिया.

झारखंड सरकार पर साधा निशाना : केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री ने झारखंड सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि यह सरकार सिर्फ लूटने में लगी है. अब यह ज्यादा दिन नहीं टिकेगी. जल्द ही झारखंड में विधानसभा चुनाव होने वाला है. इस सरकार को जनता सत्ता से बाहर कर देगी. उन्होंने कहा कि रैयतों की परेशानी जल्द ही दूर कर ली जाएगी.

रांची में मंत्री का जोरदार स्वागत : इससे पहले रांची आगमन पर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में लोगों ने उनका स्वागत किया. मंत्री ने सबसे पहले बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. इसके बाद मंत्री ने सीसीएल के कार्य-कलापों का जायजा लिया. इसमें सीसीएल के सीएमडी नीलेंदु कुमार सिंह एवं निदेशकगण भी मौजूद थे. मंत्री ने सीसीएल के उत्पादन, प्रेषण एवं अन्य गतिविधियों की समीक्षा की तथा उचित दिशा निर्देश दिये. देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कोयले के उत्पादन एवं प्रेषण में और बढ़ोतरी करने के लिए कई दिशा-निर्देश भी दिए.

पिपरवार में सोलर प्लांट का उद्घाटन करने के बाद मंत्री का संबोधन.

मंत्री ने सीएमपीडीआई के कार्यों की समीक्षा की

कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने शनिवार को सीएमपीडीआई एवं सीसीएल की समीक्षा की. सीएमपीडीआई के समीक्षा के दौरान उन्हें सीएमपीडीआई के कार्य-कलापों की विस्तृत जानकारी दी गई. उन्हें बताया गया कि सीएमपीडीआई कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया के अतिरिक्त अन्य संस्थानों यथा हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड, नाल्को, एनटीपीसी, एनएमडीसी, सेल इत्यादि को भी खनन एवं संबंधित कार्यों हेतु परामर्शी सेवाएं प्रदान करता है. मंत्री ने कोयला एवं खनन उद्योग के विकास में सीएमपीडीआई के योगदान की सराहना की एवं भविष्य में और बेहतर कार्य करने हेतु प्रेरित किया.

पिपरवार में सोलर पावर प्लांट का किया उद्घाटन

मंत्री ने बाद में सीसीएल के पिपरवार क्षेत्र का दौरा किया, जहां उन्होंने सीसीएल की महत्वाकांक्षी परियोजना-20 मेगावाट क्षमता के एक सोलर पावर प्लांट का उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित किया. इस सोलर पावर प्लांट के माध्यम से स्थानीय लोगों को भी बहुत लाभ मिलना है. इस दौरान मंत्री स्थानीय अधिकारियों एवं हितधारकों से भी मिले. उन्होंने हितधारकों के समुचित विकास के लिए कई दिशा निर्देश भी दिये.

मणिपुर में फिर हिंसा, 6 की मौत

चुराचांदपुर में उग्रवादियों के तीन बंकर तबाह, पूर्व सीएम के घर बमबाजी

एजेंसी। इंफाल

मणिपुर के जिरीबाग में सुरक्षा बलों ने संभाला मोर्चा.

मणिपुर एक बार फिर हिंसा की आग में झुलस रहा है. शुक्रवार से शुरू हुई हिंसा शनिवार को दूसरे दिन भी जारी है. बताया जा रहा है कि हिंसा के दौरान मैतेई समुदाय के एक बुजुर्ग की हत्या कर दी गई. इस घटना के जवाब में जिरीबाम जिले में पांच कुकी उग्रवादियों को मार दिया गया है.

हिंसा के बाद मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने शनिवार को इमरजेंसी कैबिनेट मीटिंग बुलाई. इस घटना में कई लोग घायल भी हुए हैं और मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है. इससे पहले मणिपुर के पहले सीएम मैरेम्बम कोइरेंग के घर पर उग्रवादियों ने रॉकेट हमला किया. इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और छह अन्य घायल हो गए थे. हमले के बाद पूर्व सीएम के घर पर कमांडो तैनात कर दिये गये. इसके जवाब में सुरक्षा बलों ने पड़ोसी जिले चुराचांदपुर में तीन बंकरों को तबाह कर दिया और सैन्य हेलीकॉप्टर की मदद से हवाई गश्त की गई.

इस बीच, मणिपुर अखंडता पर समन्वय समिति ने बढ़ते कुकी हमलों का आरोप लगाते हुए सार्वजनिक आपातकाल की घोषणा की है. समिति के प्रवक्ता खुरैजाम अथौबा ने कहा कि कुकी आक्रामकता दोगुनी हो गई है. पिछले कुछ दिनों में इंफाल पश्चिम में ड्रोन से बमबारी की कई घटनाएं हुई हैं. इनमें कई लोग मारे गए हैं और कई अन्य घायल हुए हैं. **-शेष पेज 11 पर**

टेक्नॉलजी टाइम मैगजीन की टॉप 100 लिस्ट बता रही अपना टाइम भी जल्दी ही आ रहा

इंडिया कुछ सालों में बनेगा एआई किंग, चिप का चैंपियन

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

टाइम मैगजीन में किन खास लोगों को मिली जगह

टाइम मैगजीन के 100 पॉवरफुल लोगों में अश्वनी वैष्णव, नंदन नीलेकणि के अलावा अभिनेता अनिल कपूर, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च इंडिया की हेड कलिका बाली, अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई, ओपेन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन, माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के अलावा कई अन्य नाम भी शामिल है.

दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की दुनिया का बड़ा खिलाड़ी होने के गुर सीख रहा है. देश के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव भारत के इस मिशन को मुमकिन बनाने के मिशन को लीड कर रहे हैं. पिछले साल भारत ने दुनिया को एआई सक्षम बनाने के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस पर ग्लोबल पार्टनरशिप की अध्यक्षता की.

भारत की अध्यक्षता में जुलाई मे ग्लोबल इंडिया एआई सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें दो हजार से ज्यादा एआई एक्सपर्ट्स ने शिरकत की. इसमें ओपन एआई और माक्रोसॉफ्ट समेत 20 देशों के सीनियर प्रतिनिधि भी थे. भारत सरकार ने उभरते एआई सेक्टर के लिए 1.2 बिलियन डॉलर आवंटित किए हैं. 'इंडियाएआई' मुहिम के जरिए भारत एआई की तरफ कदम बढ़ा रहा है. वैष्णव का मंत्रालय इस मुहिम को लीड कर रहा है. भारत को यकीन है कि वह अगले 5 सालों में सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाले टॉप 5 देशों में शुमार हो जाएगा, जो मॉडर्न एआई सिस्टम के लिए बेहद जरूरी है

ये शब्द दुनिया की प्रतिष्ठत टाइम मैगजीन की एआआई के चैंपियनों की लिस्ट ''टाइम100'' में शुमार केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव की तारीफ में लिखे गए हैं. दुनिया भारत को किस नजर से देखने लगी है, यह उसकी बानगी है. टाइम की लिस्ट और उसमें भारतीयों की तारीफ में लिखे गए शब्द बता रहे हैं कि एआई और चिप की दुनिया में इंडिया का टाइम आ रहा है. मैगजीन ने दुनिया में एआई फील्ड में 100 लोगों की लिस्ट जारी की है. इस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में प्रभाव डालने वाले बड़े चेहरों को शामिल किया गया है, जिसमें केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव भी शामिल हैं.

मैगजीन ने भारत की रणनीति को सराहा : मैगजीन ने भारत की एआई रणनीति में अश्वनी वैष्णव की भूमिका पर खास फोकस किया गया है. मैगजीन ने उसकी भमिका को हाईलाइट करते हुए लिखा, आशा है कि अश्वनी वैष्णव के नेतृत्व में भारत अगले 5 सालों में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग करने वाले टॉप-5 देशों में शामिल होगा. मैगजीन ने अभिनेता अनिल कपूर के बारे में लिखा, उन्होंने हाईकोर्ट में उनके जैसे दिखने के लिए एआई के इस्तेमाल पर जीत हासिल की. अनिल ने कहा था कि उन्हें को रक्षा का अधिकार है. फैसला भी अनिल कुमार के पक्ष में ही आया था.

शहर में आज

1. आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक, डोरंडा कार्यालय में दिन के 11 बजे
2. नेत्रदान पखवाड़ा का समापन, झारखंड आई बैंक बरियातु
3. फिरायालाल में वार्षिक सेल शुरू, मेन रोड में दिन के 10 बजे
4. युवा रविवार, सीएनआई चर्च बहूबाजार में दिन के 9 बजे
5. पुस्तक मेला, जिला स्कूल में दिन के 9 बजे
6. भाकपा का अधिवेशन, वेंडर मार्केट हॉल में दिन के 11 बजे
7. महानगर श्री दुर्गा पूजा समिति के प्रधान कार्यालय का उद्घाटन, बिहार क्लब में दिन के 11 बजे
8. युवा आजसू का झारखंड नवनिर्माण संकल्प सभा, प्रभात तारा मैदान धुर्वा में दिन के 11.30 बजे
9. हरियाणा संघ की बैठक, अग्रसेन भवन में दिन के 11 बजे

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

चैंबर अध्यक्ष ने कोयला राज्यमंत्री से की मुलाकात

रांची। केंद्रीय कोयला एवं खनन राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे के रांची प्रवास के दौरान एक कार्यक्रम में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष किशोर मंत्री ने औपचारिक मुलाकात कर, झारखंड प्रदेश के व्यापारियों और उद्यमियों की ओर से उनका अभिनंदन किया. मौके पर राज्य में बंद पड़ी खदानों को खोलने की पहल के साथ ही कोयला एवं खान मंत्रालय से जुड़े विषयों पर भी चैंबर अध्यक्ष ने केंद्रीय मंत्री का ध्यान आकर्षित कराया. मौके पर चैंबर अध्यक्ष के साथ चैंबर के पूर्व अध्यक्ष मनोज नरेडी भी साथ थे.

टेट पास सहायक शिक्षकों ने न्याय मार्च निकाला

रांची। शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम ने शनिवार को टेट पास सहायक शिक्षकों से वार्ता की. उन्होंने उन्हें एक सप्ताह बाद फिर से वार्ता के लिए बुलाया. इससे पहले टेट सफल सहायक अध्यापक संघ के बैनर तले राज्य के सभी जिलों से करीब 5 हजार टेट पास सहायक अध्यापकों ने शिक्षा मंत्री आवास के समक्ष न्याय मार्च में भाग लिया. पारा शिक्षक पुराने विधानसभा के समक्ष एकत्रित हुए और वहां से शिक्षा मंत्री के आवास की ओर बढ़े. किंतु बड़ी संख्या में तैनात पुलिस प्रशासन ने मंत्री आवास से पहले ही रोक दिया. इसी माहौल में प्रशासन के द्वारा मंत्री से वार्ता की बात कही गई. प्रदेश कमेटी के 11 व्यक्तियों के नाम की सूची वार्ता के लिए प्रशासन को दी गई. प्रदेश के पांच सदस्यों से मंत्री आवास में मंत्री से वार्ता हुई. इसके बाद पारा शिक्षकों को मंत्री की ओर से पुनः वार्ता के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया. इसके बाद आंदोलन को स्थगित कर दिया गया. मार्च में प्रमोद कुमार, मिथिलेश उपाध्याय, सीमांत घोषाल, मीना, महेश मेहता, राजेंद्र प्रसाद, गौरव कुमार, राजकिशोर महतो आदि शामिल थे.

पार्किंग एरिया भर जाने से कुछ विक्रेता सड़क तक पहुंचे, शाम होते ही लालपुर डिस्टिलरी पुल स्थित वेजीटेबल मार्केट के पास लग जाता है जाम

पार्किंग में सब्जी की दुकानें और सड़क पर खड़ी की जाती हैं गाड़ियां

- नगर निगम की अस्थायी व्यवस्था से लोग परेशान

आकर्ष अनिकेत। रांची

सब्जी की खरीदारी के आने वाले लोग सड़क पर ही गाड़ी लगाने को मजबूर.

वेजीटेबल मार्केट के बाहर सड़क पर खड़े वाहन और मौजूद पुलिसकर्मी.

शहर के लालपुर-कोकर रोड को जाम से छुटकारा दिलाने के लिए निगम ने डिस्टिलरी पुल के पास वेजीटेबल मार्केट का निर्माण किया. निगम के 2016 सर्वे के मुताबित 278 लोगों को मार्केट में दुकान मुहैया करानी थी. वेजीटेबल मार्केट में सिर्फ 130 लोगों की व्यवस्था हो पायी. जब अन्य विक्रेताओं ने इसका विरोध किया, तो निगम ने टेंपरेरी व्यवस्था की. कुछ विक्रेताओं को मार्केट की पार्किंग ऐरिया में जगह दे दी गई. पार्किंग एरिया भर जाने के कारण कुछ विक्रेता मार्केट के बाहर सड़क तक पहुंच गये. ऐसी स्थिति में सब्जी की खरीदारी के आने वाले लोग सड़क पर ही गाड़ी लगाने को मजबूर हो गये और स्थिति यह है कि सड़क पर रोजाना जाम की स्थिति बनी रहती है. **पार्किंग में जगह नहीं सड़क पर गाड़ी लगाने पर कट रहा चालान :** सब्जी की खरीदारी करने वाले लोगों की समस्या में अब और इजाफा हो चुका है. पार्किंग में जगह नहीं होने के कारण जब लोग सड़क किनारे गाड़ी लगाने को मजबूर हैं, तो यातायात विभाग द्वारा चालान काटा जा रहा है. **वेजीटेबल मार्केट के पीछे मौजूद पार्क बना विक्रेताओं का शौचालय :** डिस्टिलरी पुल स्थित वेजीटेबल मार्केट के पीछे निगम का पार्क है, जिसका निर्माण 2017 में किया गया था. पूरी तरह खंडहर में तब्दील हो चुके इस पार्क का इस्तेमाल सब्जी विक्रेता शौच करने के लिए करते हैं. विक्रेताओं ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि मार्केट के आस-पास शौचालय की कोई व्यवस्था नहीं की गई है. मार्केट जब शुरू हुई थी, तो निगम द्वारा अस्थाई शौचालय की व्यवस्था की गयी थी, पर कुछ दिन बाद उसे भी हटा दिया गया. विक्रेता ने बताया कि यही वजह है कि वे लोग पार्क में शौच करने को मजबूर हैं.

लोगों की मांग, पार्क में हो पार्किंग की व्यवस्था

सड़क जाम और चालान के पीड़ित लोगों ने बातचीत के दौरान बताया कि निगम को पार्क में पार्किंग की व्यवस्था करनी चाहिए. सब्जी खरीदने आये अभीषेक पासवान ने बताया कि पार्क पूरी तरह खंडहर हो चुका है. पार्क में ही पार्किंग की व्यवस्था करनी चाहिए. वहीं राजकुमार चौरसिया ने बताया कि या तो कुछ विक्रेताओं को पार्क में शिफ्ट किया जाए या तो वहां पार्किंग की व्यवस्था की जाए. उन्होंने बताया कि पार्क का इस्तेमाल अब ऐसे भी शौचालय के रूप में किया जा रहा. शाम में नशेड़ी अड्डा जमाकर बैठते हैं. ऐसे में इसका इस्तेमार ठीक ढंग से किया जाना चाहिए.

झारखंड देश का पहला राज्य, जहां अधिवक्ताओं को भी पेंशन

सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ रही सरकार: सीएम

- ईमानदारी, निष्ठा एवं संवेदनशीलता के साथ समस्याओं का किया जा रहा है समाधान

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के विभिन्न जिलों से आए सहायक पुलिस कर्मियों ने मुलाकात कर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया.

सीएम हेमंत सोरेन से शनिवार को कांके रोड मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में राज्य के विभिन्न जिलों से आए सहायक पुलिस कर्मियों ने मुलाकात कर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया. मुख्यमंत्री के समक्ष सहायक पुलिसकर्मियों ने हर्ष जताते हुए कहा कि विगत 6 सितंबर को आयोजित हुए कैबिनेट की बैठक में राज्य सरकार द्वारा झारखंड के विभिन्न जिलों में कार्यरत सहायक पुलिसकर्मियों के सेवा अवधि विस्तार एवं अन्य लाभों को स्वीकृति दिए जाने का निर्णय सराहनीय पहल है. सहायक पुलिस कर्मियों ने मुख्यमंत्री से कहा कि आपके कुशल नेतृत्व में सभी को उनका हक-अधिकार मिल रहा है. मुख्यमंत्री जी हम सभी की ओर आपका आभार और धन्यवाद! इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में सहायक पुलिस कर्मियों के लिए उनकी सरकार सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेगी.

सीएम ने कहा कि झारखंड देश का पहला राज्य जहां अधिवक्ताओं को भी पेंशन मिलेगी. हमारी सरकार राज्यहित से जुड़े कार्य निरंतर कार्य कर रही है. आमजनों के लिए सरकार के दरवाजे हमेशा खुले हैं. आज राज्य के विभिन्न जिलों से लगातार लोगों का हुजूम ढ़ोल-नगाड़ा लेकर मुख्यमंत्री आवास जश्न मनाने पहुंच रहें है. सरकार के पदाधिकारी आमजनों के घरों तक पहुंच कर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहें हैं. सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को पंचायत-पंचायत, गांव-गांव, घर-घर पहुंचाया जा रहा है. मौके पर मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर एवं विभिन्न जिलों से आए सहायक पुलिस कर्मियों में विवेकानंद प्रसाद गुप्ता, राजकुमार पासवान, अविनाश कुमार, उज्जवल कुमार, सोनाली हेंब्रम, मगडाल बागे, शांति मुंडा, उमेश मुंडारी, राजेंद्र हांसदा, शाहदेव भगत, सावन मुंडा, स्मिता कुमारी, देवकी बालमुचू, पवन लीला किस्कू, रविंद्र साहू सहित अन्य सहायक पुलिस कर्मी उपस्थित थे.

झारखंड के वकीलों के साथ धोखाधड़ी : भाजपा

इस बीच, भाजपा विधि प्रकोष्ठ की एक आपात बैठक शनिवार को सिविल कोर्ट बार ऐसोशिएसन मे हुई जिसकी अध्यक्षता प्रदेश संयोजक सुधीर श्रीवास्तव ने की. बैठक में राज्य सरकार द्वारा जी वकीलों को ठगने के लिए लॉलीपॉप दिखाया गया है, उस पर विस्तार से चर्चा हुई. सुधीर ने बताया की वकीलों के लिए कुल राशि राज्य सरकार द्वारा 9 करोड़ की स्वीकृति दे दी गई, जिसमें 6000 रुपए प्रति अधिवक्ता बतौर अनुदान झारखंड अधिवक्ता कल्याण निधि न्यासी समिति को सरकार देगी, अब सवाल यह उठता है की झारखंड के कुल वकील झारखंड मे 33000 से अधिक हैं और उक्त 9 करोड़ को 6000 प्रति अधिवक्ता के हिसाब से 15000 वकीलों मे ही समाप्त हो जाएगा. इसका अर्थ यह हुआ की आधे वकील राज्य सरकार का लाभ ले पाएंगे और आधे वकील इंतजार करेंगे.

लालपुर थाने में दो युवकों ने पुलिस अफसर को जमकर पीटा

सौरभ सिंह। रांची

लालपुर थाना में दो युवकों ने पुलिस पदाधिकारी को जम कर पीटा. इसके बाद दोनों युवकों को पुलिस ने जेल भेज दिया. यह घटना शुक्रवार की देर रात एक बजे की है. पिटाई का एक वीडियो भी सामने आया है. इसमें दिख रहा है कि एक व्यक्ति थाने में ही एक पुलिस वाले की जमकर पिटाई कर रहा है. हाजत में बंद करने के बावजूद दोनों युवक पुलिसकर्मियों को वर्दी उतरवाने की धमकी देते रहे. मारपीट करने वाले युवकों की पहचान रवि रंजन लकड़ा और विनोद लकड़ा के रूप में हुई है. पुलिस के काम में बाधा पहुंचाने, पुलिस के साथ मारपीट, गाली गलौज के आरोप में एफआईआर दर्ज किया गया है. दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है. मारपीट का जो वीडियो बना है, उसे भी पुलिस ने सबूत के तौर पर रखा है. **दी वर्दी उतरवाने की धमकी :** दोनों अपने आप को राजनीतिक पार्टी का कार्यकर्ता होने का हवाला देकर गाली गलौज और दो मिनट अंदर वर्दी उतरवाने की धमकी देने लगे. बाद में अन्य पुलिसकर्मियों के साथ कार सवार दोनों युवकों को काबू में कर थाने लाया गया. थाने के अंदर आने के बाद दोनों युवक हंगामा करने लगे और कई कागजात फाड़ डाले. मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी जब दोनों युवकों को काबू में करने की कोशिश करने लगे, तब उसने पुलिस वालों की छाती, पीठ और चेहरे पर मुक्का चलाना शुरू कर दिया. एक बार तो एक युवक ने पुलिस वाले को दीवार में भी जोरदार पटक दिया. इस मारपीट में लालपुर थाने के ओडी पदाधिकारी बुरी तरह से जख्मी हो गए. **दोनों युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई :** पूरे मामले को लेकर लालपुर थाने में पदस्थापित एएसआई सुनील मुर्मू के बयान पर दोनों युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है. सुनील मुर्मू के अनुसार 6 सितंबर की रात 10:00 बजे से वे रात्रि गश्ती ड्यूटी में थे. रात के करीब 1:00 बजे एक सफेद रंग की कार काफी तेज और लापरवाही के साथ लालपुर चौक की तरफ जा रही थी, जिसे चेकिंग के क्रम में रोका गया. कार के नंबर प्लेट के ऊपर भाजपा पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य का बोर्ड भी लगा हुआ था. पुलिसकर्मियों के द्वारा जब कर चालक से कागजात मांगे गए तब वह मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों से अभद्र भाषा में बातचीत करने लगा.

वायरल हुआ वीडियो, पुलिस ने भेजा दोनों को जेल

वायरल वीडियो में क्या दिखा

वायरल वीडियो में दिख रहा है कि एक व्यक्ति थाने में ही एक पुलिस वाले की जमकर धुनाई कर रहा है. कई लोग और थाने में बैठे हुए हैं, लेकिन उनमें से किसी ने भी आगे आकर पुलिस वाले को बचाने की कोशिश नहीं की. थोड़ी देर बाद एक दूसरा पुलिस वाला भी जब अपने साथी के पास जाता है तो उसके साथ भी वह युवक धक्का मुक्की करता है और मारपीट करने लगता है. अतिरिक्त पुलिस बल थाने में पहुंचती है तब दोनों युवकों को काबू में करके हाजत में बंद किया जाता है. हाजत में बंद करने के बाद भी दोनों युवक पुलिसकर्मियों को वर्दी उतरवाने की धमकी देते रहे.

पुलिस अब सुनेगी आमजन की शिकायत

रांची रेंज में 27 जगहों पर होगा जन शिकायत समाधान कार्यक्रम : बिरथरे

वरीय संवाददात । रांची

झारखंड पुलिस राज्य के सभी जिलों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन करेगी. डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर इस कार्यक्रम की शुरुआत 10 सितंबर से होगी. जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में 18 मुख्य मुद्दे पर आम जनता की समस्या सुनकर उनकी मदद की जायेगी. रांची रेंज के रांची, गुमला, खूंटी, लोहरदगा और सिमडेगा में कुल 27 जगहों पर कैंप लगाकर पुलिस आम लोगों की समस्या सुनेगी. **इन जगहों पर सुनी जायेगी समस्याएं : रांची जिला :** पुलिस लाइन, खेलगांव थाना परिसर, प्रखंड कार्यालय अनगड़ा, प्रखंड कार्यालय सिल्ली, मांडर थाना परिसर, प्रखंड कार्यालय खलारी, बेडो थाना परिसर, लापुंग थाना परिसर, इटकी थाना परिसर, डोरंडा थाना परिसर, जगन्नाथपुर थाना परिसर, नामकुम थाना परिसर, कांके थाना परिसर, पिठोरिया थाना परिसर, प्रखंड कार्यालय रातु , प्रखंड कार्यालय नगड़ी और अनुमंडल कार्यालय बुंडू. **लोहरदगा जिला :** टाउन हॉल लोहरदगा. **गुमला जिला :** नहर भवन गुमला, एसएस हाई स्कूल घाघरा, बसिया थाना परिसर, रायडीह थाना परिसर, राजकीय कृत प्लस टू हाई स्कूल परिसर डुमरी और चैनपुर थाना परिसर **सिमडेगा जिला :** नगर भवन सिमडेगा. **खूंटी जिला :** नगर भवन खूंटी और डीएसपी ऑफिस तोरपा.

रांची रेलवे स्टेशन पर बंद रहता है एक्सलेटर

रांची। रांची रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए एक्सलेटर लगाया गया है, लेकिन यह अक्सर बंद रहता है. खास कर तब तक कोई ट्रेन स्टेशन पर आने वाली होती या जाने वाली होती है. इससे यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. खास कर वैसे यात्री, जो बुजुर्ग हैं या जिनका शरीर कमजोर है. विकलांग यात्रियों के लिए तो यह सबसे खराब हालात होते हैं.जानकारी के मुताबिक यात्रियों को सीढ़ी नहीं चढ़ना पड़े इसके लिए एक्सलेटर लगाया गया है. इसकी जानकारी आम लोगों को है. इस कारण लोग एक्सलेटर की तरफ ही आगे बढ़ते हैं, लेकिन जब वहां पहुंचते हैं, तो पाते हैं कि एक्सलेटर चल ही नहीं रहा है. ऐसे में लोगों के पास दो ही रास्ते बचते हैं. एक्सलेटर पर बनी लोहे की सीढ़ी से ही सावधानी के साथ उतरे या चढ़ें या वापस लौट कर सीमेंट की सीढ़ियों का ही इस्तेमाल करें.

बिजली में आत्मनिर्भर होगा झारखंड

- दिसंबर से पतरातू प्लांट से मिलेगी 800 मेगावाट बिजली

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड जल्द ही बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाएगा. दिसंबर से पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिडेड से 800 मेगावाट बिजली मिलने लगेगी. शनिवार को पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिडेड के सीइओ आरके सिंह ने इसकी घोषणा की. उन्होंने कहा कि 4000 मेगावाट के इस पावर प्लांट का निर्माण तेजी से हो रहा है. पहली यूनिट से दिसंबर से उत्पादन शुरू हो जाएगा. दूसरी यूनिट का निर्माण कार्य सितंबर 2025 में और तीसरी यूनिट का निर्माण कार्य 2025 के दिसंबर में पूरा कर लिया जाएगा. 4000 मेगावाट के इस पावर प्लांट से 85 फीसदी बिजली झारखंड के खाते में आएगी.

4000 मेगावाट के पावर प्लांट के लिए भरपूर कोयला : पतरातू के 4000 मेगावाट के पावर प्लांट के लिए भरपूर कोयला उपलब्ध है. बनहर्दी कोल बनहर्दी कोल ब्लॉक में अब तक 1500 मिलियन टन कोयला मौजूद होने का अनुमान लगाया गया है. बनहर्दी कोल ब्लॉक पतरातू में बन रहे 4000 मेगावाट के पावर प्लांट के लिए आवंटित किया गया है. **हर साल 10 मिलियन टन कोयला निकालने का लक्ष्य :** बनहर्दी कोल ब्लॉक से हर साल 10 मिलियन टन कोयला निकालने का लक्ष्य रखा गया है. इस हिसाब से हिसाब से 35 साल में 350 मिलियन टन कोयला निकाला जाएगा. बनहर्दी और टीवीएनएल को आबंटित राजबार कोल ब्लॉक में मौजूद कोयले की कीमत लगभग 60 हजार करोड़ रुपए आंकी गई है.

4600 एकड़ में चंदवा का बनहर्दी कोल ब्लॉक है

पतरातू प्लांट के लिए आवंटित बनहर्दी कोल ब्लॉक लातेहार के चंदवा में 4600 एकड़ में है. पूरा एरिया 18 वर्ग किलोमीटर में है. इसमें 10 वर्ग किलोमीटर में ड्रिलिंग हो चुकी है. जिसमें 900 मिलियन टन कोयला का अनुमान लगाया गया है. शेष 8 वर्ग किलोमीटर में 600 मिलियन टन कोयला का अनुमान है. हरियाणा की साउथ वेस्ट पिनाकल कंपनी ने इस ब्लॉक की ड्रिलिंग की है.

कनहर प्रोजेक्ट रिपोर्ट को कब केंद्र को भेजेंगे: हाईकोर्ट

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से मौखिक पूछा कि पलामू एवं गढ़वा में किसानों के खेतों को कब तक पानी मिलेगा? प्रस्तावित कनहर बराज प्रोजेक्ट रिपोर्ट को फाइनल कर कब तक केंद्र सरकार को भेजेंगे ताकि फंडिंग हो सके. हाई कोर्ट की खंडपीठ ने राज्य सरकार द्वारा कनहर प्रोजेक्ट के लिए और आठ साल मांगे जाने संबंधी शपथ पत्र को खारिज करते हुए कहा कि राज्य सरकार जल्द से जल्द कनहर बराज प्रोजेक्ट के एनवायरमेंटल क्लीयरेंस, फॉरेस्ट क्लीयरेंस, जमीन अधिग्रहण आदि कार्यों को निष्पादित करें. जिससे केंद्र सरकार से फंड मिल सके. खंडपीठ ने शनिवार को सुनवाई के बाद राज्य सरकार को एक सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए कहा कि यदि सरकार का जवाब सटीक नहीं आता है तो मुख्य सचिव को कोर्ट में उपस्थित होना होगा.

चुनाव कार्यक्रम झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नये सत्र 2024-25 का चुनाव 22 सितंबर को

इस बार मेरी टीम चुनाव लड़ रही, परेश गट्टानी के साथ हैं हम लोग : किशोर

रेहान अहमद। रांची

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नये सत्र 2024-25 का चुनाव रविवार, 22 सितंबर को गुरुनानक स्कूल सभागार में होगा. इसकी तैयारी चल रही है. चैंबर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि जी हां चुनाव की तैयारी चल रही है, इस बार मैं चुनाव में नहीं खड़ा हो रहा हूं. हमारी एक टीम है, उस टीम से परेश गट्टानी अध्यक्ष पद के उम्मीदवार होंगे. हमारी पूरी टीम उनके साथ है. यह चुनाव पूरी तरह नियम व अनुशासन के पालन के साथ होगा.

किशोर मंत्री

21 से कम या 21 से अधिक मतदान करने वालों की गणना नहीं होगी : ललित केडिया

चुनाव समिति के चेयरमैन ललित केडिया ने कहा कि पिछले वर्ष 57 उम्मीदवार चुनावी मैदान में किस्मत आजमाने उतरे थे. इनमें 21 लोग स्कूटनी कमेटी के मेंबर होते हैं. इन्हें ही फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नये सत्र 2024-25 के लिये पद नाम दिये जाएंगे. चुनाव चेयरमैन ने बताया कि इस लिए सभी मतदाताओं को 21 मतदान करने हैं, 21 से कम हो या 21 से ज्यादा होने पर मतदान की गणना नहीं होगी.

हम टीम के साथ हैं : आदित्य

उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि जी हां चैंबर का चुनाव काफी करीब आ गया है, उन्होंने कहा कि हमारी टीम चुनाव लड़ रही है, टीम में परेश गट्टानी जी हैं, हम सभी उनके साथ मजबूती से खड़े हैं.

कल अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करूंगा दाखिल : गट्टानी

चैंबर के महासचिव परेश गट्टानी ने कहा कि इस बार टीम ने मुझे अध्यक्ष पद के चुनाव लड़ने के लिए कहा है. मेरे साथ पूरी टीम है, मेरी टीम में सारे पूर्व अध्यक्ष शामिल हैं. 9 को चुनाव के लिए अपना नामाकन दाखिल करूंगा. उन्होंने कहा कि जब मेरे साथ मेरी अपनी टीम है, तो फिर मुझे कोई फिक्र नहीं है. पूर्व में भी अपने सचिव के कार्यकाल के दौरान व्यवसाई जगत, छोटे-बड़े उद्योगों के क्षेत्र में विकास के कार्य किया है. इस बार भी व्यापारी भाई की परेशानी दूर करने के मुद्दे पर प्राथमिकता के साथ कार्य करेंगे.

9 व 10 को नामांकन : 22 सितंबर को चैंबर का चुनाव गुरुनानक स्कूल में रखा गया है. मतदान दिन के 9 बजे से संध्या 5 बजे तक चलेगा. उम्मीदवारों को 9 व 10 सितंबर तक अपना नामांकन दाखिल करना है. नामांकन वापसी की तिथि 12 सितंबर तक है. नामांकन वापसी के बाद उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी. **20 तक कर सकते हैं चुनाव प्रचार:** कहा कि 20 सितंबर तक उम्मीदवार अपना चुनावी प्रचार-प्रसार कर सकते हैं, 20 सितंबर की रात 10 बजे के बाद प्रचार प्रसार पूरी तरह वर्जित रहेगा. **3909 मतदाता करेंगे मतदान :** इस चुनाव में कुल 3909 मतदाता मतदान प्रक्रिया में शामिल होंगे, चैंबर की सदस्यता सूची के अनुसार 3656 लाईफ मेंबर, 156 जेनरल मेंबर, 83 सम्बद्ध संस्थाएं, 11 कॉरपोरेट मेंबर और 3 पैट्रोन सदस्य हैं, जेनरल, कॉरपोरेट और सम्बद्ध संस्थाओं से अपील की गई कि वे चुनाव से पूर्व सदस्यता शुल्क का ड्यूज बकाया है, तो उसका भुगतान कर दें, ड्यूज बकाया होने की स्थिति में मतदान से वंचित किया जा सकता है, प्रत्येक सदस्य को एक वोट करने का अधिकार है. **21 को आमसभा :** 21 सितंबर को चैंबर भवन में आमसभ आयोजित की जाएगी. जिसमें सारे सदस्य मेंबर चैंबर के सभी जगह के पदधारी शामिल होंगे. आमसभा में चुनाव के एक वर्ष के कार्यकाल की जानकारी दी जाएगी.

विधायक सरयू राय के खिलाफ अरगोड़ा थाने में एफआईआर दर्ज

संवाददाता। रांची

पूर्व मंत्री और निर्दलीय विधायक सरयू राय के खिलाफ रांची के अरगोड़ा थाना मे एफआईआर दर्ज कराया गया है. आहार पत्रिका प्रकाशन मामले में मनोज सिंह ने एफआईआर दर्ज कराया है.अरगोड़ा थाना क्षेत्र के रहने वाले मनोज सिंह अरगोड़ा थाने में दिए आवेदन में लिखा है कि सरयू राय ने रघुवर सरकार में खाद्य आपूर्ति मंत्री रहते हुए विभाग से प्रकाशित आहार पत्रिका के मुद्रण, प्रकाशन और वितरण के लिए अपने नजदीकी लोगों को 3.38 करोड़ रुपए का अवैध भुगतान किया है. मनोज सिंह ने आरोप लगाया है कि पत्रिका के प्रकाशन के लिए कोई टेंडर भी नहीं निकाला गया. पूरे मामले में पैसे के गबन को दबाने के लिए सरयू राय ने अपने जान-पहचान के लोगों को प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के पद पर नियुक्त कर कर विभागीय दिशा-निर्देशों की अवहेलना कर मामले को रफा-दफा करवाने का भी प्रयास किया.

सरयू राय के करीबियों पर भी लगा है आरोप

मनोज सिंह ने तत्कालीन विभागीय मंत्री सरयू राय, उनके निजी सहायक और आहार पत्रिका के कार्यकारी संपादक के अलावा सुनील शंकर एवं अन्य पर गंभीर आरोप लगाया है. मामले से संबंधित सभी कागजात उन्होंने थाने को उपलब्ध भी कराया है. मनोज सिंह के लिखित आवेदन पर अरगोड़ा थाने में केस नंबर 228/ 24 दर्ज कर लिया गया. अरगोड़ा पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

तापमान
32.4° अधिकतम | 24.0° न्यूनतम

www.lagatar.in | रांची, रविवार 08 सितंबर 2024 | भाद्रपद शुक्ल पक्ष 05 संवत 2081 | पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ | वर्ष : 2, अंक : 151 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

नहीं रहे एचईसी के सबसे पुराने यूनियन लीडर राणा संग्राम सिंह

संवाददाता। रांची

मजदूर आंदोलन के एक महान पुरोधा राणा संग्राम सिंह का शनिवार को निधन हो गया. वे 96 वर्ष के थे और एचईसी के सबसे पुराने यूनियन लीडर और इंटक के वरीय राष्ट्रीय सचिवभी थे. सिंह का पार्थिव शरीर पारस-एचईसीअस्पताल के मार्चरी में रखा गया है. उनका अंतिम संस्कार रविवार को धुर्वा स्थित सीठियो मुक्तिधाम में सुबह 11 बजे होगा. यूनियन लीडर सिंह के धुर्वा स्थित आवास से मुक्तिधाम तक सुबह 10 बजे शव यात्रा निकलेगी. हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन

आज होगा अंतिम संस्कार

- धुर्वा मोड़ स्थित आवास से सीठियो मुक्तिधाम के लिए निकलेगी शवयात्रा

के संयुक्त महामंत्री लीलाधर सिंह ने राणा संग्राम सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि सिंह के निधन के साथ ही मजदूर आंदोलन के एक युग की समाप्ति हो गयी. बताया कि उनकी आखिरी इच्छा थी कि एचईसी का एक बार फिर से पुनरुद्धार किया जाए.

कैमूर जिले के मोहनिया के पास बसंतपुर में हुआ था जन्म

राणा संग्राम सिंह का जन्म कैमूर जिले के मोहनिया के पास बसंतपुर गांव में हुआ था. सिंह ने 1956 में रांची जिला के कांके प्रखंड के ठाकुरगांव से ग्रामीण विकास पदाधिकारी के रूप में अपने कॅरियर की शुरुआत की थी. उन्होंने 1960 में एचईसी ज्वाइन किया था. 1962 में हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन (एचईसी द्वारा मान्यता प्राप्त यूनियन) के उपाध्यक्ष चुने गये थे. 1969 में राणा संग्राम सिंह हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के महामंत्री निर्वाचित हुए. उन्होंने एचईसी कर्मी के लिए छोटे-बड़े कुल 80 समझौते किये, जिनमें से एक 1971 का प्रसिद्ध त्रिपक्षीय समझौता भी शामिल है. इस समझौते से सभी वर्ग के कर्मचारी लाभान्वित हुए थे. सिंह ने दो बार एचईसी का पुनरुद्धार भी कराया. एचईसी को बीआईएफआर से बाहर निकलवाने में कामयाब रहे .

राजनीति में भी थी अच्छी पकड़ थी सिंह की

मजदूर नेता के रूप में ख्यातिप्राप्त राणा संग्राम सिंह की राजनीति में अच्छी पकड़ थी. सिंह एचईसी के हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के अलावा बासल पतरातू , एसबीएल रांची, एसएनएल रांची, मेरिन डीजल इंजन प्लांट रांची और इंडियन एक्सप्लोसिव कर्मचारी यूनियन, गोमिया के अध्यक्ष रहे. इसके अलावा वे बिहार प्रदेश कांग्रेस लेबर सेल और झारखंड प्रदेश कांग्रेस लेबर सेल के अध्यक्ष के साथ-साथ झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरीय उपाध्यक्ष भी रहे. उन्होंने इंटक के राष्ट्रीय वरीय सचिव, झारखंड प्रदेश इंटक के कार्यकारी अध्यक्ष और इंडियन नेशनल मेटल वर्कर्स फेडरेशन के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में भी काम किया है. 1967 के दंगे से पीड़ित विस्थापित मुस्लिम परिवारों को बसाने में भी मदद की थी. उनके इस नेक काम के लिए इंदिरा गांधी ने व्यक्तिगत रूप से उन्हें संदेश भेजकर बधाई दी थी.

विराजे विघ्नहर्ता

गणपति बप्पा मोरिया... गणेश चतुर्थी पर विघ्नहर्ता के दर्शन के लिए शनिवार को राजधानी रांची में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा. भगवान गणेश से सबने सुख, संपत्ति और लंबे जीवन का वरदान मांगा. पूरे शहर में तीज के बाद गणेश पूजा की धूम है. शहर में कई स्थानों पर पंडाल में भगवान गणेश दर्शन दे रहे हैं. -फोटो। रमीज

अच्छी खबर : केंद्र सरकार ने झारखंड को दी पीएम आवास की सौगात

113195 आवासों का आवंटन

संवाददाता। रांची

प्रत्येक लाभुक को मिलेंगे दो-दो लाख रुपए, रांची को मिले 6410 आवास

केंद्र सरकार ने करीब तीन साल बाद चुनावी वर्ष में झारखंड को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से आवासों का आवंटन किया है. केंद्रीय कैबिनेट में हुए फैसले में पूरे देश में तीन करोड़ पीएम आवास बनाने का लक्ष्य रखा गया है. इसी के मद्देनजर अन्य राज्यों के साथ-साथ झारखंड को भी पीएम आवास आवंटित किये गये हैं.

केंद्र सरकार ने झारखंड को 113195 आवास बनाने का लक्ष्य दिया है. इस संबंध में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने झारखंड को आवंटन आदेश दिया है. सबसे अधिक पलामू, गढ़वा, गिरिडीह और रांची जिले को आवास आवंटित हुए हैं. सबसे कम आवास निर्माण का लक्ष्य कोडरमा व खूंटी जिले को मिला है. लक्ष्य प्राप्त होते ही ग्रामीण विकास विभाग योग्य लाभुक के चयन की प्रक्रिया फिर से प्रारंभ करेगा. प्रत्येक लाभुक को आवास बनाने के लिए दो- दो लाख रुपए की राशि आवंटित की जाएगी.

उल्लेखनीय है कि झारखंड सरकार ने 2020-21 में ही 10 लाख लाभुकों की लिस्ट तैयार करके केंद्र सरकार के पास भेजी थी. केंद्र ने समीक्षा करने के बाद दो लाख अयोग्य लाभुकों के नाम लिस्ट से काट दिए थे. इसके बाद आठ लाख लाभुकों को आवास देने की मांग हुई. केंद्र

इन जिलों को मिले इतने आवास

जिला	लक्ष्य		
पलामू	12916	गोड्डा	1575
सरायकेला	6195	गुमला	3177
गढ़वा	9097	हजारीबाग	5614
लातेहार	4232	जामताड़ा	4907
पाकुड़	2786	खूंटी	1603
बोकारो	4431	कोडरमा	1143
देवघर	3720	लोहरदगा	4023
चतरा	5704	रामगढ़	2309
धनबाद	5295	रांची	6410
दुमका	3977	साहिबगंज	5154
पूर्वी सिंहभूम	1965	सिमडेगा	3158
गिरिडीह	8599	पश्चिम सिंहभूम	5205
		कुल	113195

- तीन साल बाद केंद्र सरकार को आई याद, रोक दिया था आवासों का आवंटन
- विरोध में सीएम हेमंत सोरेन ने राज्य में शुरू कर दी अबुआ आवास योजना
- जरूरत के हिसाब से झारखंड को मिला है बेहद कम आवासों का आवंटन

ने शर्त लगाई कि पहले लंबित आवासों को पूरा करें, इसके बाद ही नए आवास आवंटित होंगे. हालांकि, राज्य सरकार ने दो लाख से अधिक लंबित आवासों को बनाने का काम तेजी से किया, पर अभी 33 हजार आवास पेंडिंग हैं. इस बीच सीएम हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह गरीबों को आवास से वंचित कर रहा है. इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री अबुआ आवास योजना शुरू कर दी. जिसमें तीन कमरों का पक्का मकान बनाने के लिए दो लाख रुपए देने की स्वीकृति दी गयी. पहले चरण में आठ लाख लाभुकों का चयन हुआ जिसके विरुद्ध दो लाख आवासों का आवंटन हुआ है. हालांकि, बाद में आवास देने का लक्ष्य 20 लाख तक पहुंच गया है. अब केंद्र सरकार ने भी पीएम आवास से आवास स्वीकृत कर दिया है. इधर सूत्रों ने कहा कि जरूरत के हिसाब से झारखंड राज्य को बेहद कम आवासों का आवंटन मिला है. राज्य सरकार पहले ही अबुआ आवास योजना के जरिए गरीबों को पक्का घर उपलब्ध करवा रही है.

पैरालंपिक

नवदीप ने जीता रजत सिमरन को कांस्य

पेरिस। भारत के पैरा भाला फेंक एथलीट नवदीप ने पुरुष भाला फेंक एफ41 स्पर्धा में निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक अपने नाम किया. नवदीप ने अपने तीसरे प्रयास में 47.32 मीटर का थ्रो किया जो उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो रहा. इससे पहले भारत की महिला पैरा एथलीट सिमरन ने महिला 200 मीटर टी12 स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक जीता. मौजूदा विश्व चैंपियन सिमरन ने चार खिलाड़ियों के फाइनल में निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 24.75 सेकेंड का समय लिया और पोडियम फिनिश करने में सफल रहीं. सिमरन 100 मीटर में पदक लाने से चूक गई थीं, लेकिन 200 मीटर में कांस्य पदक लाने में सफल रहीं. भारत अब तक इस पैरालंपिक में छह स्वर्ण, 10 रजत और 13 कांस्य पदक समेत 29 पदक जीत चुका है. भारत पैरालंपिक के इतिहास में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर चुका है.

ब्रीफ खबरें

बीआईटी क्षेत्र में सड़क हादसे में एक की मौत

रांची। राजधानी के बीआईटी ओपी क्षेत्र के मुख्य सड़क पर शनिवार को सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गयी. मृतक की शिनाख्त पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर के चकुलिया निवासी अमल गोप के रूप में की गयी है. मिली जानकारी के अनुसार ऑटो पर सवार होकर अमल गोप रांची की ओर आ रहा था. इसी क्रम में ऑटो के अंसतुलित होने पर अमल अचानक सड़क पर गिर गया. इसी दौरान वह अज्ञात वाहन के चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत मौके पर ही हो गयी. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया. ओपी प्रभारी रौशन ने बताया कि फिलहाल पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है. आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है. शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है.

राणा का जुझारूपन अविस्मरणीय : सुबोध

रांची। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने इंटक के वरिष्ठ नेता और हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के महामंत्री राणा संग्राम सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है. उन्होंने अपनी शोक संवेदना में कहा कि स्व. सिंह जीवन पर्यंत श्रमिक हितों के लिए संघर्षरत रहे. एचईसी के श्रमिकों के हितों के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य हमेशा याद किए जाते रहेंगे. उनकी कार्यशैली और उनका जुझारूपन अविस्मरणीय है. एचईसी के श्रमिक नेता के रूप में उनकी पहचान युगों-युगों तक रहेगी. सहाय ने कहा कि एचईसी के जीर्णोद्धार और श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए उनके साथ काम करने का कई बार सौभाग्य रहा, उन्होंने कभी प्रबंधन से समझौता नहीं किया. दिवंगत की आत्मा की शांति और उनके परिजनों को इस दुख में संबल प्रदान करने की ईश्वर से कामना है.

नगर प्रशासक ने किया सेवा सदन के पास ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण

ट्रीटमेंट प्लांट की नियमित मॉनिटरिंग हो: संदीप सिंह

संवाददाता। रांची

सेवा सदन के पास तीन एमएलडी के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण शनिवार को नगर प्रशासक संदीप सिंह ने अन्य अफसरों के साथ किया. प्लांट के साथ प्रशासक ने आस-पास के क्षेत्रों का जायजा भी लिया. टीम को आस-पास के नालों की सफाई व गाद हटवाने का निर्देश दिया. एसटीपी की नियमित मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया.

मौके पर अभियंताओं ने बताया कि अभी एसटीपी पूरी क्षमता के साथ काम कर रहा है और स्वच्छ पानी को तालाब में छोड़ा जा रहा. प्रशासक ने पास रहने वाले लोगों से बातचीत की. इसके बाद प्रशासक ने अफसरों को जल्द से जल्द कार्रवाई का निर्देश दिया. बता दें कि प्लांट का निर्माण इलाके से निकलने वाले नाले के गंदे पानी को साफ कर तालाब में छोड़ने के लिए किया गया था, जो पिछले साल नवंबर से चालू है. मौके पर अपर प्रशासक सौरभ प्रसाद, मुख्य अभियंता रमा शंकर राम, उप प्रशासक रविंद्र कुमार, सहायक प्रशासक निहारिका तिर्की समेत निगम के अन्य कर्मी उपस्थित थे.

15 नवंबर तक हैंडओवर हो मोरहाबादी स्थित वेंडिंग जोन : नगर प्रशासक ने मोरहाबादी स्थित 4.8 करोड़ की लागत से बन रहे वेंडिंग जोन का भी निरीक्षण किया. इस दौरान उन्हें अभियंताओं ने बताया कि यहां कुल 198 दुकान लगाने की व्यवस्था है और अगले दो महीने में इसका काम पूरा हो जाएगा. वहीं प्रशासक ने गुणवत्तापूर्वक वेंडिंग जोन का काम पूरा करने व 15 नवंबर तक इसके हैंडओर की प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया.

अब मात्र 6 घंटे में ही तय होगा दुमका से रांची तक का सफर

- पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

संवाददाता। रांची

दुमका से रांची के लिए वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ 15 सितंबर को होगा. पीएम नरेंद्र मोदी 15 को टाटानगर से बैद्यनाथ धाम-काशी विश्वनाथ व दुमका-रांची वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे.

गोड्डा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे के प्रस्ताव पर रेल मंत्रालय ने बैद्यनाथधाम से काशी विश्वनाथ और दुमका से रांची वंदे भारत की मंजूरी दी है. यह शुक्रवार को छोड़ कर सप्ताह में हर दिन चलेगी. रांची से ट्रेन सुबह 5 बजे और दुमका से सुबह 6.20 बजे रवाना होगी. ट्रेन रांची से टाटीसिलवे, मेसरा, बरकाकाना, हजारीबाग, कोडरमा, न्यू गिरिडीह, महेश मुंडा, जसीडीह, बैद्यनाथ धाम होते हुए दुमका पहुंचेगी. दुमका रांची वंदे भारत से छह घंटे का समय लगेगा. गोड्डा, देवघर, मधुपुर से न्यू गिरिडीह

15 सितंबर को रांची-दुमका वंदे भारत का शुभारंभ

ट्रेन का प्रस्तावित समय
रांची से ट्रेन सुबह 5 बजे खुलेगी.
5 .15 बजे टाटासिलवे
5 .23 बजे मेसरा
6 .15 बजे बरकाकाना
7 .10 बजे हजारीबाग टाउन
820 बजे कोडरमा
10 .33 बजे न्यू गिरिडीह
और 10 .55 बजे महेश मुंडा

स्टेशन होते हुए जमुआ, राजधनवार, कोडरमा, बरही व हजारीबाग के रास्ते ट्रेन रांची पहुंचेगी. ट्रेन में जनरल बोगी नहीं होगी. ट्रेन का किराया ज्यादा होगा. टाटानगर से बैद्यनाथ धाम काशी वंदे भारत ट्रेन वाराणसी से सुबह 6: 20 बजे खुलेगी. सुबह 9: 10 बजे गया स्टेशन पहुंचेगी और दोपहर 13:30 बजे बैद्यनाथधाम स्टेशन पहुंच जाएगी. ट्रेन का परिचालन शुरू होने से देवघर में बाबा बैद्यनाथ व गया में विष्णु पद मंदिर व वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर का दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को अत्यधिक सुविधा मिलेगी. हालांकि इस संबंध में आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है.

सदर अस्पताल में डेंटल लैब शुरू करने की हो रही तैयारी

संवाददाता। रांची

सदर अस्पताल में बढ़ती सुविधाओं के साथ-साथ मरीजों की संख्या भी बढ़ती जा रही है. मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन भी मरीजों को नई-नई सुविधा उपलब्ध कराने में तत्पर है. अनेक सुविधाओं से लैस सदर अस्पताल अब दांत के मरीजों के लिए डेंटल लैब शुरू करने की तैयारी में है.

इससे शहर के लोगों की जेब पर बोझ नहीं बढ़ेगा और कम से कम पैसों में दांतों का पूरा सेट भी लगाया जा सकेगा. फिलहाल अस्पताल में डेंटल लैंब नहीं होने के कारण काफी मरीजों को निराशा हाथ लगती और प्राइवेट क्लीनिक के चक्कर लगाने पड़ते हैं, जहां उन्हें काफी पैसे खर्चकर इलाज कराना पड़ता है.

दर्जनों मरीज रोज दांत की समस्या लेकर आते हैं अस्पताल : सदर अस्पताल में रोजाना दर्जनों की संख्या में मरीज इलाज कराने आते हैं. जानकारी के मुताबित रोजाना ओपीडी में लगभग 50 मरीज दांत की समस्या लेकर आते हैं. हालांकि अस्पताल में डेंटल लैब नहीं होने के कारण उन्हें निराशा हाथ लगती है. सदर अस्पताल में डेंटल लैब शुरु होने से दांत उखड़वाने, आरसीटी करवाने व अन्य चीजों में लोगों को आसानी हो जाएगी. बता दें कि आरसीटी के लिए प्रइवेट क्लीनिक में लगभग 10 से 15 हजार रुपये तक खर्च आता है. सदर अस्पताल में डेंटल लैब बनने से लोग इसका भरपूर लाभ उठा सकेंगे.

- प्रइवेट क्लीनिक में मोटी रकम खर्च करने से बचेंगे दांत के मरीज

आर्टिफिशियल दांत भी होगा तैयार : जानकारी के मुताबिक लैब में मरीजों के दांत का आकार लेकर आर्टिफिशियल दांत तैयार किया जाएगा, जिसके बाद उसे मरीजों की दांत की जगह फिट कर दिया जाएगा. साथ ही सदर अस्पताल में लैब खुलने के प्राइमरी हेल्थ सेंटर (पीएचसी) और कम्युनिटी हेल्थ सेंटर (सीएचसी) को भी इससे जोड़ा जाएगा. सीएचसी व पीएचसी में भी डेंटल डॉक्टर मरीजो की जांच करेंगे और जरूरत पड़ने पर उन्हें सदर अस्पताल रेफर करेंगे.

प्राकृतिक इलाज विशेषज्ञों ने कहा, बेहतर स्वास्थ्य और चुस्ती-फुर्ती के लिए कौशिकी नृत्य के हैं कई फायदे

आप भी करें कौशिकी नृत्य, दूर भगाएं सारे रोग

राजन बॉबी। रांची

नृत्य किसे नहीं भाता. नृत्य का चलन आदिकाल से चला आ रहा. इससे तन तो स्वास्थ्य रहता ही है, मन को भी सुकून मिलता है. बेहतर स्वास्थ्य के लिए यह फायदेमंद माना जाता है, नृत्य की कुछ इन्हीं खूबियों को महसूस कर आनंदमार्ग के प्रवर्तक श्रीश्री आनंदमूर्ति जी ने 6 सितंबर 1978 को कौशिकी नृत्य का प्रवर्तन किया था, तभी से अनुयाई ध्यान-साधना के साथ इस नृत्य को आत्मसात कर न सिर्फ स्वयं, लाभान्वित हो रहे, बल्कि दूसरों को भी प्रेरित कर रहे.

अवधूतिका आनंद दानव्रता आचार्या बताती हैं कि ये नृत्य महिला जनित रोगों के लिए रामबाण है. शारीरिक और मानसिक रोगों की

राजधानी के शिवनारायण मारवाड़ी स्कूल कौशिकी नृत्य की प्रैक्टिस करतीं छात्राएं.

औषधि है. इसके अनगिनत फायदे हैं. उन्होंने बताया कि जन-जन को इसके फायदे से रूबरू कराने के लिए आनन्द मार्ग प्रचारक संघ 6 सितंबर को इसका आयोजन करता है. स्कूलों-कॉलेजों की छात्राओं को ट्रेनिंग दी जाता है. शुक्रवार को ही शिवनारायण मारवाड़ी महिला स्कूल में संघ की ओर से कौशिकी दिवस मनाया गया. इसमें छात्राओं को कौशिकी नृत्य का प्रशिक्षण दिया गया. साथ ही सभी के बीच प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी, जिसमें महिला कल्याण विभाग के सचिव ज्योत्सना, मृदुला, निवेदिता, संजू, चेतना, शिवानी, अनुपमा और विशाल कुमार ने मुख्य योगदान दिया.

नृत्य भी व्यायाम है, फायदे तो होंगे ही : डॉ अजय

होम्योपैथ चिकित्सक डॉ अजय बताते हैं कि नृत्य भी एक तरह का व्यायाम है, योग है, तो बेहतर स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होना स्वाभाविक है. लेकिन ये तभी फायदेमंद होगा, जब आचार-व्यवहार और खान-पान की शुद्धता के साथ रोज अभ्यास किया जाए. आज मोटापा बड़ी बीमारी है. महिलाओं के लिए तो ये और खतरनाक है. नित्य नृत्य से मोटापा नहीं बढ़ेगा. शरीर और मन आनंदित होंगे. कोई चिंता नहीं सताएगी. शरीर स्वास्थ रहेगा. डॉ अजय ने जुंबा डांस का उदाहरण देते हुए अपनी बातों को और भी स्पष्ट किया.

डॉ करुणा शाहदेव ने भी गिनाए फायदे

महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. करुणा शाहदेव ने भी कौशिकी नृत्य के कई फायदे गिनाए. बताया कि आज कौशिकी नृत्य सबके लिए जरूरी है. लोग एंटीबायोटिक और एनालजेसिक दवाओं के दुष्प्रभाव से ग्रसित है. लोगों को रोग सता रहे. ऐसे में यह नृत्य जरूरी है. ये नृत्य सिर से लेकर पैर तक के सभी ग्रंथियों का व्यायाम है. इससे सभी प्रकार के वात रोग, अर्थराइटिस, रीढ़ में दर्द, कमर दर्द, अर्श, हार्निया, किडनी, लीवर रोग आदि से निजात पाई जा सकती है.

CAMBRIAN PUBLIC SCHOOL
Affiliated to CBSE, Delhi Aff. No. 3430087
Kanke Road, Ranchi-834008
ADMISSION OPEN (2025-2026)
FOR CLASSES PRE-NURSERY to III
Registration Form & Prospectus will be available for Pre-Nursery to Class III , in the School office w.e.f 09.09.2024 from 09:00 am – 12:00 pm on all working days on payment of Rs.1500/- Only.
- Age criteria-Pre-Nursery (3-4), Nursery (4-5), Prep (5-6) & I (6-7).
- Parents must carry Aadhar Card (If Available) & Municipal Birth Certificate to procure the forms.
N.B: BPL category students can also apply online through www.dserranchi.com (as per Govt. norms) for admission in Pre-Nursery only.
TRANSPORT FACILITY AVAILABLE ON ALL ROUTES
Dr. Neeta Pandey Principal
Contact- 7631000023, 7631000024, E-Mail- info@cambrianpublicschool.com
Website : www.cambrianpublicschool.com

गुरुनानक स्कूल में क्षेत्रीय योगासन चैंपियनशिप

रांची । गुरुनानक उच्च माध्यमिक विद्यालय में सीबीएसई पूर्व क्षेत्रीय योगासन चैंपियनशिप -2024 का शनिवार को तीसरा दिन भी उत्साहपूर्ण रहा. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में 40 से अधिक स्कूल और 350 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, प्रतिभागियों ने विभिन्न श्रेणियों में भाग लिया, जिनमें अंडर 14 लड़के और लड़कियां, अंडर 15 लड़के और लड़कियां, अंडर 19 लड़के और लड़कियां शामिल हैं. प्रतिभागियों ने पारंपरिक समूह योग, सोलो लयात्मक योग और व्यक्तिगत कलात्मक योग जैसी प्रतियोगिता में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया. आज आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं की विभिन्न श्रेणियों में विजेता हैं.

होटल प्रबंधन संस्थान में आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन, डॉ. भूपेश ने कहा

जीवन जीने की कला का नाम है आर्ट ऑफ लिविंग

संवाददाता रांची

होटल प्रबंधन संस्थान के प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार ने कहा कि जीवन जीने की कला का नाम आर्ट ऑफ लिविंग है. डॉ. कुमार संस्थान में आयोजित आर्ट ऑफ लिविंग के पांच दिवसीय यस प्लस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे. यह कार्यक्रम बी.एससी इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर रहे तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए 2 सितंबर से 6 सितंबर तक आयोजित किया गया था. उन्होंने कहा कि छात्रों के संपूर्ण विकास के लिए आर्ट ऑफ लिविंग अत्यंत महत्वपूर्ण है.

डॉ. कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से सार्वभौमिक शिक्षा नीति में मूल्य आधारित शिक्षा के महत्व को उजागर किया गया है. एक छात्र के लिए साथ ही मानसिक स्वास्थ्य की प्राथमिकता, नैतिक मूल्यों का संज्ञान और साझा सामाजिक जिम्मेदारी का विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना अच्छे अंक प्राप्त करना या नौकरी पाना. इस प्रशिक्षण के माध्यम से छात्र मानसिक केन्द्रीकरण में वृद्धि, चिंता और अवसाद से छुटकारा, आशावाद के स्तर में बढ़ोतरी, बेहतर भावनात्मक विनियमन तथा जीवन जीने की कला जैसे कारकों को लेकर लाभान्वित होंगे. उन्होंने बताया कि यस प्लस विशेषज्ञों की टीम है जो विशेष रूप से छात्रों की समस्याओं का समाधान के लिए तैयार किया गया है.

प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षण रिया तयाल एवम विवेक जैन ने छात्रों को फेसबुक, इंस्टाग्राम या किसी सोशल मीडिया का सीमित उपयोग करते हुए व्यक्तिगत रूप से तीन नए दोस्त बनाने तथा प्राणायाम, सुदर्शन क्रिया एवं भस्त्रिका के तीन चरणों का अभ्यास, अपना नाम रचनात्मक तरीके से लिखने, अपनी आवश्यकताओं और जिम्मेदारियों की एक सूची बनाने, दयालुता के तीन अनियमित कार्य करने, अपने माता-पिता के लिए कुछ अच्छा करने, वर्तमान क्षण अपरिहार्य, लोगों और स्थितियों को वैसे ही स्वीकार करें जैसे वे हैं, दूसरों की गलतियों के पीछे की मंशा न देखें जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षित किया.

प्रशिक्षण का उद्देश्य

- छात्रों के समग्र प्रदर्शन में सुधार.
- आत्मविश्वास, रचनात्मकता और संचार को बढ़ाना.
- अन्य क्षेत्रों में नेतृत्व व टीम निर्माण हेतु आत्म-विकास के कौशल विकसित करने में सहायता.
- छात्रों को वर्तमान समय की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु महत्वपूर्ण जीवन कौशल से लैस करना.

शहर के पूजा पंडाल

आरआर स्पोर्टिंग क्लब के पूजा पंडाल में दिखेगा झारखंडी परिवेश

संवाददाता । रांची

आरआर स्पोर्टिंग क्लब दुर्गा पूजा समिति का पूजा पंडाल इस बार भी अनूठा होगा. दर्शनार्थी यहां मां दुर्गा और अन्य देवी देवताओ की कलात्मक प्रतिमाओं का दर्शन तो करेंगे ही, साथ ही उन्हें वन्य जीवन और झारखंडी परिवेश की झलक भी मिलेगी. समिति के विक्की यादव ने बताया कि पंडाल का अवलोकन करते ही अभिवादन जोहार के साथ गांव की संस्कृति, लोकनृत्य, पारंपरिक हथियार, वाद्ययंत्र आदि की मनोहारी छटा देखते ही बनेगी. पंडाल की बाह्य साज-सज्जा में झारखंड के वन्य जीवन को दर्शाया जाएगा. कुम्हार के चाक पर बनते मिट्टी के बर्तन, हाथी, घोड़ा और अन्य जीवों का खूबसूरत नजारा होगा, सोहराय पेंटिंग, छऊ नृत्य मंडली के साथ राज्य के महापुरुषों की आकृतियों का अलग आकर्षण रहेगा. उन्होंने बताया कि इस बार पूजा में लगभग 45 लाख रुपये खर्च आने का अनुमान है. पश्चिम बंगाल के 50 कारीगर और मजदूर 60 फीट लंबे, 70 फीट चौड़े और 50 फीट ऊंचे पंडाल को जमीनी रूप देने में लगे हैं. उन्होंने बताया कि आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ कई तोरण द्वार बनाए जाएंगे, जिसकी खूबसूरती का अलग आकर्षण रहेगा.

गठित की गयी है कमेटी : पूजा के सफल आयोजन को लेकर कमेटी गठित की गयी है, जिसमें मुख्य संरक्षक विक्की यादव, अध्यक्ष राहुल यादव, कोषाध्यक्ष रोहित यादव, कार्यकारिणी अध्यक्ष अभिमन्यु सिंह यादव, मुख्य पुजारी संतोष पाठक, सचिव अजित कुमार, महासचिव धर्मेंद्र कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बबलू सिंह और मनोज अग्रवाल, उपाध्यक्ष अभिषेक तिवारी, सूरज वर्मा, अमित यादव, साहिल यादव, विकास सिंह, सचिन चौधरी, साजन, दीपक वर्मा और राजा, प्रचार मंत्री राजू राय और सुभाष राय, महामंत्री संजीव कुमार, बिट्टू चौधरी, शुभम चौधरी और रवि यादव, मंत्री आयुष पाठक, किशन कर्मकार और सौरभ, प्रचार मंत्री विट्टू साही और मीडिया प्रभारी आयुष राज वर्मा, राजवीर चौधरी को चुना गया है.

जेना टेंट के कारीगर बना रहे पंडाल : पश्चिम बंगाल से आए दर्जनों कारीगर और मजदूर पूजा पंडाल के निर्माण में लगे हैं. जेना टेंट हाउस की ओर से पंडाल निर्माण से लेकर साज-सज्जा का काम कराया जा रहा है. कारीगर पुष्पेंद्र नायक ने बताया कि मौसम की बेरुखी को ध्यान में रख साज-सज्जा के साथ-साथ पंडाल निर्माण का काम भी तेजी से किया जा रहा है. ढांचा खड़ा किया जा चुका है. जल्द ही पंडाल खूबसूरती बिखेरने लगेगा. आंधी आए या फिर तूफान हर हाल में तय समय पर काम कर देंगे. उन्होंने बताया कि हेड कारीगर अशोक दास के नेतृत्व में शहर में चार बड़े पूजा पंडाल निर्माण का काम चल रहा है.

पुरुष में उत्तरी क्षेत्र महिला वर्ग में साईं शक्ति विजेता

खेल संवाददाता । रांची

1 से 7 सितंबर तक हॉकी इंडिया और हॉकी झारखंड के संयुक्त तत्वावधान में मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह हॉकी स्टेडियम में आयोजित प्रथम हॉकी इंडिया जूनियर महिला और सब जूनियर पुरुष इंटर जॉन चैंपियनशिप का समापन हुआ. सब जूनियर पुरुष वर्ग में उत्तरी क्षेत्र विजेता, पूर्वी क्षेत्र उपविजेता और साईं अकादमी की टीम तृतीय स्थान प्राप्त रही. वहीं जूनियर महिला वर्ग में साईं शक्ति विजेता, पूर्वी क्षेत्र उपविजेता और पश्चिम क्षेत्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया.

शनिवार को जुनियर महिला ग्रुप में पश्चिम क्षेत्र और साईं बल के बीच तीसरे और चौथा स्थान के लिए मुकाबल खेला गया. जिसमें पश्चिम क्षेत्र ने साईं बल को 3 – 1 से पराजित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया. वहीं फाइनल मुकाबला पूर्वी क्षेत्र और साईं शक्ति के बीच खेला गया. जिसमे साईं शक्ति ने पूर्वी क्षेत्र को 3 – 0 से पराजित कर चैंपियन बनी. इस मैच में वीमेन ऑफ़ द मैच साईं शक्ति की काजल रही. सब-जूनियर पुरुषों वर्ग में पश्चिम क्षेत्र और साईं अकादमी के बीच तीसरे और चौथा स्थान के लिए मैच खेले गया. जिसमें में साईं अकादमी ने पश्चिम क्षेत्र को 2 – 1 से पराजित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया. फाइनल मुकाबला पूर्वी क्षेत्र और उत्तरी क्षेत्र के बीच खेला गया. जिसमें में उत्तरी क्षेत्र ने पूर्वी क्षेत्र को 3 – 1 से पराजित कर चैंपियन बनी.

वीमेंस टी20 लीग में रांची रॉयल्स और धनबाद ड्रैगन्स की दूसरी जीत

रांची । जेएससीए द्वारा आयोजित झारखंड महिला टी 20 लीग के दूसरे दिन रांची रॉयल्स और धनबाद ड्रैगन्स ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की. धनबाद ड्रैगन्स और जमशेदपुर टाइटंस के बीच खेले गए मुकाबले में धनबाद ड्रैगन्स ने जमशेदपुर टाइटंस की 7 विकेट से मात दी. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जमशेदपुर टाइटंस ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 144 रन बनाए, जिसमें जया कुमारी के नाबाद 79 रन की पारी खेली. दूसरी पारी में धनबाद ड्रैगन्स ने 19 .3 ओवर में तीन विकेट खोकर 145 रन बनाकर जीत दर्ज की. कुमारी मेघा की शानदार नाबाद 64 रन की पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच बनीं. दिन के दूसरे मुकाबले में रांची रॉयल्स ने बोकारो वॉरियर्स को 9 विकेट से हराकर बड़ी जीत दर्ज की. पहले अल्लेबाजी करते हुए बोकारो वॉरियर्स ने 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 86 रन ही बना सकी.

विभिन्न स्थानों पर श्रीगणेश महोत्सव प्रारंभ, गुलजार हुई राजधानी

भव्य दरबार में विराजे गणपति

संवाददाता । रांची

राजधानी भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि शनिवार को श्रीगणेश महोत्सव से राजधानी गुलजार रही.घरो से लेकर पूजा पंडालो तक भक्ति की स्वरलहरियां गूंजती रही. श्रीगणेश के दर्शन-पूजन को बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े. पूजा पंडालों में देर शाम तक तांता लगा रहा. गणपति महाराज के दर्शन को पहुंचे भक्तों के बीच पूजा समितियों की ओर से विशेष भोग के साथ मोदक, लड्डू और बुंदिया आदि का वितरण किया गया. अब कहीं तीन तो कही दस दिनी महोत्सव भक्तो को बरबस ही लुभाएगा. साउथ रेलवे कॉलोनी, चुटिया और सामलौंग आदि में दस दिनी उत्सव को लेकर मेला भी लगाया गया है. छोटे-बड़े झूलो के साथ खाने-पीने के स्टॉल श्रद्धालुओ के मन भा रहा है.

नेहरू बाल युवक संघ गणेश पूजा समिति, कृष्णा नगर कॉलोनी में पंडित पुरुषोत्तम दास गोस्वामी और पंडित राधेश्याम गोस्वामी ने नेम-निष्ठा से पूजन संपन्न कराया. इसके बाद भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज, भाजपा नेता सत्यनारायण सिंह, रमेश सिंह, नंदकिशोर अरोड़ा, हरविंदर सिंह बेदी और पूर्व पार्षद अशोक यादव ने पूजा पंडाल का विधिवत उद्घाटन किया गया. राकेश शर्मा, राहुल चौधरी, दीपक सिंह, राजकुमार शर्मा, दिलीप गुप्ता, अरुण जसूजा, अश्विनी सुखीजा और विनोद किंगर मौके पर मौजूद थे. दिनभर दर्शन-पूजन का सिलसिला चला. रात दस बजे से जागरण शुरू हुआ. इलाहाबाद के सरोज चंचल ने भजन प्रस्तुत कर सब को झुमाया.

विश्वनाथ शिव मंदिर, पिस्का मोड़ में दिन के दस बजे पूजा-अर्चना की गयी. पुरोहित राजेश मिश्रा ने पूजन-अनुष्ठान संपन्न कराया. गणेश भक्त मंडल के खूबलाल कुमार ने यजमान के रूप में इसमें हिस्सा लिया. दोपहर बाद पंडाल का पट खुलते ही दर्शनार्थियों का तांता लग गया. संध्या बेला सामूहिक रूप से गणपति बप्पा की आरती उतारी गयी. भक्तो के बीच लड्डू प्रसाद बांटा गया. अध्यक्ष शैलेश्वर दयाल सिंह ने बताया कि यहां तीन दिनी उत्सव चलेगा. इस बीच नित्य पूजन-आरती के साथ लड्डू और विशेष भोग बांटा जाएगा.

न्यू स्टार नव युवक संघ श्रीगणेश पूजा समिति, सामलोंग में दोपहर बाद पट खुला. बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ ने दर्शन-पूजन कर विघ्नहर्ता गणेश जी से मनोवांक्षित फल की कामनाएं की. लाइट हाउस के थीम पर बना मनोहारी पंडाल में विराजे श्रीगणेश के दर्शन-पूजन को देर शाम तक तांता लगा रहा. भव्य दरबार में समुंद्र मंथन के थीम पर बनायी गयी गणेशजी की प्रतिमा सब के मन भा रही है. मौके पर लगाए गए मीना बाजार में कई तरह के झूले और खाने-पीने के स्टॉल बरबस ही लोगों को आकर्षित करते रहे. शाम सात बजे दस दिनी महोत्सव का विधिवत उद्घाटन किया गया.

श्रीश्री गणेश पूजा समिति, साउथ रेलवे कॉलोनी में काल्पनिक मंदिर के प्रारूप पर आधारित पंडाल में श्रीगणेश आभा बिखेर रहे हैं. पूजा-अर्चना के बाद गणपति बप्पा की महाआरती उतारी गयी. इसके बाद आम भक्तों के लिए पंडाल का पट खोल दिया गया. फिर देर शाम तक श्रद्धालुओ ने दर्शन-पूजन के साथ मीना बाजार का भी जमकर लुफ्त उठाया. समिति के सचिव उमा शर्मा ने बताया कि 17 सितंबर को शोभायात्रा के साथ प्रतिमा विसर्जन किया जाएगा.

कोकर इंडस्ट्रियल एरिया में गणेश पूजा : कोकर गणेश पूजा समिति इंडस्ट्रियल एरिया गेट नंबर 2 में गणेश पूजा किया गया। पूजा पंडाल का उद्घाटन शनिवार को गणेश बप्पा के पूजा के साथ किया गया। समिति के अध्यक्ष गुड्डू सोनी ने बताया कि समिति की ओर से 8 सितंबर को भंडारा किया जाएगा. 9 सितंबर को विशेष भोग का आयोजन होगा एवं 10 सितंबर को विसर्जन शोभा यात्रा संध्या 4:00 बजे धूमधाम से निकलेगी. इस मौके पर संजीव विजय वर्गीय, चुन्नू सिंह, चंचल चटर्जी, अरविंद मंडल, मुकुल सिंह, युवराज पासवान, दीपू पासवान, नवीन सिंह, गुड्डू सोनी, रोहित सिंह और गणेश पूजा इंडस्ट्रियल एरिया के सभी सदस्य उपस्थित थे. यह जानकारी मीडिया प्रभारी मनोरंजन सिंह और रोहित सिंह ने दिया.

न्यू स्टार गणेश पूजा समिति, चुटिया में गणपति महाराज व्हाइट हाउस में आभा बिखेर रहे हैं. दोपहर बाद पूजा संपन्न होने के साथ दर्शनार्थियों के लिए पट खोल दिया गया. बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ ने गणपति बप्पा की आरती उतारी. सभी के बीच मोदक प्रसाद बांटा गया. अब दस दिनो तक यहां उत्सव की धूम रहेगी. इस दौरान श्रद्धालु मेले का भी लुफ्त उठा सकेंगे.

गोपाल मोहन गणेश पूजा समिति अरगोड़ा, अशोक नगर के पूजा पंडाल में लाल बाग के राजा का दर्शन हो रहा. दिन के दस बजे पुजारी शेखर पंडित सहयोगियों संग पूजन-अनुष्ठान संपन्न कराया. इसके बाद भक्तो संग आरती उतारी गयी. सभी के बीच प्रसाद बांटा गया. शाम पांच बजे से भक्तों के बीच विशेष भोग भी बटा. अध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि अब रविवार को संध्या महाआरती के बाद हलुआ प्रसाद बटेगा.

श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड में शनिवार को गणेश चतुर्थी उत्सव मनाया गया. श्रद्धालुओ ने श्रीगणेश जी का दिव्य श्रृंगार-पूजन कर आरती उतारी. मौके पर खाटू नरेश सहित विराजमान अन्य देवी-देवताओ का भी पुष्प श्रृंगार कर आरती उतारी गयी. साथ ही शाम पांच बजे से वृहत रूप में 127 वां भंडारा चलाया गया.

न्यूज अपडेट

लायंस क्लब ने 800 जरूरतमंदों में बांटा खाना

रांची । लायंस क्लब ऑफ रांची ग्लोबल के की ओर से आठवे शनिवार को भी सदर अस्पताल परिसर में मरीजों, उनके परिजनों, असहाय लोगों के बीच भोजन का वितरण किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष राहुल साबू ने क्लब पदधारियों व सदस्यों का उत्साह बढ़ाते हुए जरूरतमंदों के बीच भोजन वितरण कार्य को सराहा. क्लब के प्रेसिडेंट अमित शर्मा व चार्टर प्रेसिडेंट शैलेष अग्रवाल ने कहा कि क्लब के इस प्रोजेक्ट के तीसरे चरण में आज करीब 800 लोगों के बीच भोजन बांटा गया.

समिति के सदस्यों ने सीएम से मिल निमंत्रण दिया

रांची । केंद्रीय सरना समिति के सदस्यों ने शनिवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से उनके कांके रोड रांची स्थित आवासीय कार्यालय में मुलाकात की. समिति के प्रतिनिधिमंडल ने 14 सितंबर को रांची के हरमू स्थित अखड़ा में करमा पूजा महोत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया. मुख्यमंत्री से मिलने वालों में केंद्रीय सरना समिति, भारत के अध्यक्ष नारायण उरांव, उपाध्यक्ष हेमन्त गाड़ी, संयुक्त सचिव पंकज टोप्पो, हरमू सरना समिति के अध्यक्ष विक्की कच्छप, केंद्रीय सदस्य लक्ष्मण तिर्की एवं समिति के सदस्य आश्रिती कच्छप, निशि कच्छप, रिमीन कच्छप आदि शामिल थे.

दिगंबर जैन समाज का महापर्व दशलक्षण आज से

रांची। दिगम्बर जैन अनुयायियों का महापर्व दशलक्षण रविवार से प्रारम्भ हो जाएगा. साथ ही धर्मावलंबी व्रत-उपवास कर तप-तपस्या लिन हो जाएंगे. दस दिनो तक नित्य एक गुण को आत्मसात कर आत्म उत्थान के प्रथ पर अग्रसर रहेंगे. मौके पर दिगंबर जैन मंदिर, जेजे रोड और वासुपुज्य जिनालय, रातू रोड का परिसर सुबह से देर शाम तक श्रद्धा और भक्ति से गुलजार रहेगा. समाज के प्रदीप बाकलिवार और पंकज काला ने बताया कि दर्श अवस्था में अपनाये जाने वाले गुणों को दशलक्षण धर्म कहा जाता है.

सेवा सुरभि पत्रिका के विशेषांक का लोकार्पण 15 को

रांची। सेवा भारती, झारखंड की लोकप्रिय सेवा जागरण पत्रिका सेवा सुरभि के 25वें विशेषांक ₹युग परिवर्तन की ओर" का लोकार्पण 15 सितंबर को पीपी कंपाउंड स्थित गुरुनानक हायर सेकेंडरी स्कूल के सभागार में किया जाएगा. लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारी को लेकर बिरसा चौक, सेवा निकेतन में एक व्यवस्था बैठक प्रांतीय अध्यक्ष गिरीश मल्होत्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई . बैठक में कार्यक्रम संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेवारी कार्यकर्ताओं को दी गई.

निशुल्क कैंसर जांच शिविर का किया आयोजन

रांची । मारवाड़ी युवा मंच, रांची शाखा द्वारा लगाया गया दो दिवसीय निशुल्क कैंसर जांच शिविर शनिवार को संपन्न हुआ, जिसमें 150 लोगों ने कैंसर की जांच कराई. प्रथम दिन यह शिविर कचहरी रोड स्थित वेंडर मार्केट के पास लगाया गया था. जिसमें 50 से अधिक लोग शामिल हुए थे. दूसरे दिन मेन रोड स्थित चर्च कॉम्प्लेक्स के सामने एक सौ से अधिक लोगों ने शिविर मे जांच कराई. मंच के प्रवक्ता राघव जालान बताया कि दो दिवसीय कार्यक्रम में 150 से भी अधिक लोगों ने निशुल्क जांच सेवा का लाभ उठाया.

दिव्यकला मेले में 60 लाख का हुआ कारोबार

संवाददाता । रांची

दिव्यकला मेला की समापन समारोह की पूर्व संध्या पर शनिवार को हरमू मैदान मे दिव्यांगजनों की कला संस्कृति का शक्ति प्रदर्शन हुआ. जिसमें जमशेगपुर के अस्तित्व म्युजिकल बैंड ने देश भक्ति के गीतों प्रस्तुति दी. जहां राहुल मुखी, भोल खेरवाल, जयदेव चौधरी,रामधन कर्मकार, सैयद आशिफ, विशाल मुखी, संतोष शाह, राजु कुमार साहू ने जिंदगी मौत न बन जाए ,संभालो यारों... के देश भक्ति गीतों से सबका मन मोह लिया. लोगों को दोनों हाथों से तालियां बजाने के लिए मजबूर कर दिया. इससे पहले अतिथियों ने मेला परिसर में लगाये गये विभिन्न स्टॉलो का निरीक्षण किया. अतिथियों का स्वागत सीएमडी एनडीएफडीसी नवीन शाह ने किया. मुख्य अतिथि रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, हटिया विधायक नवीन जयसवाल, महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशक शशि प्रकाश झा शामिल हुए. सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ ,शॉल और स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया. इस अवसर पर राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि दिव्य कला का देश का 18वां मेला है. यह मेला राष्ट्रपति ने शुरू किया था. इसे प्रधानमंत्री ने विकलांग शब्द को दिव्यांग नाम दिया. जो अपने शक्ति और कला को पहचान बनाते हैं. ये समाज के बीच का अंग हैं. सामाजिक स्तर और सरकार के स्तर पर सभी को हक मिलना चाहिए. उन्हें उपकरण, ई रिक्शा, स्कूटी , समेत अन्य उपकरण मिलना चाहिए. 60 लाख रुपए से ऊपर इस मेले में व्यापार हुआ.

जनजातीय समाज के कारण ही हुआ जंगल का विस्तार: राज्य मंत्री

संवाददाता । रांची

जनजातीय सुरक्षा मंच के मुख्यालय आरोग्य भवन बरियातु में शनिवार को करम मिलन समारोह का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि राज्य मंत्री संजय सेठ, पंचायती राज निदेशक निशा उरांव, जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक गणेश राम भगत , डॉ. एच.पी. नारायण, विमल पाहन और सूर्य नारायण सूरी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया.

इस अवसर पर राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि जनजाति समाज के कारण ही 2014-15 के बाद से जंगल का 30 प्रतिशत विस्तार हुआ है. ये सब आदिवासी समाज के प्रकृति पूजक और रक्षक होने के कारण ही संभव हो पाया है. उन्होंने कहा कि करमा सांस्कृतिक धार्मिक और सामाजिक उत्सव है. झारखण्ड सरकार के पंचायती राज निदेशक निशा उरांव ने कहा कि सनातन धर्म आदिवासी जीवन पर ही आधारित है. सनातन धर्म के सभी पर्व-त्योहार प्रकृति से जुड़े हुए हैं. जनजाति सुरक्षा मंच के क्षेत्रीय संयोजक संदीप उरांव ने कहा कि संथाल परगना के जनजाति बहुल क्षेत्र में जनजाति समाज का अस्तित्व लुप्त होने के कगार पर है. क्योंकि बंगलादेश के मुसलमान घुसपैठ कर जनजाति समाज के बेटी-बहू से शादी कर उनकी जमीनों को हड़पने का कार्य तेजी से कर रहे हैं. इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद् के अध्यक्ष चन्द्रकांत रायपत, मंत्री पवन, नकुल तिर्की, मेघा उरांव, रोशनी खलखो, तुलसी प्रसाद गुप्ता, जगरनाथ भगत, सुनील सिंह, रवि प्रकाश उरांव, लाला उरांव, अर्जुन राम, पिंकी खोया, हिन्दुवा उरांव, जयमंत्री उरांव, जादो उरांव, सुशील मरांडी, कृष्णा भगत, संजय मुण्डा, राजू उरांव, रणधीर सिन्हा, विजय केशरी, मनोज भगत, करुणा भगत, प्रदीप टोप्पो, सोमा उरांव, सोनी हेंब्रम, जय मंगल उरांव समेत अन्य शामिल थे.

योजना सिदो कान्हू युवा खेल क्लब के गठन का लक्ष्य पाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी

1464 आवेदन जमा, 225 क्लबों का रजिस्ट्रेशन पूरा

शुभम किशोर । रांची

झारखंड के गांवों में सिदो कान्हू युवा खेल क्लब बनाने को लेकर सभी जिले लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रयास कर रहे हैं. राज्य के कई जिला खेल पदाधिकारियों के कार्यालय में अवकाश के दिन भी काम किया जा रहा है. सभी को 15 सितंबर तक अधिक से अधिक सिदो कान्हू युवा खेल क्लब के रजिस्ट्रेशन को कहा गया है. वर्तमान में 1464 आवेदन क्लब के रजिस्ट्रेशन के लिए जमा किए गए है. जिसमें 225 क्लब का रजिस्ट्रेशन पूरा हो गया है और सर्टिफिकेट जारी हो गया है. वहीं 466 आवेदन डिपार्टमेंट में पेंडिंग हैं और 696 आवेदन आवेदक की ओर से पेंडिंग है.

रांची, सरायकेला, पूर्वी सिंहभूम सबसे आगे : क्लब रजिस्ट्रेशन में सरायकेला, रांची, पूर्वी सिंहभूम और चतरा लक्ष्य पूरा करने के लिए रेस है. पूर्वी सिंहभूम को सबसे अधिक 48 सर्टिफिकेट मिले हैं, वहीं 89 आवेदन पेंडिंग हैं. सरायकेला खरसांवां को 26 सर्टिफिकेट मिले हैं, वहीं 258 आवेदन पेंडिंग हैं. रांची को 36 सर्टिफिकेट मिल गए है, वहीं 177 आवेदन पेंडिंग हैं. चतरा का सबसे अधिक 80 आवेदन डिपार्टमेंट में पेंडिंग हैं.

25 हजार मिलेंगे हर क्लब को : जानकारी के अनुसार खिलाड़ी कैश अवार्ड और सिदो कान्हू क्लब रजिस्ट्रेशन के भुगतान का कार्यक्रम एक साथ करने की तैयारी है. बता दें रजिस्ट्रेशन पूरा करने वाले सिदो कान्हू युवा खेल क्लब को 25 हजार रुपये का अनुदान राशि सौंपेंगे. बता दें जुलाई 2023 में राज्य सरकार ने झारखंड खेल नीति 2022 के तहत राज्य में खेल संस्कृति को विकसित करने, ग्रामीण युवाओं की प्रतिभा को सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्य, कला खेल में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करने के लिए सिदो कान्हू खेल क्लब बनाने का फैसला लिया था. बता दें कि सभी सिदो कान्हू क्लब का रजिस्ट्रेशन 1860 सोसाइटी एक्ट के रूप में कराया जाना है. निबंधन होने के बाद ग्राम स्तर पर प्रत्येक क्लब को डीसी मद से 25 हजार रुपये अनुदान दिया जाना है. योजना के अनुसार, प्रत्येक गांवों में क्लब के अंतर्गत बिरसा पुस्तकालय और दिशोम जिम्नाजियम की स्थापना भी की जानी है. क्लब के रजिस्ट्रेशन का खर्च जिला खेल कार्यालय वहन कर रहा है. बता दें पहले क्लब रजिस्ट्रेशन कराने में एफिडेविट और अन्य प्रक्रिया में लगभग 500 रुपये का खर्च क्लब के सचिव को उठाना पड़ रहा था.

किस जिले के कितने आवेदन

जिला	आवेदक के पास पेंडिंग	डिपार्टमेंट पेंडिंग	अप्रूव्ड
स खरसांवां	231	27	26
रांची	93	84	36
पू सिंहभूम	71	18	48
चतरा	9	92	29
खूंटी	32	22	30
बोकारो	29	12	1
देवघर	3	22	4
धनबाद	2	1	5
दुमका	7	11	0
गढ़वा	7	0	1
गिरिडीह	33	39	0
गोड्डा	11	14	16
हजारीबाग	19	33	0
गुमला	26	21	16
प सिंहभूम	36	29	5
जामताड़ा	4	21	1
कोडरमा	20	25	0
लातेहार	3	5	0
लोहरदगा	23	25	1
पाकुड़	1	15	2
पलामू	14	4	0
रामगढ़	4	13	0
साहेबगंज	10	0	0
सिमडेगा	7	12	4

मरहबा सोसाइटी की नई कमेटी गठित हाजी नूर सदर, नेहाल बने सचिव

संवाददाता ।रांची

मरहबा ह्यूमन सोसाइटी की बैठक खोरहा टोली स्थित अधिवक्ता जफर इकबाल के आवास में हुई, जिसमे पुरानी टीम को भंग कर नई टीम का गठन किया गया. चुनाव कन्वेनर अफशारूल आब्दीन ने पुरानी कमेटी को भंग करते हुए नई कमेटी में सदर, नायब सदर, सेक्रेट्री, ज्वाइंट सेक्रेटरी व ट्रेजरर का चुनाव सभी की सहमति से किया. जिसमें हाजी नूर अहमद सदर, शमशाद अनवर नायब सदर,नेहाल अहमद सेक्रेट्री, कैसर एजाज ज्वाइंट सेक्रेटरी, नजमुल आरफीन ट्रेजर चुने गये.

मौके पर सदर हाजी नूर अहमद ने सोसाइटी की बेहतरी के लिए सभी को मिलजुल कर कार्य करने की बात कही. सचिव नेहाल अहमद ने कहा कि इस कमेटी का कार्यकाल दो वर्ष के लिए है और इन दो वर्षों में कमेटी अपने फिर से रोटी बैंक की शुरुआत करेगी. साथ ही सोसाइटी रमजान कीट, हज ट्रेनिंग कैंप का आयोजन करती रहेगी, नायब सदर शमशाद अनवर ने कहा कि पद कोई अहमियत नहीं रखता.

सब एक टीम है और एक टीम बन कर कार्य करने की जरूरत है. ज्वाइंट सेक्रेटरी कैसर एजाज ने कहा कि मरहबा 2008 से इंसानियत की सेवा करती आ रही है, जिसे और बेहतर तरीके से किया जायेगा. सोसाइटी समाज में फैल रहे नशे की बुरी आदतों से छुटकारा दिलाने में नशा करने वालों का काउंसलिंग कर नशे की दल दल से बाहर निकलने में मदद करेगी. मौके पर सोसाइटी के सदस्य जियाउद्दीन साबरी, आलम खान, हाजी शाहिद परवेज, हाजी मूसा मल्लिक, फिरोज आलम, धिवक्ता जफर इकबाल, मो शमीम, मो जमील, मो फारूक, तारीक सगीर, परवेज अकरम, जहांगीर आलम, तलहा तनवीर हैदरी, शेख अनीस आदि शामिल थे.

गणपति राखो मेरी लाज, पूरन की जौ मेरे काज...

ग्रामीण अंचलों में गणेशोत्सव की धूम,जगह-जगह बनाये गये आकर्षक पंडाल, दिनभर चला धार्मिक अनुष्ठानों का दौर

सोनाहातू गणेश महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

संवाददाता । सोनाहातू/राहे

गणपति राखो मेरी लाज, पूरन की जौ मेरे काज..... भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी पर प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को देवताओं में प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की पूजा अर्चना की गई. भक्ति भाव के साथ श्रद्धालुओं ने स्थापित गणपति महाराज की पूजा अर्चना की. श्रद्धालुओं ने भगवान को मोदक दूर्वा एवं सफेद फूल अर्पित किए. पूजा के क्रम में भक्तों ने भगवान गणेश से परिवार और समाज के लिए मंगल कामना की. वहीं राहे प्रखंड के सुभाष चौक दुर्गा मंदिर परिसर में सोलह आना युवक समिति के द्वारा गणपति बप्पा की भव्य प्रतिमा स्थापित कर चार दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव प्रारंभ किया.इधर सर्वोदय स्कूल परिसर में भव्य प्रतिमा स्थापित कर स्कूल परिवार के द्वारा पूजन किया गया. चार दिनों तक पूजन, संध्या आरती, प्रसाद वितरण के साथ महोत्सव का समापन होगा.

गणपति प्रतिमा की द्वारसिनी मंदिर में की गई पूजा अर्चना

बेड़ो। बेड़ो के विनय बगीचा स्थित द्वारसिनी गणेश मंदिर में चतुर्थ गणपति बप्पा का महोत्सव आयोजित किया गया. डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल के निदेशक कैलाश कुमार के नेतृत्व में विधिवत पूजा अर्चना कर भगवान गणेश की महाआरती का आयोजन किया गया. गणपति बप्पा को मोदक, मोतीचूर की लड्डू चढ़ाई गई तथा विभिन्न प्रकार के फल और फूलों एवं पूजन सामग्री से पूजा अर्चना की गई. इस मौके पर आचार्य जितेंद्र पाठक ने भगवान गणेश की विधिवत पूजा करायी. महाआरती का आयोजन किया गया. यहां लोगों में भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा और भक्ति बहुत ही गहरा है. पंचायत समिति सदस्य राखी भगत ने कहा कि यहां प्रत्येक दिन वे आती हैं और पूजा अर्चना करतीं हैं. यहां लोगों को बढ़ चढ़ कर मदद करने एवं सेवा करने की जरूरत है.

पिपरवार पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में सिद्धि विनायक भगवान गणेश की पूजा अर्चना धूमधाम से की गई . गणेश चतुर्थी के मौके पर कोयलांचल क्षेत्र के बचरा बसंत विहार कालोनी , बेती , एव राय दरहाटांड मे पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की गई . भगवान गणपति के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी . बड़कागांव विधानसभा के विधायक अंबा प्रसाद में बचरा बसंत बिहार मे स्थापित पूजा पंडाल का विधिवत फीता काटकर उद्घाटन किया .इसके साथ ही क्षेत्र के मंदिरों और पूजा पंडालों में भगवान गणेश की पूजा पाठ पूरे विधि विधान के साथ की गई . वैदिक मंत्रोच्चारण से पूजा अर्चना से पिपरवार का वातावरण भक्तिमय बना रहा . इस दौरान मुख्य रूप से समिति के सदस्यों में बसंत, राहुल, विकास रोहित ,विनोद, अमित, जेपियर आदि शामिल थे .

चान्हो प्रखंड के चोरेया गांव में तीन दिवसीय गणेश पूजा की शुरुआत शनिवार को धूमधाम के साथ की गई . न्यू शिव शक्ति क्लब गणेश पूजा समिति चोरेया द्वारा इसका आयोजन किया गया है गांव के बुजुर्गों ने एक साथ मिलकर पूजा पंडाल के पट का अनावरण किया . आयोजन समिति ने बताया गया कि रविवार की शाम महाआरती होगी .सोमवार को पूजा हवन के साथ विसर्जन किया जाएगा . मौके पर जनसंघी चक्रधर नाथ मिश्रा, कुंवर साहू, बंशी साहू, छेदी साहू, निरंजन सोनी, राकेश मिश्रा आदि शामिल थे.

कांके शिव शक्ति क्लब बोड़ेया गणेश पूजा का पंडाल का उद्घाटन भाजपा प्रदेश मंत्री मनोज महतो वाजपाई एवं कांके विधानसभा के समाजसेवी अर्जुन राम के द्वारा किया गया .इस कार्यक्रम में सुकेश तिवारी .मनीष ठाकुर आदित्य केसरी .श्याम केसरी ऋतिक केसरी .रोहन तिवारी प्रत्यूष तिवारी .नीरज ठाकुर दीपक केसरी .राजू रजक . अतुल तिवारी .आकाश पांडे सुचित सिंह . हर्ष यादव . निखिल केसरी . राज तिवारी . ओम केसरी . सुजल केसरी मुख्य रूप से उपस्थित थे.

डकरा डकरा गायत्री चौक पूजा पंडाल में गणेश चतुर्थी की पूजा पूरे विधि विधान के साथ किया गया . पूजा के बाद पूजा समिति के द्वारा बनाए गए पंडाल का पट दर्शनार्थियों के लिए खोल दिया गया . डकरा गायत्री चौक पूजा पंडाल का उद्घाटन केडीएच परियोजना पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह ने फीता काटकर किया . पंडाल आम दर्शनार्थियों खोल दिया गया . श्रद्धालु पूजा अर्चना के साथ पूजा स्थल के समीप मेला में मनोरंजन का आनंद उठा सकते है . उद्घाटन कार्यक्रम में प्रेम कुमार,डीपी सिंह, बिगन सिंह भोगता, सुनील सिंह, रामलखन आदि शामिल थे .

बेड़ो श्री राधे-कृष्ण यूथ संगम के तत्वावधान में आयोजित छह दिवसीय गणपति बप्पा के महोत्सव के दौरान थाना परिसर में पंडाल का विधिवत उद्घाटन किया गया . बतौर मुख्य अतिथि भाजपा के युवा नेता सन्नी टोप्पो ने फीता काट कर पंडाल का उद्घाटन किया . इस मौके पर पूर्व सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार राय, पंचायत समिति सदस्य राखी भगत, मुखिया सुशांति भगत सहित कई विशिष्ट अतिथि मौके पर मौजूद रहे . अतिथियों ने पंडाल के अंदर भगवान गणपति बप्पा के दर्शन किया और आशिर्वाद मांगा . गणपति बप्पा महोत्सव के पहले दिन के आयोजन को सफल बनाने को लेकर अंकित सोनी, अविनाश कश्यप, अमन गुप्ता, शिवेंद्र सौरभ, आकाश रक्षित, उत्तम सोनी, अभिनव गुप्ता, उत्तम कुमार,राकेश साहू, चर्चित गुप्ता, आशीष सोनी, अमित कुमार, शुभम गुप्ता, आशीष महतो, सौरभ खन्ना, ऋतिक आदि शामिल थे .

रातू रातू थाना क्षेत्र के आनंद नगर रिंग रोड कमड़े में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक दंत क्लब के तत्वाधान में 8 एवं 9 सितंबर को गणेश चतुर्थी के अवसर पर गणेश महोत्सव का आयोजन किया गया है . आकर्षक पंडाल निर्माण कर एवं मूर्ति स्थापित करके गणपति जी पूजा की जा रही है .पंडाल का उद्घाटन जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत एवं आजसू पार्टी के विधानसभा प्रभारी भरत काशी ने संयुक्त रूप से किया .उद्घाटन होते ही पंडाल में श्रद्धालुओं की भारी भींड उमड़ पड़ी .महिलाएं बच्चे अबाल वृद्ध सभी भगवान गणपति के दर्शन को उमड़ पड़े . कार्यक्रमों के सफल आयोजन में एक दंत क्लब के अध्यक्ष अभय लाल सहदेव सचिव विकास सोनी, कोषाध्यक्ष सुखचंद वर्मा,उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह समेत सुहेश पांडेय आदि शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

बाइक दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

चंदवा (लातेहार)। सासंग सेरक मुख्य पथ पर शनिवार को भेड़ा टोंगरी से ढलान पर एक सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई. जबकि एक घायल हो गया. जानकारी के अनुसार दो युवक एक बाइक में जा रहे थे. ढलान के बाद उनकी बाइक अनियंत्रित हो कर एक पेड़ से टकरा गई.

शिविर को लेकर किया जा रहा है प्रचार प्रसार

सोनाहातू/राहे। राज्य सरकार के निर्देशानुसार रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक के आदेश अनुसार सभी थाना क्षेत्र के लिए डीएसपी स्तर में जन शिकायत शिविर का आयोजन किया गया है. बुंडू अनुमंडल क्षेत्र के तमाड़, बुंडू, दशम फॉल, सोनाहातू और राहे थाना के लिए 10 सितंबर को बुंडू में शिविर आयोजन किया गया है.

छात्र सम्मान समारोह इटकी में आज,तैयारी पूरी

इटकी। रविवार 8 सितंबर को अंजुमन फरोग ए उर्दू के तत्वावधान में इटकी स्थिति मक्का मैरेज हॉल में विभिन्न परीक्षाओं में उर्दू में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया जाएगा. सम्मान समारोह में मैट्रिक से लेकर एमए तक के छात्र एवं छात्राएं शामिल होंगे. सम्मान समारोह रविवार को सुबह 10 बजे प्रारंभ होगा .

विधायक ने चार योजनाओं का शिलान्यास किया

बुंडू । विधायक विकास मुंडा ने शनिवार को 80 लाख की लागत से जिला मद से बुंडू के चार में से तीन विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया. जबकि बाकि एक का समय अभाव के कारण बाद में शिलान्यास करेंगे. निर्माण कार्य आज कल से ही शुरू होगा. मौके पर अरविंद कुमार, हर्षवर्धन शर्मा, प्रदीप मुंडा, बुंडू प्रमुख फेकला गोंझू आदि थे.

आधा घंटा तक रांची टाटा मार्ग रहा जाम

बुंडू । बलात्कार की घटना के 48 घंटा बीत जाने के बाद भी अभियुक्त की गिरफ्तारी न होने के विरोध में शनिवार को ग्रामीणों ने 25 मिनट तक रांची टाटा मार्ग जाम कर दिया.जिससे दोनों ओर वाहनों की एक एक किलोमीटर तक रोड जाम हो गया.

हेमंत सोरेन सरकार का मधुमक्खी पालन पर जोर

80% मिलेगा अनुदान

प्रमुख संवाददाता । रांची

प्रति किसान 20 यूनिट मिलेगा मधुमक्खी पालन के लिए बक्सा

- वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2023-24 तक नहीं हो पाया था योजना कार्यान्वयन
- सरकार ने फिर से शुरू की है मधुमक्खी पालन की योजना

दिया जाएगा प्रशिक्षण *मधुमक्खी पालन योजना के तहत प्रशिक्षण भी दिया जाएगा. प्रति प्रशिक्षणार्थी प्रति दिन 1000 रुपए दिए जाएंगे. कुल 530 मधुपालकों को पांच दिन का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा. जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना के तहत 13 जिलों में 320, अन्य क्षेत्रीय उपयोजना के तहत 11 जिलों में 160,अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना के तहत 11 जिलों में 50 कृषकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा. प्रशिक्षण में कुल 26.50 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे.*

राज्य की हेमंत सोरेन सरकार एक बार फिर से मधुमक्खी पालन पर जोर दे रही है. इसके लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में फिर से मधुमक्खी पालन योजना को शुरू किया गया है. वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2023-24 में इस योजना का कार्यान्वयन नहीं हो पाया था. इस योजना के लिए राज्य सरकार ने चार करोड़ 68 लाख 15 हजार रुपए की स्वीकृति दी है. इस योजना को शुरू करने का उद्देश्य राज्य के सभी जिलों में लघु, सीमांत, निम्न वर्गीय, छोटे-छोटे कृषकों को उनके आय में दोगुनी वृद्धि करना है.

किसानों को मिलेगा 80 फीसदी अनुदान : इस योजना के तहत किसानों को 80 फीसदी अनुदान दिया जाएगा. जबकि किसानों को 20 फीसदी ही अंशदान देना होगा. इस योजना के तहत प्रति किसान 20 यूनिट मधुमक्खी पालन के लिए बक्सा दिया जाएगा. जिसमें 80 फीसदी का अनुदान मिलेगा. इसी योजना के तहत जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना के तहत 11 जिलों में कृषकों को राशि 51.20 लाख रुपए व अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना के तहत ।। जिलों में 50 कृषकों को 16.00 लाख रुपए दिए जाएंगे. इस हिसाब से 530 कृषकों को मधुमक्खी बक्सा वितरित किये जाने के लिए एक करोड़ 69 लाख 60 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे.

आहर से अधेड़ का शव मिला, हत्या की आशंका

मझिआंव। बरडीहा थाना क्षेत्र अंतर्गत कौवाखोह गांव में स्थित मध्य विद्यालय के समीप आहर से शनिवार सुबह एक व्यक्ति का शव पुलिस ने बरामद किया. उसकी पहचान ब्रह्मदेव पांडेय के पुत्र नरेंद्र पांडेय (57 वर्ष) के रूप में की गई. जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने आहर में शव को देखा. इसके बाद यह खबर आग की तरह फैल गई. शव होने की जानकारी ग्रामीणों ने बरडीहा थाना प्रभारी अवधेश कुमार यादव को दी गई. थाना प्रभारी के निर्देशानुसार थाना के एसआई मृत्युंजय राय दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गढ़वा भेज दिया. वहीं शव देख ग्रामीण एवं परिजनों ने हत्या कर फेक जाने की आशंका जताई है. जानकारी देते हुए मृतक के पुत्र सत्यप्रकाश पांडेय ने बताया कि मेरे पिता की हत्या कर दी गई है. साथ ही बताया कि गांव में झगड़ा को लेकर पिताजी थाना में आवेदन भी देने गए हुए थे. घटना के संबंध में थाना प्रभारी अवधेश कुमार यादव ने बताया कि शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम कराया गया है.

न्यूज अपडेट

महामृत्युंजय शिव मंदिर में विशेष पूजा अर्चना

रांची। आज गणेश चतुर्थी के अवसर पर इन्द्रपुरी रोड नम्बर-6 के महामृत्युंजय शिव मंदिर में श्री गणेश की मूर्ति बैठाकर पूजा अर्चना धूम धाम से की गयी.भक्तों ने सामूहिक रूप से भजन कीर्तन किया. कार्यक्रम में राष्ट्रीय सैनिक संस्था युवा कमांड झारखंड प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार पुटू, राज कुमार तिवारी, आशुतोष कुमार सिन्हा, नीरज कुमार सिन्हा, अमृत सिन्हा, संतोष कर्मकार, छोटू ठाकुर, आकाश ठाकुर आदि शामिल थे.

मुरी करम पूर्व संध्या कार्यक्रम का आयोजन आज

मुरी। दक्षिण पूर्व रेलवे रांची मंडल के रेलवे आदिवासी परिवार मुरी के तत्वाधान में आज रविवार को करम पूर्व संध्या समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रेलवे इंस्टिट्यूट में सुबह 11 बजे से लेकर संध्या 6 बजे तक किया गया है. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह स्थानीय विधायक सुदेश कुमार महतो एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड मुरी के एजीएम केनिथ डिवाज उपस्थित रहेंगे.

बेरोजगारों का डेटा एकत्रित कर सीएम को सौंपेंगे:आजसू

डकरा। खलारी के आजसू प्रखंड अध्यक्ष विकास कुमार चौहान ने जानकारी दिया कि खलारी के सैकड़ों बेरोजगारों का बायोडाटा एकत्रित किया गया है, उस बायोडाटा को आज प्रभात तारा मैदान (धुर्वा) में आयोजित झारखंड नवनिर्माण संकल्प सभा के माध्यम से मौजूदा सरकार को सौंपा जाएगा, और मौजूदा सरकार को बताया जाएगा . कितने बेरोजगार झारखंड में हैं . सरकार का हर वादा फेल रहा है.

संघ का प्रतिनिधिमंडल कोयला राज्य मंत्री से मिला

डकरा। जनता मजदूर संघ अध्यक्ष एवं सीसीएल सलाहकार समिति सदस्य कमलेश सिंह के नेतृत्व में शनिवार को संघ का प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे से मिला.उन्हें 8 सूत्री ज्ञापन सौंपा. संघ के सदस्यों ने सीसीएल क्षेत्र में उनका स्वागत करते हुए बताया कि जेबीसीसीआई में तय मामले कोल इंडिया में अक्षरशः पालन नहीं होता जैसे 9:4:0 के तहत मिलने वाली नौकरी अघोषित रूप से बंद है.

स्टार इंटरनेशनल स्कूल में रेसिटेशन प्रतियोगिता

रांची। स्टार इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को हिंदी दिवस के अवसर पर कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में कक्षा प्रेप से दसवीं के छात्र एवं छात्राएं शामिल थे. वरीय निर्णायक मंडल में मिट्ठू झा, सुमंती कुजूर, पम्मी सिन्हा तथा कनीय निर्णायक मंडल में कविता झा, रिंकी और कवयित्री संध्या उर्वशी शामिल थीं. उन्होंने शिक्षिकाओं के अनुरोध पर कविताएं सुनाईं.

बूढ़ीबेड़ा की टीम ने जीता फुटबॉल टूर्नामेंट कप

अनगड़ा। गुड़ीडीह पंचायत के अमड़ मैदान में खेले जा रहे बिरसा उरांव स्मृति फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब फुटबॉल क्लब बूढ़ीबेड़ा ने जीत लिया. शनिवार को खेले गए फाइनल मैच में बूढ़ीबेड़ा की टीम ने जीआर ब्रदर्स रांची को 2-0 से हराया. पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि विधायक सुदेश महतो नेकिया. मौके पर जिला परिषद सदस्य राजेन्द्र शाही मुंडा, या विजय उरांव, पंसस तन्नू कच्छप, सोहन बेक आदि शामिल थे.

तिलाईपीड़ी गांव का देवेंद्र नाथ महतो ने किया दौरा

सोनाहातू। सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के सोनाहातू प्रखंड क्षेत्र के पांडाडीह पंचायत के तिलाईपिड़ी गांव में डायरिया बीमारी फैल गया था. पंद्रह से अधिक लोग बीमारी से ग्रसित हुए थे. डायरिया की सूचना पर शुक्रवार शाम को झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति,झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष सह झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन के नेता देवेंद्र नाथ महतो ने गांव जाकर स्तिथि का जायजा लिया.

शिव मंदिर में चोरी, ग्रामीणों में आक्रोश

बेडो। बेड़ो थाना क्षेत्र के हरिहरपुर जामटोली पहाड़ में अवस्थित शिव मंदिर में लगाए गए घंटी ,पीतल का नाग देवता, रखे गए पूजा सामग्री घीव, दान पेटी, पीतल लोटा बाल्टी एवं आवश्यक पूजा सामग्रियों को शुक्रवार की रात अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर ली गई है. पहाड़ के शिखर पर अवस्थित शिव मंदिर में प्रतिदिन की तरह पूजा अर्चना पूजा पाठ के लिए पुजारी लगाया गया है वह पुजारी प्रतिदिन सुबह 7:00 बजे पूजा पाठ करके अपने घर चले जाते हैं.

कांग्रेस नेता का खलारी में हुआ जोरदार स्वागत

खलारी। कांग्रेस पार्टी के नेता चंदन बैठा ने खलारी कोयलांचल क्षेत्र का दौरा किया. खलारी पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया. खलारी दौरे के दौरान उन्होंने खलारी पहाड़ी मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की. गणेश पूजा के पंडाल का उद्घाटन चंदन बैठा एवं राजन सिंह राजा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. अंबेडकर चौक पर सैंकड़ों लोगों ने चंदन बैठा एवं राजन सिंह राजा का माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया.

वरिष्ठ पत्रकार अशोक को हुसैन शाह कवि पुरस्कार

रांची। हिन्दी के वरिष्ठ हिंदी पत्रकार एवं लेखक लंकलपल्ली अशोक को वर्ष 2024 का हुसैन शाह कवि पुरस्कार के लिए चयन किया गया है. इस पुरस्कार के तहत पचास हजार रुपए की नगद राशि, एक प्रशस्ति पत्र व स्मृतिचिह्न प्रदान किया जाता है. यह पुरस्कार इस वर्ष तेलुगु के साहित्यकार प्रो. धूलिपाला महादेव मणि और श्री लंकलपल्ली अशोक को सम्मिलित रूप से प्रदान किया जाएगा.

पूर्व मंत्री के पीएस संजीव की जमानत पर सुनवाई 11 को

रांची। टेंडर कमीशन के 32.30 करोड़ रुपए नकदी बरामदगी मामले में पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव कुमार लाल की ओर से दाखिल जमानत याचिका पर अब पीएमएलए कोर्ट में 11 सितंबर को सुनवाई होगी. संजीव लाल ने जमानत की गुहार लगाते हुए 31 अगस्त को याचिका दाखिल की है. दाखिल याचिका पर शनिवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थी, लेकिन ईडी ने समय की मांग की. अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख सात सितंबर निर्धारित की है.

सुखदेवनगर से ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते पांच गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी और मीडिया से मुखातिब पुलिस अधिकारी.

संवाददाता । रांची

सुखदेवनगर नगर थाना क्षेत्र स्थित सेंट्रल बैंक गली से ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते पांच युवक गिरफ्तार किये गये हैं. कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए आर्यन कुमार सिंह, गौतम कुमार यादव, शैलेश कुमार उर्फ गांधी, हर्ष कुमार और हिमांशु को गिरफ्तार किया है. इन सभी के पास से 15.19 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया. शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि सुखदेवनगर थाना क्षेत्र सिथित अखिल मेमोरियल स्कूल सेन्ट्रल बैंक गली में अवैध रूप से नशीले पदार्थो का खरीद बिक्री की सूचना मिली थी. जिसके बाद पुलिस टीम के द्वारा छापामारी की गयी. पुलिस बल को देख भागने के क्रम में हिमांशु यादव उर्फ लालु यादव, आर्यन कुमार सिंह. गौतम कुमार यादव को पकड़ा गया. पकड़े गये इन तीनों अभियुक्तों के द्वारा स्वीकार किया गया कि प्लास्टिक की पुड़िया में नशीला पदार्थ ब्राउन शुगर है.

दो महीने में पैसा चार गुना करने का झांसा देकर लोगों को ठगा

सैकड़ों लोगों से करोड़ों रुपये ठग कर चंपत हुआ गांव का ही 'नटवरलाल'

संवाददाता । मयूरहंड (चतरा)

कहते हैं न लालच बुरी बला है. इसी का जीता-जागता नमूना जिले के मयूरहंड थाना क्षेत्र के ढेबादेरी गांव में सुनने व देखने को मिला है. जानकारी अनुसार ढेबादेरी गांव का ही एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवक सत्येंद्र मेहता ने पहले अपने ही लोगों को करोड़पति बनने का सपना दिखाया. गांव में अपने ही घर में ही ऑफिस खोल कर भोले-भाले लोगों का करोड़ों रुपए लेकर गांव चंपत हो गया. भुक्तभोगियों ने बताया कि गांव का लड़का होने व पढ़ा-लिखा समझ कर हम सभी उसके जाल में फंस गए. युवक ने एएससी एप्लिकेशन लांच कर दो महीने में दो गुना पैसा वापस करने का लालच दिया और लोगों से पैसा एएससी एप्लिकेशन में डलवाना शुरू किया. इसके बाद शातिराना दिमाग लगा कर अपने करीबी व संबंधी लोगों के खाते में तय समय पर चार गुना पैसा वापस कर दिया. इसके बाद ढेबादेरी, चेरी, अलकडीहा, सोकी समेत अन्य गांवों के महिला-पुरुष भी कर्ज लेकर व क्षमता अनुसार लाख-दो लाख रुपए युवक द्वारा बनाये गये एप्लिकेशन पर पैसा डालना शुरू कर दिया. जब करोड़ों रुपए लोगों ने डाल दिया, तो रातों-रात उसने फोन बंद कर दिया और गांव से फरार हो गया. इसके कारण उक्त गांवों के सैकड़ों लोग ठगी के शिकार हो गए. भुक्तभोगी दर्जनों लोगों ने शनिवार को स्थानीय थाने में ठगी कर भागने का आरोप लगाते हुए,आवेदन देकर प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है.

थाने में भुक्तभोगी .

हजारीबाग में ट्रेडिंग कंपनी ने की करोड़ों रुपये की ठगी

हजारीबाग। जिले के सिल्वार में ओम ट्रेडिंग कंपनी बना कर करोड़ों की ठगी के मामले में चितरंजन प्रसाद गुप्ता के आवेदन पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है . कंपनी के अक्षय सिंह, संजय प्रजापति, रंजीत प्रजापति, सुजीत प्रजापति, विमला देवी, सुखदेव प्रजापति, विनोद प्रजापति ने हजारीबाग सहित बोकारो, रामगढ़, गिरिडीह, के लोगों से लगभग 1500 करोड़ रुपए की ठगी की है .

आयोजन | प्रतियोगिता में विभिन्न वर्ग के बालक और बालिकाएं भाग ले रहे हैं

पंचम रांची जिला योगासन चैंपियनशिप का शुभारंभ

संवाददाता । रांची

योगासन प्रतियोगिता का शुभारंभ करते अतिथिगण.

रांची जिला योगासन खेल संघ के द्वारा पंचम रांची जिला योगासन प्रतियोगिता का शनिवार को शुभारंभ डीएवी पब्लिक स्कूल में किया गया. इस प्रतियोगिता में विभिन्न वर्ग के बालक बालिकाएं भाग ले रहे हैं. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संयुक्त सचिव राज किशोर (खेल विभाग) , विशिष्ट अतिथि रांची जिला योगासन संघ के संरक्षक ईश्वर चंद्र, रांची जिला योगासन स्पोर्ट्स के अध्यक्ष संजय सिंह, अतिथि लातेहार जिला योगासन खेल संघ के सचिव प्रशांत ने किया.

रांची जिला योगासन खेल संघ की सचिव संतोषी कुमारी ने स्वागत भाषण के साथ सभी अतिथियों का अभिनंदन करते हुए सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के लिए प्रोत्साहित किया. मुख्य अतिथि ने सभी योगासन खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. दो दिवसीय चैंपियनशिप का समापन और पुरस्कार वितरण रविवार को किया जायेगा. प्रतियोगिता में सभी वर्ग के ट्रेडिशनल इवेंट आर्टिस्टिक सिंगल आर्टिस्टिक पर रिदमिक पेयर का कार्यक्रम रखा गया. जिला में चयनित होने वाले खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलेगा. कार्यक्रम में मुख्य रूप से संगठन के कोषाध्यक्ष डॉ एस.के.घोषाल सह सचिव आर्य प्रहलाद भगत तकनीकी पदाधिकारी शंकर राणा सोशल मीडिया प्रभारी पूजा सिंह चैंपियनशिप डायरेक्टर चैताली मुखर्जी , चैंपियनशिप मैनेजर विकाश गोप, राहुल रंजन, विजय कुमार यादव, पवन झा शामिल थे.

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम की अवधि बढ़ी, अब 24 तक कैंप

विशेष संवाददाता । रांची

आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम पूर्व में 30 अगस्त से 15 सितंबर तक आयोजित होना था. अब इसकी अवधि बढ़ा कर 24 सितंबर कर दी गयी है. वहीं सीएम भी नौ सितंबर से अलग-अलग जिलों के जिलास्तरीय कैंप में शामिल होंगे. 24 सितंबर को साहिबगंज जिले के भोगनाडीह में आयोजित समापन समारोह में भी हिस्सा लेंगे. इस बाबत कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने सभी उपायुक्तों को पत्र लिख कर जानकारी दी है. उन्होंने लिखा है कि कार्यक्रम की अपार सफलता एवं जिलों में पंचायतों की संख्या अधिक होने कारण इस कार्यक्रम को विस्तारित करते हुए अब इसे 30 अगस्त से 24 सितंबर तक संचालित करने का निर्णय लिया गया है.

किस जिले में कब जाएंगे सीएम

09 सितंबर	धनबाद व गिरिडीह (दोनों जिलों के मध्य में)
10 सितंबर	पूर्वी सिंहभूम व प. सिंहभूम (दोनों जिलों के मध्य में)
11 सितंबर	गोड्डा व देवघर (गोड्डा में)
13 सितंबर	रामगढ़ व बोकारो (बोकारो में)
18 सितंबर	जामताड़ा व दुमका (जामताड़ा में)
20 सितंबर	गढ़वा व लातेहार (गढ़वा में)
21 सितंबर	कोडरमा व चतरा (चतरा में)
23 सितंबर	खूंटी व सिमडेगा (दोनों जिलों के मध्य में)
24 सितंबर	साहिबगंज (भोगनाडीह)

“ ऐसे काम न करें, जिनसे समाज में गलत संदेश जाता है. अच्छे काम करें, ताकि लोग उनसे सीख ले सके हमें ऐसे कामों से बचना चाहिए, जिनकी वजह से घर-परिवार और समाज में गलत संदेश जा सकता है. हमेशा अच्छे काम करते रहेंगे तो सभी का जीवन सफल हो सकता है. –रामकृष्ण परमहंस ”

क्रोध नियंत्रण में रखना है सज्जन की पहचान

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

क्रोध और क्षमा दोनों मनोभाव हैं. इन पर युगों-युगों से विमर्श होते रहे हैं. अध्यात्म कहता है मोह से उत्पन्न मन के आवेशमय परिणाम को क्रोध कहते हैं. यह मन का स्वाभाविक भाव है. जब कभी प्रतिकूलता आती है तो क्रोध का जन्म होता है. अतृप्त इच्छाएं क्रोध के लिए अनुकूल वातावरण का सृजन करती हैं. क्रोधवश मनुष्य किसी की भी बात सहन नहीं करता. प्रतिशोध के बाद ही शांत होने का अभिनय करता है किंतु दुखद यह कि यह चक्र किसी सुख पर समाप्त नहीं होता. क्रोध एक ऐसी धधकती आग है, जो पल में सबकुछ जला कर खाक करने की क्षमता रखती है. क्षमा भी वैसा ही मनोभाव है, जो क्रोध की आग पर पानी फेरने में सफल होती है. क्रोध पर नियंत्रण आवश्यक है तो क्षमा उसका सबसे सफल माध्यम है. क्रोध उपद्रव का कारण बनता है तो क्षमा शांति स्थापित करती है. क्रोध में जलन है तो क्षमा शीतलता प्रदान करती है. क्रोध पर नियंत्रण बहुत बड़ी विपदा से रक्षा करता है तो क्षमा बिगड़ी बात को पल में बना देने की क्षमता रखती है. जीवन के लिए क्षमा आवश्यक है, लेकिन हर समय क्षमा अच्छी नहीं मानी जाती. दिनकर जी ने कहा है-क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो, उसको क्या जो दंत हीन विषहीन विनीत सरल हो. यह भी सत्य है कि किसी हिंसक प्राणी को क्षमा अहिंसक नहीं बना सकती है. क्षमा के संबंध में कवियों और विचारकों के विचार हैं, लेकिन हमारे मनीषियों ने तो यही कहा है-क्षमा शस्त्रं करे यस्य, दुर्जनः किं ते करिष्यति. अर्थात जिसके हाथ में क्षमा रूपी शस्त्र हो, उसका दुर्जन क्या बिगाड़ सकता है. रांची की

कवयित्री पुष्पा पाण्डेय क्रोध और क्षमा के प्रति अपनी अलग ही धारणा रखती हैं. सार छंद में निबद्ध उनका विचार उनकी इस रचना के माध्यम से प्रस्तुत है-

कहते व्यास महाभारत में, क्षमा बड़ा है दान।
क्रोध नियंत्रण में रखना है, सज्जन की पहचान।।
क्षमा संत का बल होता है, रहते हैं वे धीर।
अलंकार है धीरज उनका, खुद को देते पीर।
हुए पराजित कौशिक राजा, ब्रह्म तेज बलवान।
क्रोध नियंत्रण में रखना है, सज्जन की पहचान।।
एकनाथ जी बड़े संत थे, क्षमा किए सौ बार।
हार गया मानव दुर्जन था, देखा धैर्य अपार।
क्षमा वहीं पर शोभा पाती, जहाँ सिद्धि, बलवान।
क्रोध नियंत्रण में रखना है, सज्जन की पहचान।।
कायर कभी नहीं बनना है, करना है तब रोष।
रक्षित हो हिन्दुत्व हमारा , मिलता है संतोष।
देश, धर्म का मान सदा हो, सह न सकें अपमान।
क्रोध नियंत्रण में रखना है, सज्जन की पहचान।।
कालकूट से युक्त फणी का, माफी है अनमोल।
क्षमा दान का अधिकारी हो, तभी मुक्ति का मोल।
सोचे खूब विचारक अब तो, किसमें है कल्यान।
क्रोध नियंत्रण में रखना है ,सज्जन की पहचान।।

मनोविज्ञान के अनुसार क्रोध हमारे सबसे शक्तिशाली रक्षा तंत्रों में से एक है. आपके इरादे चाहे कितने भी अचेतन क्यों न हों, यह उग्र भावना आपके आत्मसम्मान की रक्षा करती है और आपको उस रिश्ते में महसूस की गई भावना के विपरीत शक्ति का एहसास कराती है, जिसने आपको इतना दुख पहुंचाया. इन आत्म-सुरक्षात्मक कार्यों का विस्तार करने के लिए क्रोध आम तौर पर विनाशकारी भावना है. क्रोध तो आग के समान है, लेकिन आग की भी अपनी उपयोगिता है. आग के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती. इसलिए यदि आग है तो उसे जलना चाहिए. रांची से चलकर अब बेंगलुरू में निवास करनेवाली सुप्रसिद्ध कवयित्री गीता चौबे गूंज का भी यही मानना है कि आग विध्वंसक ही नहीं उपयोगी भी होती है. कवयित्री का कहना है-

हर जलनेवाली आग
विध्वंसक नहीं होती,
कुछ सकारात्मक भी
होती है जैसे ढिबरी की आग
जो रोशनी दिखाकर सही मार्ग प्रशस्त करती है.
जैसे चूल्हे की आग जो स्वयं जलकर
दूसरों को सुकून प्रदान करती है.
चूल्हे की इस जलती आग ने जठराग्नि को बुझाने का
संकल्प लिया है. लोहा लोहे को काटता है
वैसे ही एक आग दूसरी आग के काम आती है.
आग ही आग का मर्म समझती है जैसे औरत की संवेदना
औरत से अधिक कौन समझ सकता है!
तसली में जब भात पकता है तो उसके साथ
खदबदाती है एक माँ की आस मचल उठती है भूख
बढ़ जाती है प्यास क्योंकि मुट्ठी भर भात
पूरे कुनबे की क्षुधा-तृप्ति में स्वयं को असहाय पाती है,
ऊंट के मुंह में जीरा कहावत और पुख्ता हो आती है.

गीता जी जब आग की महिमा का बखान करती हैं तो बरबस ही चूल्हा-चौके की याद आ जाती है. ऐसा क्यों न हो? चूल्हे चौके ही तो मानव जीवन के आधार हैं. इनमें केवल क्षुधा शांत करने की ही क्षमता नहीं है, बल्कि ये परस्पर स्नेह और सबल संबंधों के प्रतीक भी हैं और कारण भी. इन्हीं की बदौलत याद आती हैं जीवन संगिनी, मां, बहनें, बेटियां. जमशेदपुर की कवयित्री सविता सिंह मीरा की इस रचना में कुछ ऐसा ही भाव है, जिसमें स्नेह के रिश्ते गहराई तक महसूस किये जाते हैं. कविता का नायक मन ही मन कहता है-

क्या कहूं तुझको प्रिये
जब भी जाऊं ऑफिस तो
ध्यान रहता है बस उधर, कब बजें दोपहर के डेढ़
निकालूं कब अपनी टिफिन. भूख की नहीं है कोई तड़प
बस तीन डिब्बों में दिखता मेरे अपनों का स्नेह दुलार
बहन, मां, भार्या देती जब टिफिन, हो जाता मन भाव विभोर.
चाहे ठिठुरन भरी हो ठंड या फिर झुलसती गर्मी
पर जब तैयार करती वह टिफिन तब मौसम नहीं होता हावी.
पुत्र, पुत्री, भाई, पति का प्रेम सेहत ही होता प्रमुख.
कैसे बंध जाती यह डोर एहसान भी नहीं ज़ताती
बस वो अपना फर्ज निभाती. जब आता हूं लौट कर घर
खुशियां तैर जाती उनके चेहरे पर, हाथों से लेती वह टिफन का डब्बा
खोल कर देखती झांकती कहीं कोई खाना तो नहीं छूटा.
जब पाती वह डब्बा खाली चेहरे पर मुस्कान तैर जाती
महसूस करता हूं उनकी भावनाएं मन ही मन प्रभु की लेता बलाएं
कितना मोहक यह रिश्ता बनाए खुशी से बाछे मेरी खिल जाए
दूर करें ईश्वर अपशकुन सारे इन्हें किसी की नजर न लग जाए.

भादो के साथ चहलकदमी करती बरसात अब जाने की तैयारी में है, लेकिन दिल कहता है-अभी न जाओ छोड़ कर कि दिल अभी भरा नहीं. जो आता है, उसे तो जाना भी पड़ता ही है. इसलिए यह बरसात भी आश्विन के साथ ही चली जाएगी, लेकिन उसका सुहाना रूप तो याद रहेगा ही. वरिष्ठ कवयित्री प्रभा कुंडल की यह रचना तो वर्षा ऋतु के उसी सुहाने रूप को प्रकाशित कर रही है. इनकी रचना का शीर्षक है-रूप सुहाना बारिश का.

घूंघट की ओट लेकर बादलों से दामिनी ने दीप जलाए.
घनघोर बारिश में भी विद्युत सी चमक चमकाए.
शीतल मंद बयार भी, सृष्टि संग रास रचाए.
धानी चुनर पहन, धरती भी मुस्काए.
कोयल, चातक, मोर , पपीहा अपनी राग सुनाए.
मेंढक दादुर भी, अपनी मस्ती में गाएं.
बारिश की शीतल फुहारें मन में प्रेम जगाए.
बारिश के झूलों की, लंबी पींगे.
प्रणय निवेदन कर जाए.

जीवन में मौसमों का चक्र भी आवश्यक है. गरमी के बाद बरसात आयी तो इसके बाद शरद ऋतु का आनंद भी ले लिया जाये, लेकिन प्यारे बादलों से निवेदन अवश्य ही होगा-फिर आना, हमें भूल न जाना. इसी के साथ लेते हैं विश्राम. जय हिंद! जय झारखंड!!

दूध में दरार पड़ गई

ख़ून क्यों सफ़ेद हो गया?
भेद में अभेद खो गया।
बँट गये शहीद, गीत कट गए,
कलेजे में कटार दड़ गई।
दूध में दरार पड़ गई।
खेतों में बारूदी गंध,
टूट गये नानक के छंद
सतलुज सहम उठी, व्यथित सी बितस्ता है।
वसंत से बहार झड़ गई
दूध में दरार पड़ गई।
अपनी ही छाया से बैर,
गले लगने लगे हैं ग़ैर,
ख़ुदकुशी का रास्ता, तुम्हें वतन का वास्ता।
बात बनाएँ, बिगड़ गई।
दूध में दरार पड़ गई।

- अटल बिहारी वाजपेयी

प्रवासियों का देश

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

आप देखते, सुनते, पढ़ते आये होंगे कि कैसे प्रवासियों के जीवन में कभी स्थायित्व का बोध नहीं हो पाता! आप थोड़े दार्शनिक रूप में कह सकते हैं कि यह संसार भी तो एक सराय है. फिर तो सबको अपने घर लौट ही जाना है. आत्माओं का अंततः मिलन परमात्मा से ही तो होना है. ज्ञानियों ने कहा कि इंसान की मुक्ति उसके अपने जीवन की कृत्यों पर निर्भर करता है! कोई भोग-विलास, लिप्सा में अपने अंत तक आकांक्षाओं के संग शरीर त्याग करता है और एक बार फिर जन्म से मृत्यु के चक्र में फंस जाता है. बड़ी विचित्र सी बात लगती है, जब हम सभी लोगों के मूल स्थान के बारे में सोचने लगते हैं. 'बेहतर' जीवन की तलाश में मनुष्य अपने मूल स्थान को छोड़कर बेहतर अवसर, सुविधा की तलाश हो या बेहतर रोजगार या आर्थिक प्रगति के अवसर हों. मानवशास्त्री और जैव विज्ञानी भले ही सारे मनुष्यों के मूल स्रोत एक मानते हों, पर कालांतर में ₹सभ्य₹ मनुष्य में सबसे बड़ी 'बीमारी' अपने नस्ल, देश, सम्प्रदाय और जाति की श्रेष्ठता का दम्भ हो गया है. हम सभी नाज़ी जर्मनी में यहूदियों के विरुद्ध हुए अमानवीय अत्याचार की कहानी भूले नहीं है. आर्यों ने मध्य पूर्व एशिया से पूर्वी देशों में अपनी जगह बनाई और पूरा साम्राज्य ही बना लिया है. सारे भारत में आर्यों ने अपना सिक्का जमा लिया और यहां के मूल निवासियों के मूल अधिकार का ही हनन करने लगे. उन्हें जल, जंगल, जमीन से भी विलग करने लगे. भारत में जनजातियों के अस्तित्व पर ही खतरा मंडरा रहा है. उनकी संस्कृति, सभ्यता, प्राकृतिक सोच और प्रकृति पूजा की मान्यताओं को अलग अलग ढंग से मिटाने की कोशिश की जाती रही. भौगोलिक,राजनैतिक और सामरिक सत्ता के बटवारे ने मानव जीवन संकट में आ गया है. मजदूर के रूप में गए मॉरीशस में भारतीय मूल के लोग कई बार वहां के प्रधान मंत्री बने. अमेरिका में केन्याई मूल के बराक ओबामा राष्ट्रपति बने, भारतीय मूल की कमला हैरिस अमेरिका के आगामी चुनाव में प्रबल दावेदार हैं. भारतीय मूल के लोग सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया, कंबोडिया आदि अनेक देशों में भारतीय मूल के लोग सशक्त हैं. भारत के लाखों तकनीकी विशेषज्ञ अमेरिका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, नॉर्वे, स्वीडन, कनाडा आदि देशों में भारतीयों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है. चाहे राजनीतिक स्तर पर जो भी उक्तियां दी जाएं संसार प्रवासियों से ही बना है. अण्डमान और निकोबार के जंगलों को काटकर विकसित करने के लिए छोटानागपुर क्षेत्र के जनजातीय लोगों को ले जाया गया. उन्होंने अपनी मिहनत से उसे खेती योग्य ही नहीं बनाया, वहीं के होकर रह गए. देश के उत्तर पूर्व के चाय बागानों की अर्थव्यवस्था के विकास में छोटानागपुर के कर्मठ जनजातियों के सबसे बड़ा योगदान रहा है. हज़ारों परिवार अब वहीं असम के विभिन्न क्षेत्रों में ही रच बस गए हैं. राजनीतिक विद्वेषों से उनपर यदा कदा आघात होता रहता है. अगर वर्तमान भारत के इतिहास का बिना किसी पूर्वाग्रह के अध्ययन करें तो पाएंगे कि यह भी प्रवासियों का ही एक देश है और ये भी एक निर्विवाद सत्य है कि सब को एक दिन अपने ₹घर₹ लौट जाना है!

भरत कूप अब कहिहहिं लोगा, अति पावन तीरथ जल योगा

यायावर

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

चित्रकूट में अनेक दर्शनीय पवित्र स्थल हैं -राम घाट, जानकी घाट, लक्ष्मण घाट, गुप्त गोदावरी, कामतानाथ, सती अनुसूया आश्रम, हनुमान धारा, तुलसी पीठ, भरत कूप, स्फटिक शिला, तुलसी की जन्मभूमि राजापुर आदि. चित्रकूट की भूमि वह पवित्र भूमि है, जहां प्रभु श्रीराम 14 वर्षों की वनवास की अवधि में लगभग 12 वर्ष चित्रकूट में रहे. प्रभु श्रीराम के वनगमनोपरांत भरत जी अपने ननिहाल से शत्रुघ्न जी के साथ-साथ अयोध्या आए और जब उन्हें पता चला कि भैया राम सीता मैया और अनुज लक्ष्मण के साथ 14 वर्षों के लिए तपस्वी के वेश में वनवास चले गये हैं और पिता श्री की मृत्यु उनके वियोग में हो गई है, तब अत्यंत दुखित हुए. इन सारे प्रकरणों में अपने को कारण मानकर दुःख के सागर में डूब गयेः-

भरतहि बिसरेउ पितु मरन, सुनत राम वन गौन.
हेतु अपनेउ जानि जिय, थकित रहे धरि मौन.

भरत परिजन पुरजन सहित प्रभु श्रीराम को मनाने के लिए चित्रकूट गये. वे अपने साथ सभी नदियों और तीर्थों का पावन जल प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक के लिए लेकर गये थे. अत्रि मुनि के कहने पर उन्होंने उस जल को पर्वत के समीप ही एक कुआं में रखवा दिया:-

अत्रि कहेउ तब भरत सन, सैल समीप सकूप.
राखिअ तीरथ तोय तहं, पावन अमिय अनूप.

तब से उस कूप का नाम भरत कूप पड़ गया. आज भी वह कूप भरत कूप के नाम से जाना जाता है. इस कूप के पवित्र जल से स्नान करने पर प्राणी निर्मल और परम पवित्र हो जाते हैं.

महाकवि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में इस भरत कूप की महिमा का वर्णन करते हुए लिखा है किः-

भरत कूप अब कहिहहिं लोगा.
अति पावन तीरथ जल जोगा.
प्रेम सनेम निमज्जत प्रानी.
होइहहि बिमल कर्म मन बानी.

चित्रकूट के दर्शनीय स्थलों में भरत कूप एक महत्वपूर्ण स्थल है. भरत कूप चित्रकूट से कोई 20 किलोमीटर दूर एक रमणिक पर्वत के समीप भरतपुर गांव में स्थित है. वहां एक सुंदर मंदिर है, जिसमें राम लक्ष्मण जानकी के साथ भरत शत्रुघ्न की भी मूर्ति स्थापित है. वहां एक सरकारी मध्य विद्यालय भी स्थापित है. जहां एक ओर इस विद्यालय में नामांकन के लिए मारा-मारी होती है, वहीं भरत कूप के जगत पर स्नान करने वालों का तांता लगा रहता है. भरत कूप विश्व का अकेला ऐसा कूप है, मंकर संक्रांति के पावन पुनीत अवसर पर स्नान करने वालों की संख्या दो लाख से ऊपर होती है. ऐसी किंवदंती है कि भरत कूप में स्नान करने वालों को सारे तीर्थो का पवित्र फल(धर्म अर्थ,काम और मोक्ष) एकत्र प्राप्त हो जाते हैं. चित्रकूट आने वाले भक्त अवश्य ही भरत कूप के जल से स्नान कर अपने पापों का प्रक्षालन करना चाहते हैं. भरत कूप की प्राकृतिक सुंदरता अनुपम एवं अद्वितीय है.

नाश्ता और आस्था दोनों जरूरी

नश्तर

सुधीर राघव

नाश्ता और आस्था दोनों जरूरी हैं. जैसे कुछ भी खा लेना नाश्ता नहीं है, वैसे ही कुछ भी मान लेना आस्था नहीं है. स्वस्थ जीवन के लिए नाश्ता हल्का और पौष्टिक होना चाहिए. उसमें फल और सलाद जैसे कुछ कच्चे भोज्य शामिल हों. इसी तरह मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि हमारी आस्था शिक्षा में हो. आस्था आंखें मूंदने वाली नहीं, बल्कि आंखें खोलने वाली हो. विवेक की आंख ही, इंसान का तीसरा नेत्र है. जो ध्यान विवेक की आंख खोल दे, वही आस्था है. फिरकू फिरकी ले रहा है - मुझे भगवान ने धरती पर भेजा है. कुछ करने आया हूं, कुछ करके जाऊंगा. विवेक से अंधे भक्त फिरकू की इस फिरकी पर झूम रहे हैं. वे समझ ही नहीं पा रहे कि अगर फिरकू को भगवान ने भेजा है तो उन्हें भी भगवान ने ही भेजा है. वे भी उसी रास्ते इस दुनिया में आए हैं, जिससे फिरकू आया है. तब फिरकू फिरकी क्यों ले रहा है?

फिरकू फिरका परस्त है, इसलिए उसे कोई सवाल नहीं चाहिए. वह खुद ही सवाल करता है और खुद ही जवाब देता है. वह भक्तों की भीड़ से पूछता है कि बताओ किसको अच्छे दिन चाहिए? फिर खुद ही जवाब देता है - अच्छे दिन सबको चाहिए. यह सुनकर भक्त निहाल हो जाते हैं. सबको लगता है फिरकू अंतर्यामी है. ये बाबा सबके मन की बात जानता है. सचमुच सभी अच्छे दिन चाहते हैं. भक्तों की भीड़ हाथ उठाकर नाचती हैं. गाती है - फिरकू फिरकू! इधर भी सरकूं! उधर भी सरकूं! पुण्य कमाऊं, जाऊं घरकूं! भक्तों की भीड़ पर भक्त ही फूल बरसा रहे हैं. नाम फिरकू का हो रहा है. भक्तों के बटुए खाली हो रहे हैं, माल फिरकू पर चढ़ रहा है. भीड़ में पांव भक्तों के कुचले गए हैं. हल्दी चंदन का लेप फिरकू को लग रहा है. मीडिया इसे आस्था का मेला कह रहा है. मगर इससे बेहतर गोलगप्पे का ठेला है. जिसके चटपटे पानी के लिए भीड़ जुटती है. फिरकू तो बस अपनी दो कौड़ी की बातें बेच रहा है. भीड़ इस उम्मीद से आ रही है कि उनके जीवन में भी चमत्कार होगा. मगर कोई चमत्कार नहीं होता. सिर्फ खास चेले चमत्कार की कहानी सुनाते हैं. इधर अक्ल के अंधों के बाजार में आस्था का धंधा जोरों पर है, उधर धर्म अपने लिए किसी जाग्रत विवेक वाले को ढूंढ रहा है. मगर धर्म की राह कोई नहीं जा रहा, क्योंकि फिरकू ने फिरकी छोड़ दी है कि धर्म का ठेका उसके पास है.

बिना आंखों वाली पेंटिंग्स से बनी अनुपम की पहचान

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

आंखों को अक्सर सच्चाई, स्पष्टता, प्रकाश, दृष्टि, भविष्यवाणी, जागरूकता और अवलोकन से जोड़ा जाता है, लेकिन जमशेदपुर के अनुपम पाल ने बिना आंखों वाली पेंटिंग्स बना कर अनोखी पहचान बनायी है. बचपन से ही ड्रॉइंग बनाने का शौक रखने वाले अनुपम पाल माता-पिता से छिपकर कॉपी के पीछे ड्रॉइंग बनाते थे, जिसके कारण कई बार उन्हें डांट भी पड़ती थी. कई बार उन्होंने माता-पिता से छिपाकर ड्रॉइंग प्रतियोगिताओं में भाग लिया. धीरे-धीरे कला के क्षेत्र में पुरस्कार मिलने लगे, तब माता-पिता ने उन्हें रवींद्र भवन, जमशेदपुर में ड्रॉइंग सीखने के लिए दाखिला कराया. इसके बाद उन्हें हमेशा माता-पिता का समर्थन मिला.

अनुपम पाल की कला ने समय के साथ एक अद्वितीय स्थान बनाया है. बिना आंखों वाली पेंटिंग्स इनकी विशेषता बन चुकी हैं, जो इनकी कला की रहस्यमयी और गहन प्रकृति को उजागर करती हैं. अनुपम का मानना है कि आंखें एक व्यक्ति की आत्मा का प्रतिबिंब होती हैं और उनकी गैरमौजूदगी से दर्शक को पेंटिंग्स की गहराई में जाने और उनके भीतर छिपे अर्थों को समझने का मौका मिलता है. उनकी पेंटिंग्स की मांग दुनिया भर

में है और उनकी कलाकृतियों को अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनियों में प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है. अनुपम पाल ने अब तक 150 से अधिक आर्ट एग्जीबिशन, आर्ट कैंप और आर्ट रेजिडेंसी में भाग लिया है. उनकी पेंटिंग्स आज भारत की प्रमुख ऑनलाइन और ऑफलाइन गैलरीज में देखी जा सकती हैं और लाखों में बिकती हैं. उनकी पेंटिंग्स में न केवल भारतीय, बल्कि विदेशी कला प्रेमियों की भी बड़ी रुचि है.

हाल ही में, अनुपम की कुछ पेंटिंग्स को संजय लीला भंसाली की फिल्म हीरामंडी के लिए लाइफस्टाइल एशिया मैगजीन के कवर फोटोशूट में चुना गया. यह पहली बार है जब किसी फिल्म के कवर फोटोशूट के लिए पेंटिंग्स का उपयोग किया गया है और यह अनुपम की कला के महत्व को दर्शाता है. यह उपलब्धि कला के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और अनूठी शैली की पहचान का प्रतीक है. अनुपम की कला यात्रा एक प्रेरणादायक कहानी है. इनका सफर जमशेदपुर की गलियों से शुरू हुआ और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचा. इनकी सफलता की कहानी उनके परिवार के समर्थन और इनकी अटूट मेहनत का परिणाम है. अनुपम पाल ने अपनी कला के माध्यम से जमशेदपुर और भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऊंचा किया है. इनकी मां मौसमी पाल और पिता शिशिर पाल ने हमेशा उन्हें प्रोत्साहित किया और इनके सपनों को साकार करने में मदद की. अनुपम की पत्नी शारबानी पाल ने भी हर कदम पर उनका साथ दिया. उनके परिवार का समर्थन कला के प्रति उनकी निष्ठा को और मजबूत बनाता है. अनुपम पाल की कला यात्रा उन सभी के लिए प्रेरणादायक है, जो अपनी कला के माध्यम से दुनिया को कुछ नया देना चाहते हैं. इनकी पेंटिंग्स की रहस्यमयी और आकर्षक शैली कला प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर देती है और इनकी सफलता की कहानी इनके परिवार की प्रेरणा और समर्थन का प्रमाण है. अनुपम की यह अनूठी यात्रा भविष्य में भी कला जगत में नई ऊंचाइयों को छूने का संकेत देती है. इनकी कला ने यह साबित कर दिया है कि जुनून और समर्पण से हर चुनौती को पार किया जा सकता है.

आखर

किरण निशांत

कहानी

मास्क

खुशगवार व्यक्तित्व के पीछे से असली वाली एक दुखी आत्मा अवतरित होने लगी. उसी दुख को जिस पर दुनिया आमतौर पर मजे लेती है.

एक बड़े-से संस्थान के ऊंचे पद पर कार्यरत रोमा चौधरी गंभीर, सक्षम, खुद्दार और कर्मठ महिला अधिकारी हैं. आज छुट्टी के दिन, सर्दियों की धूप सेंकतीं, उनकी निगाह अखबार के एक समाचार पर गयी- लिखा था- "एक पत्नी ने अपने पति के अत्याचारों से तंग आकर पति की हत्या कर दी". ये कैसी खबर है? आम तौर पर तो पत्नियां, अत्याचार से तंग आकर आत्महत्या कर लेती हैं. यह कैसी दुसाहसी पत्नी है, जिसने पति को ही मार डाला? वही पति, जिसके दीर्घायु होने की कामना करती पत्नियां तीज-त्योहार, उपवास किया करती हैं. उसे ही मार डाला...! सही कहते हैं, कलियुग आ गया है... घोर कलियुग... धूप में बैठी-बैठी वह सोच में डूबने उतारने लगी... कैसी होगी वह? क्या- क्या सोचती होगी? कैसे किया होगा यह सब कुछ? वह भी तो पिछले तीस वर्ष से सुमित की सभी ज्यादतियां सह रही है. उसके साथ सुमित का अपमानजनक व्यवहार, घर में हमेशा सदा हिटलरी अंदाज में रहना, रोमा की कोई बात नहीं सुनना... अपमान और केवल अपमान... कई बार तलाक लेने का खयाल भी आया. पर सोचती ही रह गयी, नहीं ले पायी. उसकी तो इतनी भी हिम्मत नहीं हुई कि इस विषय पर किसी से बात कर सके. समाज उनकी छवि एक आदर्श कपल की जो थी. उनसे इतना भी नहीं कहा गया कि आइडियल कपल जैसी कोई बात होती ही नहीं है. सब कुछ समझौते पर निर्भर होता है. रिश्तों में कहीं एक को तो, कहीं दोनों को, लेकिन समझौते तो करने ही पड़ते हैं. विशेष रूप से अगर दोनों सक्षम, समर्थ व्यक्तित्व हों.

धूप तेज होने लगी थी, लेकिन रोमा अपनी जगह से हिल भी नहीं रही थी. एक धुन-सी जो चढ़ गयी थी. वह बस आज कुछ नहीं कर केवल अपने चेहरे पर ओढ़े मुखौटों के हिसाब-किताब में उलझे रहना चाहती थी. आज बहुत दिनों बाद फुर्सत में जो बैठी थी. वे सोच में पड़ गयी थीं- लोग अपने चेहरे पर कितने-कितने मुखौटे लगाए रहते हैं. पहचान में ही नहीं आता-कौन असली है, कौन नकली...

एक मास्क उसके चेहरे पर भी है, एक मुखौटा उसकी जिंदगी में भी है, सुमित नाम का. सुमित सामान्यतया एक सभ्य, सुशील, समझदार, संवेदनशील, सहज, सुलझा हुआ व्यक्ति, लेकिन जब उसका मुखौटा उतरता है, कोई भी आश्चर्य में पड़े बगैर नहीं रह सकता. यह कोई सुलझा हुआ संवेदनशील आदमी तो छोड़ो, एक सामान्य व्यक्ति भी नहीं है. यह बात अलग है कि उसका मुखौटा कभी-कभी ही उतरता है, लेकिन जब उतरता है, हर बाधा तोड़ कर उतरता है. बहुत ही कम बोलने वाले सुमित गलियां भी दे सकते हैं, यह कोई सोच भी नहीं सकता; और वह भी अपनी सुशील, विदुषी पत्नी को. कई बार घर के लोग के सामने भी सुमित का यह मुखौटा उतर गया है. आश्चर्य से भरे परिवार वाले कनफ्यूज हो जाते हैं. क्या यह सुमित ही हैं? वैसे रोमा, उस मुखौटे से बखूबी परिचित है. हर पल का साथ जो है.

दूसरी ओर तृप्ति है. हर वक्त मुसकुराती रहने वाली तृप्ति. किसी की भी सहायता करने को हर वक्त तत्पर. चुलबुली-सी. रोमा के इस ऑफिस में आने के बाद से तृप्ति उसे एक दोस्त के रूप में मिली. रोमा ने कभी तृप्ति से उच्च अधिकारी की तरह व्यवहार नहीं किया. उसे कभी एक कम उम्र की, अपने अधीन काम करने वाली कनिष्ठ अधिकारी नहीं समझा. खुशदिल तृप्ति के बिंदास व्यक्तित्व को रोमा ने हमेशा पसंद किया. कहां मिलते है ऐसे लोग आजकल ?

जिसको देखो उदासी की चादर ओढ़े, गंभीर बना, और कभी चाटुकारिता से लैस ही दिखता है. चेहरे पर ओढ़ी गई गंभीरता जैसे ऑफिस में काम करने वाले लोगों के व्यक्तित्व का एक हिस्सा हो.

रोमा, खुद से हट कर अब तृप्ति के बारे में सोचने लगीं. रोमा के ऑफिस का एक रूटीन-सा था. रोमा के ऑफिस पहुंचती कि तृप्ति का हंसता- मुसकुराता चेहरा, दरवाजे को ठेलता, उसके चैंबर में गुड मॉर्निंग कहता आ दिखता था. जब कभी तृप्ति छुट्टियों पर होती, रोमा का वह दिन उदास बीतता, जैसे कुछ खो गया हो. दिन किसी तरह बिता कर वापस घर लौट आती. उस दिन ऑफिस में जैसे समय ही नहीं बीतता था, और उसे घर जाने की जैसे जल्दी सी मची रहती. मानो वह ऑफिस काम करने नहीं, तृप्ति के साथ कुछ खुशगवार पल जीने की लालसा में ही जाती थी. रोमा को तृप्ति की उपस्थिति खुश करती तो उसकी अनुपस्थिति उसे उदास कर जाती.

वह अक्सर ही अपने आप से सवाल करने लगती- "तृप्ति इतनी खुश कैसे रहती है?" कई बार वह पूछ ही बैठती, "इतनी खुश कैसे रहती हो यार, हजार गम हैं जिंदगी में, परेशानियां हैं, जिन्हें झेलते-झेलते हर कोई परेशान है और एक तुम हो जो हमेशा खुशगवार बनी रहती हो! मैंने देखा है, ऑफिस में कुछ लोग तुम्हें परेशान करते हैं, लेकिन तुम उन परिस्थितियों को बड़े आराम से, बिना किसी प्रतिकार के टाल जाती हो." रोमा जानती है- जानती क्या है, सब देखती है. कुछ लोग ऑफिस में विभाग के जरूरी कामों के साथ-साथ एक दूसरे को परेशान करने, नीचा दिखाने की कोशिश में ही लगे रहते हैं. यह हर जगह आम बात है. जैसे ऑफिस में महिलाओं की उपस्थिति मनोरंजन का एक साधन हो. उनकी रूमानियत रंगीनी बनी रहती है. तृप्ति को जब भी कोई वरिष्ठ अधिकारी डांट दे, तो कुछ पल को तो उसके चेहरे पर मायूसी छा जाती है, पर दूसरे ही पल चिर-परिचित मुस्कान उसके चेहरे पर छा जाती. उसके चेहरे से गुस्सा या उदासी क्षण भर में आसमान पर छाये बेमौसम बादल की तरह छंट जाते.

रोमा को हमेशा से सोचते रहने, अकेले बैठ कर खुद से बाते करने की आदत थी. सदा सोचते रहना और कुछ ज्यादा ही सोचते रहना, तभी तो, रात में सोने जाने पर उसे कितनी भी थकान हो, जल्दी नींद ही नहीं आती थी, सोचती ही जाती और फिर कब नींद आ जाती पता ही नहीं चलता था. कई बार तो अच्छी भली सो रही होती है और जब नींद खुलती तो लगता वह किसी से बात ही कर रही थी, सोच ही रही थी.

रोमा चौधरी ने कई बार तृप्ति के बारे में कई अफवाहें सुनी थी. लेकिन उसने कभी उन बातों पर ध्यान नहीं दिया था. दफ्तरों में महिलाओं के बारे में इस तरह की बातें होती ही रहती हैं. इसलिए कभी आगे बढ़ कर उससे कुछ पूछा भी नहीं. रोमा का मानना था कि अगर दोस्ती की गांठ मजबूत होगी तो तृप्ति कभी खुद ही उसे बतायेगी. वह चाहे लाख संभल कर बात करे, लेकिन उसके चेहरे का सदा खुश रहने वाले मास्क को सरकना ही है.

अभी उस दिन की बात है, रोमा अपने चैंबर में फाइलों में डूबी परेशान बैठी थी कि कुछ पूछती हुई तृप्ति अंदर आयी. रोमा ने फ़ाइलों से नजर उठा कर तृप्ति की ओर देखा. उसके चेहरे पर सदा बिखरी रहने वाली मुस्कुराहट कहीं खो गयी थी. उसकी जगह एक उदासी ने ले ली थी. बड़ी-बड़ी आंखों की चमक कहीं लुप्त हो गयी थी.

काम में उलझी हुई रोमा को मज़ाक सुझा, वह अपने टेबुल पर कुछ ढूंढने का स्वांग करने लगी. तृप्ति पूछ बैठी –'क्या ढूंढ रही हैं मैडम?'

अरे भाई, तुम्हारे चेहरे की मुस्कुराहट... जो कहीं खो गयी है, उसे ही ढूंढ रही हूं. कहां गई वह? तृप्ति एक फीकी-सी हंसी हंसती मुस्कुरा पड़ी- 'आप भी न मैडम...'

'क्या हुआ? चेहरा क्यों सूजा हुआ है तुम्हारा? कहां छोड़ आयी अपने चेहरे पर सदा खिलने वाली हंसी ?

हर वक्त तृप्ति का मुस्कुराता चेहरा, प्रफुल्ल, आनंददायी व्यक्तित्व देखते हुए रोमा ने मान लिया था कि उसे कोई कष्ट या परेशानी ही नहीं है.

फिर तो वो हुआ जिसकी उम्मीद नहीं थी. तृप्ति के चेहरे पर चस्पा हंसी का मास्क धीरे-धीरे खिसकने लगा. खुशगवार व्यक्तित्व के पीछे से असली वाली एक दुखी आत्मा अवतरित होने लगी. उसी दुख को जिस पर दुनिया आम तौर पर मजे लेती है. लोगों के मजे लेने को नकारने के लिए ही उसने अपने सारे दर्द को पीकर अपने चेहरे पर एक मास्क लगा लिया था. खुशगवार इंसान का. लेकिन आज बरसों के अथक प्रयासों से अपने चेहरे पर सजाया उसका मास्क गर्म तवे पर सहानुभूति की एक बूंद पड़ते ही गिर पड़ा.

कुछ पल ही बीते होंगे कि एक झटके से तृप्ति के चेहरे का मास्क हटा और जमीन पर गिर कर छन से टूट गया. उसके चेहरे से पहले तो उसकी नकली हंसी, मस्ती का आलम छंटा, फिर रंग बदलने लगे. उदासी, रिक्तता, दुख और फिर फूटती रुलाई... कुछ पलों में ही उसके चेहरे पर कितने भाव आये और गये, रोमा के लिए बताना थोड़ा मुश्किल था. आंसुओं से भींगा चेहरा पल भर को उठा, दोनों की आंखें मिली, फिर झुकीं आंखों से बादल बरसने लगे, जो चेहरे के साथ ही तृप्ति के कुर्ते को भी भिगोने लगे थे. रोमा सहम-सी गयी थी. पता नहीं जो बादल बरस रहे थे, कब से उसके अंदर उमड़ घुमड़ रहे होंगे. एक ठहरी हुई नदी मानो बह चली हो, मानो उसमें बाढ़ आ गयी हो, जो हर बाधा तोड़ कर बहती चली जा रही हो. मानो कोई तूफान आ गया हो. रोमा ने भी उसे टोका नहीं था. उसके आंसुओं को बहने दिया. रोमा जानती है हर किसी की जिंदगी में कई कई अंधेरे बंद कमरे होते है, जहां हम दुनिया से छुपा कर, उस तहखाने में कई स्मृतियां दफन कर देते हैं. जब कभी मन उदास होता है, उधर का चक्कर भी लगा लेते हैं. पर अपने सिवा जल्दी किसी को उस तहखाने में प्रवेश नहीं करने देते हैं.

उसने भी उन आंसुओं को बहने दिया था. मानो ठान रखा हो कि बहुत हो गया छुपना-छिपाना, यह छुपा-छुपी का खेल. आज और अभी जो दिल में है वो बाहर आना ही चाहिए. और हुआ यह कि कई दुख भरी कहानियां कमरे में फैल गयी थीं. थोड़ी देर को सांस लेना मुश्किल लगने लगा था. कई सवाल मन में तैरने लगे थे. जो हुआ, वो क्यों हुआ. लेकिन वो खुल चुकी थी, थोड़ी अस्वस्त, थोड़ी निश्चिंत दिल पर रखा पत्थर सरक रहा था. थोड़ी मुखर भी हो रही थी. रिश्तों की गरमाहट पा कर उसके दिल पर जमी बर्फ, दरकने लगी थी, पानी बन बहने लगी थी. बगैर किसी लाग लपेट के उसने कहा, "मैडम आप शायद नहीं जानती है, सभी मुझे अविवाहित समझते हैं, लेकिन मैं तलाक़शुदा हूं."

अब चौकने की बारी रोमा की थी. इतनी उज्ज्वल भविष्य वाली लड़की, यह उम्र और तलाक? तृप्ति ने बताया कि उसका पति शादी से पहले किसी और लड़की से प्यार करता था, लेकिन हिम्मत नहीं हुई घर में कहने की तो परिवार के दवाब में आकर शादी तो कर ली, लेकिन तृप्ति को पत्नी का दर्जा, मान, सम्मान, स्नेह सभी से वंचित रखा. एक बार भी उसने तृप्ति के बारे में नहीं सोचा. तृप्ति ने तब खुद आगे बढ़ कर तलाक लेकर अपने पति को मुक्त कर दिया और खुद तलाक़शुदा होने का दंश झेलती, लोगों के ताने, उपहास, घृणा, आरोपों को झेलती रह गई.

रोमा तृप्ति का दुख महसूस कर रही थी और साथ ही सोच रही थी, इसका मास्क तो उतर गया, मेरे मास्क का क्या? उसने भी तो कब से एक नहीं, कितने मास्क पहन रखे हैं.

कविता/गज़ल

कुमार बृजेंद्र

गीत लिखता हूं मैं बहारों के

एक सहमे हुए शहर के लिए
एक ठहरे हुए पहर के लिए
गीत लिखता हूं मैं बहारों के
एक जलती हुई उमर के लिए.

उनकी सांसें बिकीं जुलूसों में
उनकी आहें टंगी सभाओं में
कह रहे वे जहां तुम्हारा है
और वे मर रहे हैं घर के लिए.

एक खुदा था- अब हैं हजारों खुदा
रात दिन सर झुकाए गुजरें हैं
कौन मस्जिद है, कौन मयखाना
फर्क भी मिट गया नजर के लिए.

आज मंदिर के पुजारी चुप हैं
भीड़ में मंत्र चले आए हैं
तोड़ दो बंद पड़े दरवाजे
कब से बैठे हैं हम सहर के लिए.

शम्भुनाथ मिस्त्री

धरी रह गयी फिर से बात

क्यों न कहा जो कहना चाहा
धरी रह गयी फिर से बात.

टूटे सपने निखर न पायीं
कलियाँ बनकर फूल;

सूनापन लेकर लौटा तो
बिखरे मन के सोच,
लेटी वोटिल हुई उमंगें
पांवों में ज्यों मोच;

इतना गदराया बादल था
गुजरा बिना किये बरसात.

कुण्ठाएँ कुछ दह जाने दो
निखरेगी तब साध,
बेड़ी का बंधन यह कैसा
मन का क्या अपराध;

मत पूछो उस दम की बाबत
कैसे सहा गया आघात.

रही तरस कर सूखी धरती
छायी मरु की धूल,

रात अगर गुजरी बिन चंदा
होगा कैसे दीप्त प्रभात.

उमेश पंकज

डीह पड़ेगा

जंगल के बीच कभी रहा मेरा गांव
अब तो जैसे हो गया है उजाड़
कुछ सालों में देखते ही देखते
कटते गए अधिकांश पेड़
खेतों की मेड़ से निकली पगडंडियां
जो ले जाती थी शहर की ओर
चौड़ी सड़क में तब्दील हो गई
उन पर धुआं उड़ाते
चलती हैं अब ट्रक और बसें.
धीरे धीरे शहर
घुसता आया है गांव में
और गांव
दूर होता गया है गांव से.
सालों बाद गांव आया हूं
देख कर अचंभित हूं विकास
बाबूजी जी को कहते सुना हूं
खेत बधार छोड़कर
लोग इसी तरह यदि
भागते रहे दिल्ली आ बंबई

त अनाज कैसे उपजेगा
बज्जर पड़ेगा
बंजर हो जाएंगे खेत.
क्या खाएंगे लोग
सोना चांदी
हीरा मोती?
हवा पीएंगे और
खाली थरिया बजाएंगे ?
स्याह अंधेरी रातों में
सियारिनें फेंकरेंगी
सभी घरों में ताले झूलेंगे
डीह पड़ेगा ! डीह ! !
अपने जरूरी कपड़ों के साथ
बाबूजी की चिंताओं को भी
अपनी आत्मा की झोली में
मैंने सहेज लिया और
अगले ही दिन
मुंबई के लिए गाड़ी पकड़ ली
क्या मुझे सोचना चाहिए बाबूजी की तरह?

जो मुड़ के देखता हूं

कथा–लेखकों के विराट सागर में एक बूंद की तरह मेरा नाम

रतन वर्मा

अकस्मात 1982 में चास महाविद्यालय, चास, बोकारो में हिन्दी प्राध्यापक के पद पर नियुक्त होकर भारत यायावर चास चले गये. फिर कुछ ही दिनों बाद प्राणेश कुमार की नियुक्ति भी अस्थायी तौर पर सेंसस में हो गयी. हालांकि रह तो प्राणेश हज़ारीबाग में ही रहे थे, लेकिन उनका मित्रों से मिलना- जुलना कम हो गया. सम्भावना-संगोष्ठी की गोष्ठियां भी अब शिथिल पड़ने लगी थीं. वैसे भी मैं अक्सर अपनी नौकरी के सिलसिले में शहर से बाहर ही यात्राओं पर रहा करता था. जब किसी रविवार को हज़ारीबाग में उपलब्ध होता, तभी गोष्ठी में सम्मिलित होता. लेकिन अब तो गोष्ठियां आयोजित ही यदा-क़दा हो पातीं. हां, प्राणेश कुमार को जब समय मिलता, तो वे मेरे घर पर आ जाते। मेरे बच्चों से वे बहुत घुले - मिले थे. उनके साथ भी खेला करते. यानी, भारत यायावर और प्राणेश कुमार के साथ हमारे पारिवारिक रिश्ते इतने आत्मीय बन गये थे कि हमारे हर सुख-दुख में अपने सामर्थ्य से बढ़कर भी आपस में हम सहयोगी हुआ करते. फिर 1985 में प्राणेश कुमार की भी सरकारी नौकरी लग गयी और वे धनबाद चले गये. ले-देकर हज़ारीबाग में मैं, कथाकार सुनील सिंह, कवि शंकर ताम्बी और ज़हीर ग़ाज़ीपुरी रह गये थे, जिनसे लगातार मिलना-जुलना होता रहता. हां, कथाकार सुनील सिंह चूंकि मेरे सरकारी क्वार्टर से थोड़ी ही दूरी पर रहते थे, इसलिये रोजाना सुबह की चाय वे मेरे निवास पर मेरे साथ ही लिया करते और चाय पर हमारी घंटों बातें होतीं.

***

भारत यायावर से मेरे निरन्तर पत्राचार होते रहते. मैं उन्हें लम्बे-लम्बे पत्र लिखा करता. मेरे पत्र की भाषा और शिल्प पर अक्सर उनकी टिप्पणी के साथ सलाह हुआ करती कि मुझे कहानी लिखनी चाहिये ...कि मुझमें एक कथाकार बनने की जबरदस्त सम्भावना है.

सच कहूं, तो मेरे अंदर भी एक अकुलाहट सी थी, ख़ुद को एक बड़े फ़लक के साथ अभिव्यक्त करने की. मगर कैसे, यह समझ नहीं पा रहा था. ....

मैं जब यात्राओं पर होता, तब बस या ट्रेन की सफर की ऊब से बचने के लिए पत्र-पत्रिकाएं अपने साथ ज़रूर रखा करता था. खास तौर पर उस समय की सर्वाधिक महत्वपूर्ण पत्रिका सारिका और हंस. तो यात्रा के क्रम में ही पहले पटना जाना हुआ, फिर वहां से मुजफ्फरपुर होते हुए दरभंगा जाना था. उन दिनों पटना के महेंद्रू घाट से गंगा नदी में पहलेजा घाट के लिये स्टीमर चला करती थी. फिर पहलेजा से ही मुजफ्फरपुर की ट्रेन.

पटना के काम से निपट कर दूसरी सुबह छः बजे की स्टीमर पकड़ ली थी मैंने. गर्मियों के दिन थे. गंगा की लहरों को स्पर्श कर बहती हुई शीतल हवा तन और मन को भी शीतलता प्रदान कर रही थी. मैंने सारिका पत्रिका में एक कहानी पढ़नी शुरू की. शीर्षक था – "पीले गुलाबों वाली लड़की" एक प्रेम कहानी थी वह. कहानी समाप्त करने के साथ ही, जैसे मेरे अवचेतन में संचित अनुभवों से एक स्त्री पात्र झांक कर मेरे अंतर्मन को आंदोलित सी करने लगी. जैसे कह रही हो, 'भारत यायावर ग़लत थोड़े ही कह रहे हैं ? बस, ज़रूरत है, मुझे अपने भीतर से बाहर निकालने की..." मेरे भीतर एक बेचैनी सी उत्पन्न करने लग गयी थी वह पात्र. फिर तो मुजफ्फरपुर में एकदिवसीय प्रवास और दरभंगा -प्रवास के दौरान उस पात्र ने एक पूरी कहानी का रूप अख्तियार करके ही दम लिया था, जिसका शीर्षक दिया था मैंने "हालात". वह भी एक प्रेम कहानी ही थी.

हज़ारीबाग लौटा, और जब भारत जी से भेंट हुई, उन्हें कहानी दिखाई मैंने. पढ़कर उसे अपने झोले में डालते हुए प्रतिक्रिया दी उन्होंने, "पहली ही कहानी इतनी धांसू ? आज रात की बस से मैं पटना निकल रहा हूं. प्रगतिशील समाज ' पत्रिका के सम्पादक हंसराज जी ने अप्रैल अंक के सम्पादन का दायित्व मुझे सौंपा है. आपकी कहानी उसी अंक में छापूंगा.₹

अप्रैल 1984 अंक में वह कहानी छपी और अगले अंक में उसपर पाठकों की कई सारी प्रतिक्रियाएं भी छपीं, जिसने कथालेखन के प्रति मेरे मन में एक

आश्वस्ति सी पैदा कर दी कि मैं भी कहानियां लिख सकता हूं. उसके बाद "मोहरा सांप" शीर्षक से कहानी लिखी, जिसे शम्भु बादल जी ने अपने सम्पादन में प्रकाशित होने वाली पत्रिका प्रसंग में प्रकाशित की. कुछ दिनों बाद प्रतिष्ठित कथाकार रामधारी सिंह दिवाकर का उस कहानी पर प्रशंसा भरा पत्र मिला. मेरे लिए वह पत्र प्रोत्साहन की पराकाष्ठा था. फिर ' इस्माइल ' कहानी लिखी, जो ' प्रगतिशील समाज ' में ही छपी और जिस अंक को प्रसिद्ध कवि-कथाकार राणा प्रताप ने सम्पादित किया था. उसके बाद से तो अवचेतन मन में संचित अनुभवों से क्रमशः एक- एक पात्र और परिवेश बाहर निकल -निकलकर कथारूप धारण करते चले गये. लेकिन अपनी परिपक्वता का एहसास मुझे तब हुआ, जब ' हंस ' के अक्तूबर 1988 अंक में मेरी कहानी "दस्तक" छपकर पाठकों की प्रतिक्रियाओं और पत्रों से नवाजी जाकर एक बड़े पाठक -वर्ग में मेरी पहचान बना पाने में कामयाब हो गयी. उसके बाद तो जैसे मुझे ऐसा लगने लगा, जैसे मेरे अवचेतन मन के पिंजड़े में क़ैद अनुभवों के परिन्दे एक-एक कर उड़ान भरने लग गये हों और गुलबिया, नेटुआ, सबसे कमज़ोर जात, परमेसरा बैकवर्ड हो गया ... आदि शीर्षक कहानियों के रूप धरकर विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के उन्मुक्त आकाश में उड़ान भरने लग गए हों. पुस्तक-प्रकाशकों की दृष्टि में भी मेरी कहानियां आने लगीं, तो मेरे संग्रह और उपन्यास भी प्रकाशित होने लगे. इस प्रकार कथा-लेखकों के विराट सागर के जल में एक बूंद की तरह मेरा नाम भी जुड़ गया.

समीक्षा

कविताओं में दिखती इनकार की आत्मीय व विवेकवान भाषा

डॉ. नीरज दइया

हिंदी कविता-यात्रा में युवा कवि शंकरानंद ने अपना विशिष्ट स्थान बनाया है. वह अपने आसपास की भाषा से कविता में सहज-सरल रहते हुए ऐसी द्युति उत्पन्न करने की क्षमता रखते हैं कि कविता बहुत कम शब्दों में गहरे अर्थों को व्यंजित करती है. उनके तीसरे काव्य-संग्रह 'इनकार की भाषा' में उनकी काव्य-भाषा का उत्थान देख सकते हैं और सर्वाधिक उल्लेखनीय यह है कि उनके यहां इनकार की भाषा में भी आत्मीयता और विवेकवान होना अपने आप में एक अतिरिक्त विशेषता है.. संभवतः ऐसे ही कुछ कारण रहे होंगे कि उन्हें 'इनकार की भाषा' संग्रह के लिए वर्ष 2022 का 'मलखान सिंह सिसोदिया कविता पुरस्कार' अर्पित किया गया है.

इस संग्रह की पहली कविता 'आवाज़' का यह अंश इस बात का प्रमाण है कि वर्तमान समय के कोलाहल में किस प्रकार छोटे-बड़े स्वरों को दबाया जा रहा है. 'इन दिनों असंख्य आवाज़ हवा में गूंज रही है/ इसमें अन्याय की आवाज़ सबसे अधिक है/ यह शोर का समय है/ जब चीख को दबाना भी एक कला है.' कवि का मानना है कि आवाजों के इस शोर में जो दूसरी आवाज़ है, उसके लिए भी जगह बची रहनी चाहिए. यह हमारे समय का इतना निराशाजनक परिदृश्य है कि इस कविता की अंतिम पंक्ति के रूप में कवि जैसे विवश होकर लिखता है- 'आवाज़ की दुनिया के लोकतंत्र का सूर्यास्त हो गया है.'

कवि शंकरानंद की काव्यगत विशेषताओं में विशेष उल्लेखनीय यह है कि वे अपनी कविताओं में नए तरह के प्रतीक और बिंब सामने लाते हैं, जिससे उनकी काव्य-अनुभूतियां बहुत सहजता के साथ पाठकों से जुड़ती चली जाती है. उदाहरण के लिए 'गिरना' कविता को देखें- 'एक बच्चा जो अभी चलना सीख रहा है/ उसके हिस्से में अभी/ चलने से ज्यादा गिरना है/वह एक कदम उठाता है तो/ दो बार गिरता है/ दो कदम उठाता है तो पांच बार गिरता है/ उसके चलने के औसत से ज्यादा/ उसके गिरने का औसत है,/फिर भी वह मेरे बार-बार मना करने के बावजूद चल रहा है/ मैं

पुस्तक – इनकार की भाषा
(काव्य संग्रह)
कवि : –शंकरानंद
प्रकाशक – अनंग प्रकाशन,नई दिल्ली
मूल्य – 195 रुपए , पृष्ठ सं .– 112

हाथ पकड़ता हूँ तो/ वह हाथ छुड़ा कर भाग जाता है.'

कवि शंकरानंद के यहां बच्चा एक संभावना और प्रश्न के रूप में बार-बार उपस्थित होता है, साथ ही वे आवाज की बात अनेक कविताओं में करते हैं. ऐसी कविताओं से पाठक जब आत्मसात होता है तो उसे ये अनुभूतियां अपनी लगने लगती है.

यहां यह भी कहना होगा कि इनकी कविताएँ अपने विन्यास में भले ही शाब्दिक रूप में छोटी दिखाई देती हो, किंतु वे अपनी संरचना में पूरी रचनात्मक शक्ति को लेकर चलती है। शायद यही कारण है कि वे मानवीय संवेदनाओं का वाहक बनती हुई, हमारी चेतना को बारंबार झंकृत करती है.

हमारे समय में रंगहीन होती इस दुनिया के सांस्कृतिक क्षरण के लिए 'मेला' जैसी कविता बेहद प्रासंगिक है, इस कविता में कवि वर्तमान समय की त्रासदियों को उजागर करते हुए अपनी उसी पुरानी दुनिया में लौटने का आह्वान करता है. समय में लौटना संभव नहीं, किंतु उस समय के मूल्यों का बचना बेहद जरूरी है. इस कविता में अंतिम संदर्भ के रूप में कवि कविता में प्रेमचंद जैसे महान कथाकार की कहानी ईदगाह का जिक्र हामिद के बहाने करता है. यह एक ऐसा संकेत है जिसे समय रहते समझा जाना चाहिए कि आधुनिता का अर्थ यह कदापि नहीं है कि हम मेलों की उस दुनिया को पृथ्वी से गायब कर दें और चिमटा खरीदने का विकल्प बच्चों के सामने से देखते ही देखते लुप्त कर दें. जाहिर है कि कवि यह आह्वान करते हुए वांछित बदलाव चाहता है- 'मैं वह चिट्ठी नहीं बनना चाहता जो/ लिखी तो गई पर पहुंची नहीं/ बिना पते के ताखों पर ही गल गई अपनी नमी में/ उस तरह बाकी नहीं रखना चाहता हूं कुछ.' (कविता- 'एक पल में') कवि का विश्वास है कि हमारी इच्छाशक्ति और भाषा में ही वह शक्ति और सामर्थ्य है कि वह स्थितियों को परिवर्तित कर सकती है. 'अलग करना' कविता में भाषा की इसी क्षमता को रेखांकित किया गया है- 'एक मनुष्य से दूसरे की दूरी के लिए/ एक भाषा काफी है/ वहाँ दीवार हो या न हो/ इससे फर्क नहीं पड़ता. परंपरा और अपनी जमीन से जुड़े लोगों के प्रति बदलते नजरिये पर भी संग्रह में कविताएं हैं, तो अनेक कविताएं हमारे आत्मीय संबंधों की भी हैं.

अगर कहा जाए कि कवि की रचनात्मकता के उत्कर्ष को देखने के लिए इस संग्रह की कोई एक कविता प्रस्तुत करें, तो मेरा मत रहेगा कि 'पहाड़' कविता देखें- 'ये पहाड़ की ऊंचाई है/ किताबों में जिसे/ बित्ते भर में दिखा दिया गया/अब अगर इसे देखा जाए तस्वीरों में/ यह ऐसा ही दिखेगा/ जैसे नाप लिया जाए दो कदम में/ और सारा पहाड़/ पैरों के नीचे आ सकता है/यह तस्वीर सच नहीं है/ इससे नहीं जाना जा सकता एक पहाड़.'

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

यूएस ओपन : 2002 के बाद पहली बार अमेरिकी महिला और पुरुष एकसाथ एकल फाइनल में, पुरुष फाइनल मैच आज

खिताबी मुकाबले में सिनर से भिड़ेंगे टेलर फ्रिट्ज

एजेंसी। न्यूयॉर्क

टेलर फ्रिट्ज अब संयुक्त राज्य अमेरिका के पुरुष ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन के लिए 21 साल के सूखे को समाप्त करने से सिर्फ एक जीत दूर हैं. 12वें वरीय खिलाड़ी ने शुक्रवार को अपने करीबी दोस्त और साथी अमेरिकी फ्रांसेस टियाफो को 4-6, 7-5, 4-6, 6-4, 6-1 से हराकर यूएस ओपन में अपने पहले प्रमुख फाइनल में प्रवेश किया. ग्रैंड स्लैम जीतने वाले आखिरी अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी एंडी रॉडिक थे, जिन्होंने 2003 में फ्लशिंग मीडोज में जीत हासिल की थी. अब, फ्रिट्ज खिताब जीतने के लिए रविवार को शीर्ष वरीयता प्राप्त जानिक सिनर का सामना करेंगे. एटीपी के अनुसार, 26 वर्षीय फ्रिट्ज के लिए फाइनल तक का सफर चुनौतीपूर्ण रहा, वे मॉन्ट्रियल और सिनसिनाटी में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में सिर्फ एक जीत के साथ टूर्नामेंट में आए. लेकिन उन्होंने 2009 में विंबलडन में रॉडिक के बाद ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले पहले अमेरिकी पुरुष के रूप में इतिहास रच दिया. टियाफो के खिलाफ मैच उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिसमें फ्रिट्ज बेसलाइन रैलियों को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष कर रहे थे. न्यूयॉर्क की भीड़ से उत्साहित और अपनी पहचान बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित टियाफो तीसरे सेट को जीतने के बाद नियंत्रण में दिखे. हालांकि, फ्रिट्ज ने संयम बनाए रखा और चौथे सेट में देर से टियाफो को ब्रेक मिला, जिससे फैसले के लिए निर्णायक सेट में मुकाबला हुआ. पांचवें सेट में, फ्रिट्ज ने जल्दी से नियंत्रण हासिल किया, जिससे उन्हें शुरुआती ब्रेक हासिल हुआ. हालाँकि उन्होंने कुछ समय के लिए

डबल-ब्रेक एडवांटेज को खो दिया, लेकिन उन्होंने अपना ध्यान फिर से हासिल किया और अंतिम 34 में से 25 अंक जीतकर तीन घंटे और 18 मिनट में जीत हासिल की. फ्रिट्ज ने कहा, "मैंने खुद से कहा कि इसमें बने रहो और जितना संभव हो सके स्कोरबोर्ड पर दबाव बनाओ." पूर्व पेशेवर टेनिस खिलाड़ी कैथी मे और जी फ्रिट्ज के बेटे फ्रिट्ज ने इस पल की महत्ता पर विचार किया. "यही कारण है कि मैं जो कहता हूं, वही करता हूं, यही कारण है कि मैं इतनी मेहनत करता हूं. मैं यूएस ओपन के फाइनल में हूं." उन्होंने रोते हुए कहा, "यह एक सपना सच होने जैसा है, और मैं इसके लिए अपना सबकुछ देने जा रहा हूं." सेमीफाइनल में दो बार के एटीपी फाइनल्स चैंपियन अलेक्जेंडर ज़ेवरेव को हराने के बाद, फ्रिट्ज आत्मविश्वास से भरपूर हैं.

पुरुष एकल में अमेरिकी ओपन जीतने वाला अमेरिका का आखिरी खिलाड़ी भी रोडिक थे. उन्होंने 2003 में यह उपलब्धि हासिल की थी. जब कैलिफोर्निया के 26 वर्षीय फ्रिट्ज और मैरीलैंड के 26 वर्षीय टियाफो सेमी फाइनल मैच खेलने के लिए कोर्ट पर उतरे तो दर्शकों को भी समझ में नहीं आ रहा था कि वह किसका समर्थन करें.

यह 2009 के बाद पहला मौका है जबकि अमेरिका का कोई पुरुष खिलाड़ी किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है. वह रॉडिक थे जो 2009 के विंबलडन फाइनल में पहुंचे थे जहां उन्हें फेडरर से हार का सामना करना पड़ा था. वहीं, 2006 के बाद पहली बार कोई अमेरिकी यूएस ओपन के पुरुष एकल के फाइनल में पहुंचा है. इसमें कोई संदेह नहीं कि रविवार को होने वाले फाइनल में दर्शकों का भरपूर समर्थन फ्रिट्ज को मिलेगा.

इससे पहले न्यूयॉर्क की 30 वर्षीय छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने करोलिना मुचोवा को 1-6, 6-4, 6-2 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया. महिला एकल के एक अन्य सेमीफाइनल में पिछले साल की उपविजेता सबालेंका ने अमेरिका की एम्मा नवारो को 6-3, 7-6 (2) से हराया था और फाइनल में जगह बनाई थी. इन दोनों का फाइनल आज खेला जाएगा.

ब्रीफ खबरें

स्पेन की टीम से बाहर हुए मिकेल ओयारजाबल

मैड्रिड। स्पेन की राष्ट्रीय टीम के कोच लुइस डे ला फुएंते रविवार को स्विट्जरलैंड के खिलाफ होने वाले यूईएफए नेशंस लीग मुकाबले में रियल सोसिएदाद के फारवर्ड मिकेल ओयारज़ाबल के बिना खेलेंगे, क्योंकि स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन ने पुष्टि की है कि गुरुवार को सर्बिया के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ के दौरान उनका बायां टखना चोटिल हो गया है. यारज़ाबल खेल में अंतिम समय में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में आए अंतिम चरण में उन्हें चोट लग गई. स्पेन में वापस परीक्षण के बाद, चोट की गंभीरता की पुष्टि हुई. ओयारज़ाबल बैसाखी के सहारे आरएफईएफ मुख्यालय छोड़कर सैन सेबेस्टियन लौट गए.

सहरसा ने सीवान को पराजित किया

सहरसा। 14वीं हॉकी बिहार सब जूनियर मैन स्टेट चैंपियनशिप 6 से 9 सितम्बर 2024 तक सिवान में आयोजित है.शनिवार को इस प्रतियोगिता में कुल 3 मैच का आयोजन हुआ, जिसमे सहरसा ने दूसरा मैच सिवान के साथ खेला और किसी के होम ग्राउंड में जितना बहुत ही मुस्किल होता है फिर भी सहरसा ने सिवान को उनके ही होम ग्राउंड में 2 - 1 से पराजित किया,जिसमे पहला गोल आदित्य राज और दूसरा गोल सोनू कुमार ने किया. इसी के साथ सहरसा ने विजय हासिल किया. इसमें टीम मैनेजर के रूप में रिशु राज और कोच अंकित कुमार के देख रेख में सहरसा जीत की ओर कदम बढ़ा रही है.

दलीप ट्रॉफी: श्रेयस अय्यर की टीम ने तीसरे दिन ही गंवाया मुकाबला

ऋतुराज गायकवाड़ की इंडिया सी ने 4 विकेट से जीता मैच

एजेंसी। नयी दिल्ली

इंडिया सी ने शनिवार को चार दिवसीय दलीप ट्रॉफी के दूसरे मैच में इंडिया डी को चार विकेट से हरा दिया है. ऋतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व वाली इंडिया सी को तीसरे दिन जीत के लिए 233 रन चाहिए थे, जिसे टीम ने 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया. इंडिया डी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अक्षर पटेल के अर्धशतक की बदौलत 164 रन बनाए. इसके जवाब में इंडिया सी की टीम पहली पारी में 168 रन ही बना सकी और सिर्फ चार रन की बढ़त हासिल कर सकी. इंडिया डी की टीम ने दूसरी पारी में 236 रन बनाए और इंडिया सी को जीत के लिए 233 रनों का लक्ष्य रखा, जिसे गायकवाड़ के नेतृत्व वाली टीम नेटॉप आर्डर के दमदार प्रदर्शन से जीत लिया. इससे पहले इंडिया सी ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया और उसके गेंदबाजों ने इस फैसले को सही ठहराते हुए इंडिया डी के बल्लेबाजों को टिकने नहीं दिया. अंशुल कंबोज ने चार रन के स्कोर पर ही सलामी बल्लेबाज अथर्व तायडे को वापस पैवेलियन भेज दिया. तायडे ने चार रन बनाए थे. गेंदबाजों के शानदार

प्रदर्शन की बदौलत इंडिया सी ने पहले दिन इंडिया डी को 164 रनों के मामूली स्कोर पर समेट दिया. इंडिया डी की ओर सेअक्षर पटेल ने (86) रनों की अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम को सम्मान जनक स्कोर पर पहुंचाया.दूसरे दिन इंडिया सी नेअपनी पहली पारी में बाबा इन्द्रजीत (72) के अर्द्धशतक की मदद से 168 रन बनाये. इसके अलावा अभिषेक पोरेल ने 34 रनों का योगदान दिया एवं टीम को स्कोर 168 रनों तक पहुंचाया. इसके अलावा कोई बल्लेबाज उल्लेखनीय योगदान नहीं दे सके. छह बल्लेबाज को दहाई अंक में भी नहीं पहुंच पाए जबकि हिमांशु चौहान शून्य पर नाबाद रहे. इंडिया सी के गेंदबाज हर्षित राणा ने 13 ओवर में 33 रन देकर चार विकेट लिए. इसके अलावा अक्षर पटेल , सारांश जैन को दो-दो विकेट मिले, जबकि अर्शदीप सिंह एवंआदित्य ठाकरे को एक-एक बल्लेबाज को आउट किया. मात्र 19 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि अंशुल कंबोज एवं हिमांशु चौहान को दो-दो विकेट मिले तथा मानव सुथर तथा रितिक शौकीन ने एक-एक विकेट लिया. इसके बाद इंडिया डी ने अपनी दूसरी पारी में संभलकर खेलते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर (54) एवं देवदत्त पड़िक्कल (56) के

अर्द्धशतकों एवं रिकी भुई के 44 रनों की बदौलत दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक आठ विकेट पर 206 रन बनाए थे. श्रेयस अय्यर के नेतृत्व वाली इंडिया डी की टीम अपने कल के स्कोर में 30 रन की जोड़ सकी और ऑल आउट हो गई. 233 रनों के लक्ष्य का पीछा करनेउतरी इंडिया सी की टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने

अच्छी शुरुआत दिलाई. दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी हुई. साई सुदर्शन 22 रन बनाकर आउट हुए. कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ 48 गेंद में 46 रन बनाकर पवेलियन लौटे. इसके बाद रजत पाटीदार और आर्यन जुयाल के बीच साझेदारी हुई. रजत 44 और आर्यन 47 रन बनाकर आउट हुए. बाबा ने 7 और शौकीन बिना खाता खोलेआउट हुए. अभिषेक पोरेल नाबाद 35 और मानव ने 19 रन बनाए. इंडिया सी ने 61 ओवर में 6 विकेट खोकर 233 रन बनाए और मैच जीता. इंडिया डी की ओर सेसारांश जैन ने 4, अर्शदीप-अक्षर को 1-1 विकेट मिला.

पेरिस पैरालिंपिक में इतिहास रच स्वदेश लौटे भारतीय पैरालिंपियन

दिल्ली में हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली। पेरिस

पैरालिंपिक में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करने के बाद भारतीय पैरालिंपिक एथलीटों का स्वदेश लौटने पर दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया.शनिवार की सुबह, पेरिस पैरालिंपिक में हिस्सा लेने के बाद भारतीय दल के आधे सदस्य स्वदेश लौट आए. अवनी लेखरा, मोना अग्रवाल, प्रणव सूरमा, राकेश कुमार और मनीष नरवाल उन लोगों में शामिल हैं जो दिल्ली पहुंचे. दिल्ली के बाहर बड़ी संख्या में प्रशंसक एकत्रित हुए और पैरा-एथलीटों पर फूल बरसाकर उनका स्वागत किया. भारतीय दल के अन्य एथलीट पैरा मल्टी-स्पोर्ट इवेंट के समापन के बाद वापस लौटेंगे. स्टार इंडिया पैराशूटर अवनी लेखरा ने कहा कि पेरिस पैरालिंपिक में यह एक शानदार यात्रा थी.भारत की स्टार पैराशूटर अवनी लेखरा ने कहा कि पेरिस पैरालिंपिक में यह एक शानदार यात्रा रही.भारतीय पैरा शूटर मोना अग्रवाल ने कहा कि उनका पैरालंपिक सफर बहुत अच्छा रहा. उन्होंने कहा,"यह मेरा पहला पैरालंपिक था और मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं."मौजूदा पैरालंपिक चैंपियन अवनी ने अपना सिलसिला जारी रखते हुए

शुक्रवार को पेरिस पैरालंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में स्वर्ण पदक जीता. वह खेलों के इतिहास में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला भी बनीं. इसी स्पर्धा में निशानेबाज मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीता. इस बीच, पैरा-तीरंदाज राकेश कुमार ने जीत का सारा श्रेय अपने कोचों को दिया.

राकेश कुमार और शीतल देवी की भारतीय तीरंदाजी जोड़ी ने चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में इटली के एलोनोरा सारती और माटेओ बोनासिना पर जीत के साथ मिश्रित टीम कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीता. उन्होंने सोमवार को चल रहे मार्की इवेंट के कांस्य पदक मैच में इतालवी जोड़ी को 156-155 के स्कोर से हराया.चल रहे पैरालिंपिक में भारत ने 27 पदक जीते हैं, जिसमें छह स्वर्ण पदक, नौ रजत पदक और 12 कांस्य पदक शामिल हैं. यह

किसी पैरालिंपिक खेल आयोजन में भारत द्वारा जीता गया अब तक का सर्वाधिक स्वर्ण है, जिसने टोक्यो 2020 में जीते गए कुल पांच स्वर्ण को पीछे छोड़ दिया है. विशेष रूप से भारतीय पैरा-एथलीटों ने तीन स्वर्ण, छह रजत और छह कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है, जिससे उन्हें कुल 15 पदक मिले हैं.

हॉकी एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी आज से

खिताब बचाने उतरेगी भारतीय हॉकी टीम

एजेंसी। हुलुनबुइर (चीन)

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम हीरो पुरुष एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी 2024 में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयार है. मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम खिताब बचाने के लिए प्रबल दावेदार के रूप में मैदान पर उतरेगी. भारत के साथ मेजबान चीन, जापान, पाकिस्तान, कोरिया और मलेशिया जैसी टीमें हैं. यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट रविवार 8 सितंबर से चीन के हुलुनबुइर शहर में होगा. पिछले साल भारत ने घरेलू मैदान पर यह खिताब जीता था, जिससे वह टूर्नामेंट के इतिहास में चार खिताब जीतने वाली एकमात्र टीम बनी. टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह इस साल भी चैंपियनशिप में भारत का दबदबा जारी रखने के लिए उत्सुक हैं.

हॉकी इंडिया की ओर से शनिवार को जारी बयान में हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि पिछले साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी ने हमें एशियाई खेलों में जाने के लिए सही गति दी. इसके बाद ओलंपिक खेलों में फिर से पोडियम पर खड़े होने की जीत मिली. इस बार भी हम इस टूर्नामेंट को जीतकर नए ओलंपिक चक्र की शुरुआत करना चाहते हैं. उन्होने कहा कि खेल के दृष्टिकोण से, हमारा आक्रमण और पेनल्टी कॉर्नर हमारी ताकत है लेकिन हम एक संरचित रक्षा की कोशिश करेंगे, खासकर जापान, मलेशिया और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ. विश्व रैंकिंग अंकों के लिहाज से यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है.

इस साल क्रिकेट नहीं खेलेंगे मार्क वुड

इंग्लैंड को लगा 440 वोल्ट का झटका

एजेंसी। लंदन

इंग्लैंड को श्रीलंका टेस्ट सीरीज के दौरान 440 वोल्ट का झटका लगा है. इंग्लैंड के धाकड़ तेज गेंदबाज मार्क वुड लंबे समय के लिए बाहर हो गए हैं। वह कोहनी में चोट के कारण इस साल क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे . उनकी वापसी अब 2025 में होगी. इंग्लैंड को इस साल पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के दौरे पर तीन-तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है. वुड की कमी को पूरा करना इंग्लैंड के लिए आसान नहीं होगा। 37 वर्षीय पेसर इंग्लैंड के लिए 37 टेस्ट, 55 वनडे और 34 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं, जिसमें क्रमशः 119, 77 और 77 विकेट चटकाए. वुड को श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मेंदाईं

जांघ में इंजरी हुई थी. उन्हें जांघ की परेशानी के चलते श्रीलंका सीरीज से बाहर होना पड़ा। इसके बाद, गेंदबाज को कोहनी के जोड़ मेंअसुविधा महसूस हुई. वुड ने जब नियमित कोहनी का स्कैन कराया तो उन्हें पता चला कि पुरी तरह रिकवर होने में कई महीने लगेंगे. इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में बताया कि गर्मियों की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान वुड को कोहनी में जकड़न और तकलीफ बढ़ती हुई महसूस हुई थी. वुड के अगले साल की शुरुआत में वापसी करने की संभावना है. इंग्लैंड को अगले साल जनवरी से भारत दौरे पर सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है. उसके बाद फरवरी मेंआईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज होना है. वुड ने लंबे समय के लिए इंग्लैंड टीम से बाहर होने पर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने इंस्टाग्राम पर

लिखा कि एक बहुत ही बुरी खबर है. पहले से ही परेशान करने वाली कोहनी की नियमित जांच के दौरान मुझे यह जानकर झटका लगा कि मेरी दाहिनी कोहनी में बोन स्ट्रेस है.

न्यूजीलैंड के लिए चुनौती साबित होगी अफगानिस्तान की टीम : रहमत शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

अफगानिस्तान के बल्लेबाज रहमत शाह को भरोसा है कि उनकी टीम ग्रेटर नोएडा में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड को कड़ी चुनौती देगी, क्योंकि वे वहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं. 31 वर्षीय यह खिलाड़ी अफगानिस्तान के टी20 क्रिकेट में एक बेहतरीन बल्लेबाज है. वह टेस्ट और वनडे दोनों में अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं और जोखिम भरे शॉट लगाने से बचते हैं, और विकेट बचाने को प्राथमिकता देते हैं. क्रिकबज ने रहमत के हवाले से कहा, यह टेस्ट महत्वपूर्ण है. हमें उनके खिलाफ केवल एक टेस्ट मैच खेलना है. हम उन्हें कड़ी चुनौती देने की कोशिश

करेंगे. उन्होंने आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप जीती है, तो हमने भी सर्वश्रेष्ठ तैयारी करने की कोशिश की है. हम आगे आने वाली चुनौती का इंतजार कर रहे हैं. उन्होंने कहा, भारत में हमारा पिछला अनुभव हमारी मदद करेगा. नोएडा और लखनऊ में हमारे घरेलू मैदान थे. हमने यहां बहुत सारे मैच खेले हैं.

टूर्नामेंट **21 से 29 सितंबर चलेगा जिम एफ्रो टी-10 सीजन-2 का खुमार**

दिखेगा वार्नर, नीशम, विली, ब्रैथवेट और मुनरो का जलवा

एजेंसी। हरारे

क्रिकेट का सबसे तेज और सबसे मनोरंजक फ़ॉर्मेट रोमांचक मुकाबलों के एक और ब्लॉकबस्टर सीज़न के साथ वापस आ गया है. टी10 क्रिकेट का यह आगामी सीज़न बड़ा और बेहतर होने जा रहा है और इसकी शुरुआत हरारे में जिम एफ्रो टी10 के सीज़न 2 के साथ होगी.अगले चार महीनों में, बेहद रोमांचक टी10 फ़ॉर्मेट एशिया, उत्तरी अमेरिका और अफ्रीका में घूमेगा. सीज़न की शुरुआत 21 से 29 सितंबर तक हरारे में जिम एफ्रो टी10 की वापसी के साथ होगी, जिसका प्लेयर्स ड्राफ्ट 8 सितंबर को होगा.जिम एफ्रो में छह फ्रैंचाइज़ी ने ड्राफ्ट में जाने से पहले अपने आइकन और वैश्विक सुपर स्टार को सीधे साइन किया है, ताकि उनके 15-सदस्यीय दल को उनके वैश्विक आइकन के रूप में एक अतिरिक्त 16वें खिलाड़ी के साथ पूरा किया जा सके.टीम में 6 स्थानीय जिम्बाब्वे खिलाड़ी होंगे और आइकन तथा वैश्विक स्टार भी जिम्बाब्वे से हो सकते हैं. ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वार्नर और वेस्टइंडीज के हार्ड हिटिंग बल्लेबाज कार्लोस ब्रैथवेट को बुलावायो ब्रेव्स जगुआर ने साइन किया है, जबकि केप टाउन सैम्प

आर्मी ने इंग्लैंड के डेविड विली और डेविड मलान, अफगानिस्तान के गुलबदीन नैब और कैस अहमद को खरीदा है.डरबन वॉल्व्स ने न्यूजीलैंड के कॉलिन मुनरो और मार्क चैपमैन के साथ पाकिस्तान के बाएं हाथ के पावर हिटर शारजील खान और यासिर शाह को टीम में शामिल किया है. इसी तरह हरारे बोल्ट्स ने जेम्स नीशम और जोबर्ग बांग्ला टाइगर्स ने ऑस्ट्रेलिया के क्रिस लिन को टीम में शामिल किया है.न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स लागोस की बात करें तो इस टीम ने जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मज़ूराबानी को अपने बड़े खिलाड़ियों में से एक चुना है, साथ ही थिसारा परेरा (श्रीलंका), आसिफ अली (पाकिस्तान) को भी टीम में शामिल किया है.

जिम एफ्रो टी10 के बाद यूएस मास्टर्स लीग का दूसरा सीज़न, अबू धाबी टी10 और उद्घाटन लंका टी10 दिसंबर में सीज़न का समापन करेगा. जिम्बाब्वे के बाद श्रीलंका टी10 को अपनाने वाला दूसरा आईसीसी पूर्ण सदस्य देश बनने के लिए तैयार है. लंका टी10 तुरंत ही श्रीलंकाई क्रिकेट कैलेंडर पर एक महत्वपूर्ण इवेंट के रूप में खुद को स्थापित कर लेगा, पिछले साल जिम्बाब्वे में मिली शानदार सफलता के बाद उत्साह चरम पर है, और हम हरारे में इसकी शुरुआत करने के लिए रोमांचित हैं. प्रत्याशा और उत्साह स्पष्ट है,

ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को रौंदा

एजेंसी। नयी दिल्ली

सीरीज में बनाई 2-0 की अजेय बढ़त

जोश इंग्लिस के रिकॉर्ड तोड़ शतक के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को दूसरे टी 20 में 70 रनों से हराकर तीन मैच की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है. इंग्लिस ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेज टी 20 शतक जड़ते हुए 49 गेंदों पर सात चौकों और इतने ही गगनचुंबी छक्कों की मदद से 103 रनों की धुआंधार पारी खेली. उनकी इस पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड के सामने जीत के लिए 197 रनों का टारगेट रखा था, इस स्कोर का पीछा करते हुए मेजबान टीम 16.4 ओवर में 126 रनों पर ही सिमट गई. जोश इंग्लिस को उनकी इस लाजवाब पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया. टॉस हारकर पहले

जोश इंग्लिस का शतक

बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही. पिछले मैच के हीरो ट्रेविस हेड बिना खाता खोले पहली गेंद पर आउट हो गए. ब्रैडली करी ने उन्हें गोल्डन डक पर बोल्ड किया. जेक फ्रेजर-मैकगर्क भी कमाल नहीं दिखा पाए और 16 के निजी स्कोर पर पवेलियन लौट गए. जोश इंग्लिस ने दो विकेट गिरने के बाद ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला और कैमरून ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की. इसके बाद उन्होंने स्टोइनिस के साथ चौथेविकेट के लिए 64 रन जोड़े. जोश इंग्लिस ने इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के लिए 43 गेंदों पर सबसे तेज शतक जड़ा. इससे पहले यह रिकॉर्ड पूर्व कप्तान एरोन फिंच के नाम था जिन्होंने 47 गेंदों में यह कारनामा किया था, बता दें, इंग्लिस इस से पहले 47 गेंदों में भी टी20 शतक ठोक चुके हैं. जोश इंग्लिस की इस पारी के दम पर ऑस्ट्रेलियाई टीम निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 196 रन बोर्ड पर लगाने में कामयाब रही.

गुवा गोलीकांड पर विशेष

शहीदों को श्रद्धांजलि देने आएंगे नेता और सेकेंगे राजनीतिक रोटी

गुवा गोलीकांड के शहीदों के मजार पर आज लगेगा मेला

संवाददाता । किरीबुरु

एक बार फिर से 8 सितंबर को गुवा गोलीकांड के शहीदों के मजार पर लगेगा राजनीतिक मेला. शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद सारे नेता विशेष मंच से चुनावी राजनीतिक रोटी सेंकने के साथ-साथ सारंडा के वनवासियों व आदिवासियों को आश्वासन की घूंट पिलायेंगे. ऐसे राजनीतिज्ञों की केवल कथनी होगी, लेकिन करनी कुछ नहीं. कारण यह कि गुवा गोलीकांड जिस आंदोलन की याद दिलाता है, इस गोलीकांड में शहीद हुए लोगों ने जो सपना देखा था, वह आज तक पूरा नहीं हुआ है. सिर्फ शहीदों के आश्रितों को सरकार ने नौकरी देकर खानापूर्ति कर दी. जल, जंगल, जमीन पर मालिकाना हक, जंगल कटाई से संबंधित दर्ज मुकदमे वापस करने, खदानों से निकलने वाले लाल पानी को रोकने, इस लाल पानी से बंजर हुई ग्रामीणों के खेतों का मुआवजा, खदानों से प्रभावित गांव के लोगों को खदान में नौकरी, सारंडा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास आदि में से कुछ भी नहीं हुआ.

गुवा का शहीद स्मारक

क्या है गोलीकांड का इतिहास

झारखंड अलग राज्य अर्थात् झारखंड आंदोलन, वनों पर वनवासियों का अधिकार व गुवा खदान से निकलने वाली लाल पानी से प्रभावित व बंजर हो रही खेतों को नुकसान पहुंचाने से रोकने आदि मांगों से जुड़ी घटना का उदाहरण है गुवा गोलीकांड. इस गोलीकांड में दर्जनों आदिवासी आंदोलनकारी व पांच बीएमपी के जवान शहीद और दर्जनों घायल हुए थे. लेकिन आज भी गुवा स्थित शहीद स्थल पर इस गोलीकांड से जुड़े 10 शहीदों के ही नाम दर्ज हैं. उल्लेखनीय है कि वर्ष 1980 के दशक में झारखंड आंदोलन के नाम पर राज्य के अन्य जिलों से आए ग्रामीणों द्वारा भारी पैमाने पर सारंडा के जंगलों की कटाई कर मैदान बना उस वन भूमि पर कब्जा करने का कार्य चल रहा था. इसके खिलाफ गुवा वन विभाग ने कार्रवाई करते हुये इस अभियान में शामिल लोगों समेत कुछ निर्दोषों को भी पकड़ कर जेल भेजना प्रारंभ कर दिया. हालांकि उस समय झारखंड अलग राज्य को लेकर पूरे राज्य में व्यापक आंदोलन चल रहा था और उसी समय यह कार्य भी सारंडा में झारखंड आंदोलन के नाम पर जारी था. इसके खिलाफ वन विभाग की इस कार्रवाई ने आग में घी डालते हुए दोनों कार्य में लगे लोगों को संगठित कर दिया. इन दोनों आंदोलनों के अलावा उस समय की इस्को की गुवा खदान (अब सेल) से निकलने वाले लाल पानी से सारंडा के गांवों के खेत व नदी-नाले प्रदूषित हो गए थे. इससे भी सारंडा के ग्रामीण नाराज थे. इन तीनों मामलों को लेकर चक्रधरपुर के तत्कालीन विधायक (अब स्व.) देवेन्द्र मांझी के आह्वान पर सारंडा, कोल्हान व पोड़ाहाट रिजर्व वन क्षेत्र के हजारों ग्रामीण 8 सितंबर 1980 की सुबह से ही गुवा में वन विभाग व तब की इस्को प्रबंधन के खिलाफ पारंपरिक हथियारों के साथ संगठित होने लगे. आंदोलनकारियों की मांग थी कि जंगल कटाई के नाम पर फर्जी मुकदमा कर जेल भेजे गये लोगों को रिहा किया जाए व फर्जी मुकदमों को वापस लिया जाए. खदानों से निकले लाल पानी को नदी-नालों व खेतों में छोड़ना बंद किया जाए आदि मांगों को लेकर वन विभाग व इस्को प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी होती रही. इस आंदोलन की विस्फोटक स्थिति को देखते हुए गुवा में धारा 144 लगा बीएमपी व बिहार पुलिस के जवानों को तैनात कर दिया गया.

जिलाध्यक्ष को गिरफ्तार किया तो हुई स्थिति विस्फोटक

आंदोलन में पूर्व विधायक बहादुर उरांव, झामुमो नेता भुवनेश्वर महतो, सुखदेव भगत, सुला पूर्ति आदि आदिवासियों के दर्जनों प्रमुख नेता शामिल थे. सभी आंदोलन का आयोजन करने वाले पूर्व विधायक स्व. देवेन्द्र मांझी के आने का इंतजार आंदोलन स्थल पर करते रहे, लेकिन देवेन्द्र मांझी नहीं पहुंच पाये. इसी बीच आंदोलन व नारेबाजी वन विभाग व इस्को प्रबंधन के खिलाफ तेज होता रहा. आंदोलनकारियों को वन विभाग कार्यालय की तरफ पारंपरिक हथियारों के साथ बढ़ता देख स्थिति को सामान्य व नियंत्रित करने हेतु आदिवासियों के नेता व झामुमो के वर्तमान जिलाध्यक्ष भुवनेश्वर महतो को बीएमपी जवानों ने अरेस्ट कर लिया. इसके बाद स्थिति विस्फोटक हो गई व नारेबाजी और भड़काऊ ब्यानबाजी भीड़ ने तेज कर दिया. साथ ही भीड़ में से कुछ लोगों ने बीएमपी जवानों पर तीर चला दिया, जिसमें बीएमपी के पांच जवान शहीद हो गए व दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई.

जवानों ने अस्पताल में जाकर मारी गोली : इस गोलीबारी में दर्जनों आंदोलनकारी घायल हुए, जिन्हें वर्तमान का गुवा अस्पताल इलाज हेतु ले जाया गया. इस बीच बीएमपी जवानों को पता चला कि घायल आंदोलनकारी गुवा अस्पताल में इलाज के लिए गये हैं, तो जवानों ने वहां पहुंच घायलों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी. इसमें कई मारे गये व दर्जनों घायल हुए थे. इस घटना के बाद लगभग तीन वर्षों तक सारंडा क्षेत्र में दहशत व आक्रोश व्याप्त रहा.

ये हुए थे शहीद

गुवा गोलीकांड में जो आंदोलनकारी मारे गये थे उसमें ईश्वर सरदार (कैरोम), रामो लागुरी, चन्दो लागुरी (दोनों चुर्गी), रेंगो सुरीन (कुम्बिया), बागी देवगम, जीतू सुरीन (दोनों जोजोगुटू), चैतन चाम्पिया (बाईहातु), चुड़ी हंसदा (हतनाबुरु), जुरा पूर्ति (बुंडु), गोंडा होनहागा (कोलायबुरु) शामिल हैं. हालांकि शहीदों व घायलों की संख्या काफी थी. लेकिन उस वक्त पुलिस के डर से लोग सामने नहीं आये अर्थात कुछ मृतकों को गांव में दफना दिया गया. जबकि अनेक घायलों ने जंगल व गांवों में छुप कर अपना जख्म देहाती दवाओं से भरने का कार्य किया. गुवा के शहीदों के आश्रितों को सरकार द्वारा नौकरी दे दी गयी है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष व्यापार भाव गत चंद्र राहु के नक्षत्र पर है. कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें. व्यापार के लिए स्थिति सामान्य रहेगी. जीवनसाथी से विवाद हो सकता है. रिश्तों में मधुरता आएगी. जीवनसाथी का सहयोग और सांनिध्य मिलेगा. मछली को चारा दे.

वृष बहुत जरूरी हो तो ही किसी से उधार लें. साथ ही मौसमी रोग से बचें. आमोद-प्रमोद का अवसर प्राप्त होगा. भागदौड़ रहेगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी. चींटी को चीनी, सफेद तिल और चावल मिला कर दें.

मिथुन संतान की कार्य विधि पर नज़र रखें. प्रयास अच्छा से किया जाए तो शिक्षा में विशेष लाभ होगा. आपके प्रयास से रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे. पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी. रिश्तों में मधुरता आएगी. भागदौड़ रहेगी. संतान के दायित्व की पूर्ति होगी.

कर्क मानसिक तनाव बढ़ेगा. किसी से विवाद हो सकता है. पर धन की स्थिति सुखद रहेगी. गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी. संतान के दायित्व की पूर्ति होगी. भागदौड़ की स्थिति सुखद रहेगी. पर गुरु भाग्य का साथ देगा. गुरु गायत्री का जाप करें.

सिंह भाई के सहयोग से बिगड़ा कार्य बनेगा. यदि हो सके तो आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं. कोई ऐसा कार्य न करें, जिससे स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा प्रभावित हो. किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा. किसी गरीब को अन्न का दान करें.

कन्या आय के लिये पूर्व में किया गया प्रयास रंग लाएगा. पर खर्च पर नियंत्रण करें. पारिवारिक जीवन सुखमय होगा. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. शासन सत्ता का सहयोग रहेगा. कुत्ता को भोजन दें.

तुला कुछ तनाव को छोड़ दिया जाय तो मानसिक और शारीरिक सुख मिलेगा. जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी. संबंधों में निकटता आएगी. गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी, लेकिन जीवनसाथी से तनाव मिल सकता है.

वृश्चिक आय और धन में वृद्धि होगी.पारिवारिक जीवन सुखमय होगा. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी. अन्न का दान और गायत्री मंत्र का जाप करें.

धनु समय बहुत ही अनुकूल है. आय का नया मार्ग मिलेगा. पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. आपके मेहनत और ईमानदारी से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा.

मकर सरकारी कार्य में लाभ होगा. किसी रुके हुए सरकारी कार्य में वृद्धि होगी. साथ ही उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. रिश्तों में मजबूती आएगी. दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा. पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. काला कपड़ा और जूता किसी गरीब को दें.

कुंभ सामाजिक कार्य में लाभ लेने का मौका मिलेगा. आलस का त्याग करें. शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे. सुखद समाचार मिलेगा. व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. किसी वृद्ध की सेवा से बिगड़ा कार्य बनेगा.

मीन किसी से कहा-सुनी हो सकती है. बेकार की बहस से बचें. मित्र से सहयोग होगा. आपके अथक प्रयास से अपनों से रिश्तों में मधुरता आएगी. राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी. पुरातत्व शक्ति का सुख प्राप्त होगा. लड्डू का भोग लगावें.

10 दिवसीय गणेश महोत्सव शुरू

चतरा । चतरा और हजारीबाग जिले के सीमा में स्थित टंडवा के चुंदरू धाम में 10 दिवसीय गणपति महोत्सव का विधिवत रूप से शुभारंभ किया गया. पर्यटन स्थल चुंदरू में शनिवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई. यहां एक बड़े पंडाल में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है, जिनकी विधिवत पूजा-अर्चना की जा रही है.

शनिवार को लालगुटवा बैंक्वेट हॉल में हुई बैठक

कांग्रेस की विस्तारित कार्यसमिति की बैठक में विस चुनाव पर मंथन

प्रमुख संवाददाता । रांची

प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित कार्यसमिति की बैठक में विधानसभा चुनाव पर मंथन हुआ. शनिवार को लालगुटवा बैंक्वेट हॉल में हुई बैठक में तीन राजनीतिक प्रस्ताव पारित किए गए. इसमें प्रदेश में जातिगत जणगणना कराने, ओबीसी के लिए अलग मंत्रालय का गठन करने और रांची जिला व रांची महानगर कांग्रेस कमेटी की तर्ज पर राज्य के वैसे जिले, जहां नगर निगम कार्यरत हैं, जैसे जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो चास, गिरिडीह, हजारीबाग, डालटनगंज एवं देवघर में महानगर कांग्रेस कमेटी का गठन करने का प्रस्ताव पारित किया गया.

हमने जनहित के सारे काम किए : प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि संगठन की मजबूती की दृष्टिकोण से जो भी विचार रखे गए है, उस पर अमल होगा. उम्मीदवार के चयन के साथ कई मुद्दों पर मंथन किया गया. साथ ही साथ नेताओं से फीडबैक भी लिया गया. आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए एक रूपरेखा जल्द तैयार करने का निर्णय लिया गया. उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा और न्याय यात्रा पूरे देश के लिए था.उस यात्रा ने जनता के दिलों में एक छाप छोड़ी, जिस कारण आज हम एक मजबूत विपक्ष में रूप में खड़े हैं. झारखंड में लोकसभा के चुनाव में हमें पिछली बार के मुकाबले 16 लाख मत अधिक मिले. इसे अपनी ताकत के रूप में इस्तेमाल करना है.

जनता की उम्मीदों को कर रहे हैं पूरा : कांग्रेस विधायक दल के नेता और राज्य के मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि हम जनता की उम्मीदों को पूरा कर रहे हैं. मंईयां सम्मान योजना सबसे सबल योजना के तहत हम 48 लाख बेटियों को लाभान्वित करने का काम किया. आज वो आर्थिक रूप से सबल हो रहीं हैं. पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि आज की बैठक आने वाले विधानसभा चुनाव की आगाज है. हमने आज से आगामी विधानसभा चुनाव की शुरूआत कर दी है, हमें पिछले बार से और अच्छे परिणाम देने हैं. बैठक में सांसद कालीचरण मुंडा, धीरज प्रसाद साहू, विधायक प्रदीप यादव, बादल पत्रलेख, सोनाराम सिंकु, शिल्पी नेहा तिर्की, नमन विक्शल कोनगाड़ी, भूषण बाड़ा, राजेश कच्छप, शहजादा अनवर, केएन त्रिपाठी, उपाध्यक्ष ब्रजेन्द्र प्रसाद,प्रदीप तुलस्यान, डॉ जयप्रकाश गुप्ता,आदि बह्रम, प्रदेश महासचिव अमुल्य नीरज खलखो, राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुजनी, मदन मोहन शर्मा, मानस सिन्हा, मणिशंकर सहित कई अन्य शामिल थे.

तीन प्रस्ताव पारित

- झारखंड में जातिगत जनगणना कराने की जोरदार वकालत
- ओबीसी के लिए अलग मंत्रालय बनाने का प्रस्ताव पारित
- रांची की तर्ज पर महानगर व ग्रामीण कमेटी के गठन की भी वकालत

केंद्र अब नहीं कर सकती तानाशाही: सप्तगिरि

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सह झारखंड के सह प्रभारी सप्तगिरि शंकर उल्का ने कहा कि आपकी मेहनती ही आपकी ताकत बनेगी. जनता ने लोकसभा के चुनाव में हमें इनता मजबूत कर दिया है कि केंद्र अब तानाशाही नहीं कर सकता. समय कम है, काम ज्यादा है, कमजोर कड़ी को ढूंढ़ना है और उसे मजबूत करना है.

युवा आजसू की झा. नवनिर्माण संकल्प सभा आज

सरकार को बेरोजगार युवाओं का डेटा सौंपेगा युवा आजसू

संवाददाता । रांची

झारखंड नवनिर्माण संकल्प सभा का आयोजन रविवार को दिन के 11.30 बजे से धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान में होगा. इससे पूर्व आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो बिरसा चौक, रांची से पदयात्रा करते हुए प्रभात तारा मैदान पहुंचेंगे. पदयात्रा में पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व बेरोजगार युवा शामिल होंगे, संकल्प सभा के पूर्व सुदेश कुमार महतो गुवा गोली कांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे.

नवनिर्माण संकल्प सभा में वरीय उपाध्यक्ष सह गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, केंद्रीय प्रधान महासचिव सह पूर्व मंत्री राम चंद्र सहिस, केंद्रीय महासचिव सह गोमिया विधायक लंबोदर महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व मंत्री उमाकांत रजक, रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी, केंद्रीय समिति के पदाधिकारी, जिला, प्रखंड, पंचायत समिति के पदाधिकारी, युवा आजसू, आजसू छात्र संघ के पदाधिकारी तथा पार्टी के सभी अनुसंगी ईकाई के पदाधिकारियों के साथ-साथ राज्य के हजारों शिक्षित बेरोजगार युवा शामिल होंगे.

बॉयोडाटा अभियान से जुड़े लाखों युवा

युवा आजसू द्वारा 24 अगस्त से 7 सितंबर तक राज्यभर के बेरोजगार शिक्षित युवाओं को डेटा एकत्रित करने के लिए बॉयोडाटा संग्रह अभियान चलाया गया. इस दौरान प्रदेशभर से ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से प्राप्त हुए बॉयोडाटा को झारखंड नवनिर्माण संकल्प सभा में सरकार के समक्ष रखा जाएगा. अभियान में एक लाख से अधिक युवाओं ने अपना बॉयोडाटा जमा किया है, युवा आजसू द्वारा हर प्रखंड में डोर टू डोर जाकर ऑफलाइन व वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन बॉयोडाटा जमा किया गया है.

अवैध खनन के खिलाफ 566 दिनों से धरना-प्रदर्शन

पलामू । जिले के हुसैनाबाद प्रखंड क्षेत्र में सोहेया पहाड़ बचाओ संघर्ष समिति का अवैध खनन के खिलाफ चलाया जा रहा आंदोलन चरम पर है. समिति के सदस्यों और ग्रामीणों का धरना 566 दिनों से लगातार जारी है. सोहेया पहाड़ की तलहटी में खनन गतिविधियों को रोकने की मांग को लेकर समिति ने 16 फरवरी, 2023 से धरना जारी रखा है. इसके बावजूद प्रशासन द्वारा अवैध खनन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है. संघर्ष समिति के सदस्यों ने प्रशासनिक अधिकारियों, जिला उपायुक्त, खनन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी और अंचल अधिकारी हुसैनाबाद को बार-बार अवैध खनन की जानकारी दी है.

इसके बावजूद आज तक खनन गतिविधियों पर कोई रोक नहीं लगाई गई. समिति के सदस्यों का आरोप है कि पत्थर माफिया और खनन विभाग के बीच गठजोड़ है, जिसके चलते अवैध खनन रुकने का नाम नहीं ले रहा. समिति के सदस्यों ने कहा कि उन्हें खनन माफिया से कई बार धमकियां मिली हैं और उनके खिलाफ गलत मुकदमे भी दर्ज कराए गए हैं लेकिन वे पीछे हटने को तैयार नहीं हैं. उनका कहना है कि खनन बंद कराने के लिए वे अंतिम समय तक संघर्ष करते रहेंगे.

चतरा सांसद व विधायक ने किया पुल का शिलान्यास

संवाददाता । चतरा

जिले के पत्थलगडा और सिमरिया प्रखंड के कई उग्रवाद प्रभावित गावों की बहुप्रतीक्षित मांग भुराही नदी पर पुल का आज शिलान्यास किया गया. चतरा सांसद कालीचरण सिंह और सिमरिया विधायक किशुन कुमार दास ने फीता काटकर शिलान्यास किया. मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना अंतर्गत विधायक किशुन कुमार दास की अनुशंसा पर बरवाडीह में भुराही नदी पर पुल निर्माण कार्य होगा. मौके पर पत्थलगडा और सिमरिया प्रखंड के कई गणमान्य, पंचायत प्रतिनिधि और ग्रामीणों ने सांसद और विधायक के पहुंचने पर यहां पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया. सांसद ने कहा कि ग्रामीणों की बहुप्रतिक्षित मांग पूरी हो रही है. विधायक दास ने कहा कि

उनके कार्यकाल में पत्थलगडा ही नहीं पूरे विधानसभा में दर्जनों पुल व पुलिया के अनुशंसा की गई है. कई पुल बनकर तैयार हो गए हैं. ग्रामीणों ने जो आशा और उम्मीदें रखी थी उसे पर वे हर संभव खरा उतारने में शत-प्रतिशत योगदान दे रहे हैं. यहां के ग्रामीणों के साथ जो वादा किया उसे पूरा कर रहे हैं. भुराही नदी पर पुल बनाने के लिए ग्रामीण वर्षों से आंदोलनरत थे. ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल चतरा के द्वारा यहां उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कराया जाना है.

कोडरमा में डोभा में डूबकर बच्ची की मौत

कोडरमा । जिले के सतगावां थाना क्षेत्र के कटैया पंचायत के चुआंपहरी गांव में शनिवार को तीज पूजा के बाद प्रतिमा विसर्जन के दौरान एक मासूम बच्ची की मौत तालाब में डूबने से हो गई. मृतक बच्ची की पहचान सिकंदर तुरी की 6 वर्षीया पुत्री करिश्मा कुमारी के रूप में हुई है. बच्ची तीज पर्व के बाद गौरा गणेश की प्रतिमा का विसर्जन को लेकर गांव के ही बगल डोभा में विसर्जन के लिए मां सुशीला देवी व अन्य महिलाओं के साथ गई थी. इसी दौरान बच्ची पैर फिसल जाने से गहरे पानी में डूब गयी लेकिन वहां मौजूद बच्ची की मां व अन्य महिलाओं को इसकी भनक तक भी नहीं लगी. जब मूर्ति विसर्जन करने के बाद बच्ची की मां घर पहुंची और उसे खोजने लगी. वह डोभा की ओर गयी तो चीख पुकार मचाने लगी. गांव के ही लोगों की मदद से बच्ची को पानी से बाहर निकाला गया लेकिन तबतक बच्ची की मौत हो चुकी थी.

डोमचांच क्षेत्र के पत्रकार के साथ मारपीट का मामला

थाना में आवेदन देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं, आक्रोश

संवाददाता । कोडरमा

जिले के डोमचांच क्षेत्र के पत्रकार महादेव कुमार दास के साथ मारपीट की घटना हुई. संबंधित नवलशाही थाना में आवेदन देने के बाद भी अबतक कोई कार्रवाई नहीं हुई. शुक्रवार की इस घटना के बाद महादेव की स्थिति गम्भीर होने पर उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बताया जाता है कि भूमाफिया द्वारा सरकारी जमीन को कब्जा किए जाने की खबर को दैनिक नव प्रदेश के संवाददाता महादेव दास ने सोशल मीडिया पर चलाया था. इसके बाद गांव के कुछ लोगों ने उनके साथ बुरी तरह मारपीट की और अपमानित भी किया. मामले को लेकर उनके द्वारा नवलशाही थाना में आवेदन दिया गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. मामले को पत्रकार संघ ने गंभीरता से लिया है और अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर सोमवार को पुलिस अधीक्षक से मिलने और उसके बाद पुलिस महानिदेशक से मिलने का निर्णय लिया है.

इधर, दलित शोषण मुक्ति मंच के जिला अध्यक्ष दिनेश रविदास ने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है. पीड़ित पत्रकार ने अजीत यादव, बलराम यादव, बिरेंद्र साव, रौनक यादव, राजेश यादव, सुनील यादव, संदीप यादव सहित अन्य 5-6 व्यक्तियों सभी साकिन नवादा के खिलाफ आवेदन दिया है.

पुलिस ने हंगामा कर रहे किन्नर को भेज दिया जेल

पलामू । किन्नरों के दो गुटों में शनिवार को नावाटोली कुंजड़ा पट्टी में तीन घंटे तक बवाल हुआ. अंत में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नेग को लेकर बवाल करने वाली एक गुट की आयशा किन्नर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. इसके बाद दूसरे गुट की किन्नर शांत हुई. दरअसल, आयशा किन्नर और उसके साथियों की मनमानी पर गढ़वा से आई राधा किन्नर उसके साथी ने नावाटोली कुंजड़ा पट्टी में हंगामा किया. सभी आयशा किन्नर को साथ ले जाने पर अड़ी थी. सूचना पर शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने मौके पर पहुंचकर हंगामा कर रहे किन्नरों को समझाया और कार्रवाई करने की बात कही. हालांकि, इसके बाद भी किन्नर उसी जगह पर अड़े रहे. मौके पर बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती की गयी थी. थाना प्रभारी ने इसकी पुष्टि की है.

कोडरमा

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के तत्वावधान में होगा आयोजन

10 सितंबर को कैंसर वैन के जरिए होगी जांच

संवाददाता । कोडरमा

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के तत्वावधान में झुमरी तिलैया मारवाड़ी युवा मंच प्रेरणा शाखा द्वारा 10 सितंबर को निशुल्क कैंसर जांच शिविर का आयोजन होगा. इसके लिए अग्रसेन भवन में पोस्टर का विमोचन किया गया. मौके पर मारवाड़ी युवा मंच मंडल एक की सहायक मंत्री श्रेया केडिया ने कहा कि इस निःशुल्क कैंसर जांच शिविर में कैंसर की जांच के अलावा अन्य विभिन्न प्रकार की जांच सेवाएं भी दी जाएंगी. इसमें ग्लूकोज शुगर, वजन, रक्तचाप जांच, विभिन्न प्रकार के रक्त परीक्षण, सीए 125, मैमोग्राफी, एंडोस्कोपी, पैप स्मीयर स्वैप कलेक्शन, एक्स-रे, हेड एंड नेक डेंटल चेकअप जैसी सेवाएं भी शामिल हैं. प्रेरणा शाखा की अध्यक्ष सारिका लड्ढा ने कहा कि इस तरह के शिविर समाज में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण साधन है. उदय सोनी और महेश दारूका ने कहा कि समाज के लिए जो पहल की है, वह वास्तव में तारीफ के काबिल है. इस अवसर पर मंच की उपाध्यक्ष नेहा हिसारिया, शालू चौधरी, कोषाध्यक्ष नेहा बजाज, परियोजना निर्देशक कृतिका मोदी, उषा शर्मा, प्रिया अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, दीपा गुप्ता, स्वेता गुटगुटिया, रश्मि गुटगुटिया, प्रीति गुटगुटिया, और मीणा हिसारिया भी उपस्थित थीं.

कोडरमा में करंट लगने से एक की मौत

कोडरमा । जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत रायडीह मोड के समीप शनिवार को करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई. मृतक की पहचान विकास यादव (28) निवासी ग्राम पूर्णडीह डोमचांच के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार रायडीह मोड़ के पास यह युवक गिरा हुआ पड़ा था. करंट कहीं और लगा है और रायमोड़ के पास पड़ा हुआ मिला. इसकी सूचना उसके घर वालों को और पुलिस को देने के बाद पुलिस के मदद से कोडरमा सदर अस्पताल भेज गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया.

चतरा के लेंबोईया पहाड़ी में सदियों से हो रही गणेश की पूजा

चतरा । जिले के पत्थलगडा प्रखंड के लेंबोईया पहाड़ी में भगवान गणेश की एक प्राचीन प्रतिमा है. यहां का इतिहास बारह सौ साल प्राचीन बताया जा रहा है. यहां प्राचीन मां दक्षिणेश्वरी देवी चामुंडा मंदिर में भगवान गणेश की भी एक दुर्लभ प्रतिमा है, जिनका प्रतिदिन पूजा-अर्चना किया जाता है. यहां आने वाले श्रद्धालु बड़े ही श्रद्धा पूर्वक भगवान गणपति की पूजा अर्चना कर सुखमय जीवन की कामना करते हैं. भगवान गणेश के साथ यहां अन्य देवी देवताओं की प्राचीन प्रतिमा की भी पूजा-अर्चना होती है. झारखंड कला संस्कृति व पुरातत्व विभाग के पूर्व सहायक निदेशक डॉ हरेंद्र सिन्हा ने बताया कि लेंबोईया पहाड़ी में पाल कालीन प्रतिमाएं हैं, जो आठवीं से 10 वीं शताब्दी की हैं.

पेज एक का शेष

मणिपुर में फिर हिंसा...

फिर से दो मिसाइल हमले हुए हैं. इन्हें लगभग 7 किमी की दूरी से दागा गया है. इसे चिन-कुकी नार्को-आतंकवादी समूहों की ओर से घातक हमलों में से एक माना जा रहा है, जिन्होंने आसपास के पहाड़ी इलाकों में शरण ली हुई है.

स्कूल-कॉलेज बंद : इस बीच, मणिपुर सरकार ने शनिवार को राज्य के सभी शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया है. साथ ही तनावपूर्ण हालात को देखते हुए सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रहने और उग्रवाद रोधी अभियानों को तेज करने का आदेश दिया है. इससे पहले मणिपुर के पूर्व सीएम मैरेम्बम कोइरेंग के विष्णुपुर जिले में स्थित आवास पर बम से हमला किया गया था. इस हमले में एक बुजुर्ग की मौत हो गई थी और छह अन्य घायल हो गए थे. पुलिस के अनुसार, बम को काफी दूर से फेंका गया था, जो पूर्व सीएम के आवास के परिसर में गिरा. इस घटना के दौरान कोइरेंग और उनके परिवार के सदस्य घर पर मौजूद नहीं थे.

ड्रोन के डर से लोगों ने बंद की लाइट : इससे पहले मणिपुर के बिष्णुपुर और इंफाल पूर्वी जिले के इलाकों में लोगों ने कई ड्रोन देखे जाने के बाद अपनी घरों की लाइट बंद कर दी. बता दें कि हाल में ही इंफाल पश्चिम जिले में दो स्थानों पर लोगों पर बम गिराने के लिए ड्रोन का प्रयोग किया गया था. बिष्णुपुर जिले के नारायणसेना, नाम्बोल कामोंग और इंफाल पूर्वी जिले के पुखाओ, दोलाईथाबी, शांतिपुर में कई ड्रोन देखे गए थे. इसके बाद घबराए ग्रामीणों ने घरों की लाइटें बंद कर दीं. हिंसा को देखते हुए प्रशासन ने शनिवार को राज्यभर में स्कूल और कॉलेजों को बंद करने का आदेश दिया है.

न्यूज अपडेट

कन्हैयालाल हत्याकांड का आरोपी रिहा

अजमेर। उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड मामले में सहआरोपी जावेद जेल से बाहर आ गया है. शनिवार सुबह उसे अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल से जमानत पर रिहा कर दिया गया. जावेद मुंह छुपाते हुए जेल से बाहर आया और अपने भाई मोहम्मद शमशेर के साथ कार में बैठकर रवाना हो गया. राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ ने 5 सितंबर को मामले की सुनवाई की थी. उसे 2 लाख रुपये के जमानत मुचलके और 1 लाख रुपये की राशि पर जमानत की मंजूरी मिली.

भेड़िए के हमले में परिवार के 5 घायल

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में एक परिवार के पांच सदस्यों पर एक भेड़िए ने हमला कर दिया. परिवार के चीख-पुकार के बाद पड़ोसी और अन्य लोग मौके पर पहुंचे और भेड़िए को भगाया. हरसूद के अनुविभागीय पुलिस अधिकारी संदीप वास्कले ने बताया कि यह घटना जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर आदिवासी बहुल खालवा तहसील के मालगांव गांव में शुक्रवार रात 2:30 बजे हुई.इस हमले में एक महिला के हाथ पर घाव हुआ है जबकि चार पुरुषों के हाथ पर भेड़िए ने काटा है.

एलिजाबेथ द्वितीय का राष्ट्रीय स्मारक

लंदन। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का एक नया राष्ट्रीय स्मारक लंदन के सेंट जेम्स पार्क में बनाया जाएगा. ब्रिटिश सरकार ने इसकी घोषणा की है. सरकार ने एक बयान में कहा कि स्मारक मार्लबोरो गेट स्थित मॉल के पास बनाया जाएगा. इसमें आसपास की भूमि और ब्लू ब्रिज सहित झील तक जाने वाला मार्ग शामिल होगा. बकिंघम पैलेस और राष्ट्रमंडल मुख्यालय सहित महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों के निकट होने के कारण चुना गया यह स्थल दिवंगत महारानी से व्यक्तिगत रूप से भी जुड़ा हुआ है.

वज्रपात की घटनाओं में 50 की मौत

नोम पेन्ह। कंबोडिया के आपदा प्रबंधन के प्रवक्ता ने बताया कि 2024 के पहले आठ महीनों में कंबोडिया में बिजली गिरने से 50 लोगों की मौत हो गई है. पिछले साल (2023) इसी अवधि में 64 लोगों की मौत हुई थी. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन समिति के प्रवक्ता ने बताया कि इस वर्ष जनवरी-अगस्त की अवधि में हुई मौतों के अलावा इसमें 43 अन्य लोग घायल भी हुए हैं. रिपोर्ट के अनुसार सबसे अधिक प्रभावित प्रांतों में सिएम रीप, बट्टामबांग, प्रे वेंग, त्बोंग खमम और बंटेय मींचे थे.

पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़

नोएडा। नोएडा पुलिस ने शुक्रवार देर रात मुठभेड़ के दौरान दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है. हालांकि, पकड़े गए बदमाशों के दो साथी मौके से फरार हो गए हैं, जिनको पकड़ने के लिए पुलिस कांबिंग कर रही है. बताया जा रहा है कि पकड़े गए शातिर बदमाशों के पास से गाड़ियों के कई पार्ट्स बरामद हुए हैं. यह सभी दिल्ली के रहने वाले हैं और इन पर दर्जनों मुकदमे अलग-अलग थानों में दर्ज हैं. पुलिस ने घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है.

गाजियाबाद में मिला युवती का शव

गाजियाबाद। गाजियाबाद में एक युवती का अधजला शव मिला है. बताया जा रहा है कि युवती की हत्या कर शव को जलाने की कोशिश की गई, ताकि उसकी पहचान छिपाई जा सके. मामला लोनी बॉर्डर थाना इलाके का है. पुलिस के मुताबिक, गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में एक अज्ञात युवती की लाश मिलने की सूचना पुलिस को मिली थी. उसका शव बेहटा नहर रोड पर रेलवे अंडरपास के पास पड़ा मिला. एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि अब तक युवती की पहचान नहीं हो पाई है.

सवारियों से लूटपाट करने वाले धरे

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने ऑटो में सवारियों को बैठाकर उनके साथ लूटपाट करने वाले तीन शातिर बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है. इस दौरान दो बदमाश पुलिस की गोली से घायल हुए हैं और एक बदमाश को कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया है. कार्रवाई के दौरान गोली लगने से घायल हुए दोनों बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सूचना थी कि सिद्धार्थ विहार इलाके में डंपिंग ग्राउंड के पास ऑटो में सवारियों को बैठाकर लूटपाट करने वाले कुछ बदमाश जमा हो रहे हैं.

अबू धाबी के क्राउन प्रिंस आएंगे भारत

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमंत्रण पर अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालेद बिन मोहम्मद बिन ज़ायेद अल नाहयान दो दिन की भारत यात्रा पर आएंगे. उनके साथ संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सरकार के कुछ मंत्री और व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी होगा. भारतीय विदेश मंत्रालय ने शनिवार को इस यात्रा के संबंध में बयान जारी किया. विदेश मंत्रालय के मुताबिक़ अबू धाबी के क्राउन प्रिंस 9 और 10 सितंबर को भारत दौरे पर रहेंगे.

डोनाल्ड ट्रंप की सज़ा की तारीख़ टली

नयी दिल्ली। मैनहट्टन हश मनी आपराधिक मुक़दमे में डोनाल्ड ट्रंप की सज़ा को नवंबर में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों तक के लिए टाल दिया गया है. शुक्रवार को जज जुआवन मर्चेन ने ट्रंप की सज़ा को 26 नवंबर तक के लिए टालने का फ़ैसला सुनाया. डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी की तरफ़ से अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं. इस मामले में उनकी सज़ा की घोषणा की तारीख़ 18 सितंबर के लिए निर्धारित की गई थी, लेकिन ट्रंप ने उनकी सज़ा को टालने के लिए सारे क़ानूनी प्रयास किए थे.

अफ्रीका सीडीसी ने महाद्वीप में लगातार बढ़ते मामलों को लेकर दी चेतावनी

'मंकीपॉक्स' के केंद्र के रूप में उभरा कांगो, 20 हजार मामले

एजेंसी। किंशासा/अदीस अबाबा

डब्ल्यूएचओ ने वायरस को रोकने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण का किया आह्वान

अफ्रीका में एमपॉक्स के मामले लगातार बढ़ रहे हैं. अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (अफ्रीका सीडीसी) ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ एक संयुक्त महाद्वीपीय प्रतिक्रिया योजना शुरू करते हुए चेतावनी दी है. सितंबर 2024 से फरवरी 2025 तक चलने वाली छह महीने की योजना का अनुमानित बजट लगभग 600 मिलियन डॉलर है. समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इसमें से 55 प्रतिशत राशि प्रभावित देशों में एमपॉक्स की रोकथाम प्रयासों के लिए आवंटित की गई है, जबकि शेष 45 प्रतिशत को भागीदार संगठनों के माध्यम से परिचालन और तकनीकी सहायता के लिए निर्देशित किया गया है.

शुक्रवार को एक ऑनलाइन प्रेस ब्रीफिंग के दौरान अफ्रीका सीडीसी के महानिदेशक जीन कासेया ने कहा कि 2024 के बाद से महाद्वीप में 24,851 संदिग्ध एमपॉक्स (मंकीपॉक्स) के मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 5,549 मामलों की पुष्टि और 643 लोगों की मौत शामिल हैं. कांगो इस वायरस के केंद्र के रूप में उभरा है, जहां से रिपोर्ट किए गए 90 प्रतिशत मामले सामने आए हैं. कांगो में 20,463 संदिग्ध मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 635 मौत शामिल हैं. कासेया ने कहा कि पूरे अफ्रीका में एमपॉक्स के मामलों में वृद्धि हुई है, विशेष रूप से मई 2024 के बाद से. कम से कम 14 देश इससे प्रभावित हुए हैं.

मंकीपॉक्स के लक्षण क्या हैं...

तेज बुखार आना, मांसपेशियों और पीठ में दर्द होना, तेज सिर दर्द और सूजन होने पर, बुखार कम होने पर शरीर में चकते हो जाना. इसके साथ ही एमपॉक्स के बने रहने की अवधि पांच से 21 दिनों तक हो सकती है. डब्ल्यूएचओ के अनुसार, बुखार आमतौर पर एक से तीन दिनों तक रहता है. इसके बाद शरीर पर दाने होने लगते हैं, जो दो से चार सप्ताह तक रह सकते हैं.

अमेरिका ने कसी कमर, एमपॉक्स के नए प्रकार के लिए जांच और निगरानी बढ़ाई

अफ्रीका, यूरोप और एशिया के साथ दुनियाभर में एमपॉक्स वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है. ऐसे में अमेरिका लगातार कड़े कदम उठा रहा. उसने एमपॉक्स के एक नए प्रकार के लिए परीक्षण और निगरानी को बढ़ा दिया है. साथ ही यह सुनिश्चित किया है कि स्थानीय फार्मेसियों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर टीके आसानी से उपलब्ध हों. वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका में वायरस के अधिक संक्रामक प्रकार के किसी भी मामले की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन विशेषज्ञ फिर भी आगे की संभावना को लेकर कमर कस रहे हैं. अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ आधिकारियों का कहना है कि कोई भी अमेरिकी डॉक्टर अब एमपॉक्स के जांच का आदेश दे सकता है, जिसे राष्ट्रीय प्रयोगशाला श्रृंखलाओं के माध्यम से संसाधित किया जा सकता है. सकारात्मक परीक्षण जो एमपॉक्स के पुराने स्ट्रेन नहीं हैं, उन्हें पुष्टि के लिए अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र को भेजा जाएगा.

क्या है एमपॉक्स? क्यों किया गया आपातकाल घोषित

डब्ल्यूएचओ की वेबसाइट के अनुसार, एमपॉक्स वायरस एक ऑर्थोपॉक्स वायरस है, जो चेचक के समान लक्षणों वाली बीमारी है, हालांकि कम गंभीर है. मंकीपॉक्स की शुरुआत अफ्रीका के कांगो से शुरू हुई. दरअसल, विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक ने 14 अगस्त को तेजी से फैल रहे एमपॉक्स वायरस (जिसे पहले मंकीपॉक्स के नाम से जाना जाता था) को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था. यह दो सालों में दूसरी ऐसी घोषणा है. क्लेड आईबी नाम के नए स्ट्रेन ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में मामलों में बड़ी वृद्धि की है. स्वीडन और थाईलैंड दोनों में यात्रा से संबंधित मामलों की पुष्टि हुई है.

एक नया और खतरनाक वैरिएंट सामने आया : डब्ल्यूएचओ के अफ्रीका के क्षेत्रीय निदेशक मतशीदिसो मोएती ने कांगो में एमपॉक्स वायरस को रोकने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण का आह्वान किया है. अगस्त के मध्य में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे बहुत गंभीर माना और कहा है कि यह दुनिया भर के लिए खतरा है. इसका कारण है एक नया और खतरनाक वैरिएंट, जिसे सितंबर 2023 में कोंगो में पहली बार देखा गया था. इस वेरिएंट को क्लेड 1बी कहा जाता है और यह अभी भी पूरी तरह से समझा नहीं गया है. इस क्लेड 1बी स्ट्रेन के मामले तब से कई देशों में सामने आए हैं, जिनमें स्वीडन और थाईलैंड शामिल हैं. कांगो को गुरुवार को 99,100 एमपॉक्स वैक्सीन का पहला बैच प्राप्त हुआ है. वह वर्तमान में एक वितरण और टीकाकरण रणनीति विकसित कर रहा है, खासकर देश के पूर्वी हिस्से में, जहां लंबे समय तक मानवीय संकट के बीच ज्यादातर मामले सामने आए हैं. हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों ने अभी तक यह घोषणा नहीं की है कि टीकाकरण कब शुरू होगा.

भारतीय सेना को मिले 297 कैडेट अधिकारी

चेन्नई की अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ओटीए) में शनिवार को एक समारोह में 258 पुरुष कैडेट अधिकारियों और 39 महिला कैडेट अधिकारियों को भारतीय सेना की विभिन्न इकाइयों और सेवाओं में शामिल किया गया. ओटीए के परमेश्वरन ड्रिल स्क्वायर में आयोजित पासिंग आउट परेड की समीक्षा सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राज सुब्रमणि ने की. (आईएएनएस)

इजरायल ने गाजा पर बमबारी की, 10 फिलिस्तीनी मारे गए

एजेंसी। गाजा/रामल्लाह

मध्य और दक्षिणी गाजा पट्टी में दो आवासीय घरों को निशाना बनाकर किए गए इजरायली बम विस्फोटों में कम से कम 10 फिलिस्तीनी मारे गए. वहीं, उत्तरी वेस्ट बैंक में नब्लस के दक्षिण में करयुत गांव में इजरायली गोलीबारी में एक फिलिस्तीनी लड़की की मौत हो गई. इस बीच, इजरायली सेना 10 दिनों के ऑपरेशन के बाद जेनिन के वेस्ट बैंक शहर से हट गई, जहां ऑपरेशन के दौरान 21 लोगों के मारे जाने का दावा किया गया था. हालांकि, इजरायल के मुताबिक ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है. वो जल्द ही जेनिन और अन्य स्थानों पर वापस लौटेंगे.

फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने शुक्रवार को समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि इजरायली विमानों ने मध्य गाजा में नुसीरात शरणार्थी शिविर के पश्चिम में स्थित एक घर पर हमला किया. समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि हवाई हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं. फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार को ही दक्षिणी गाजा के खान यूनिस स्थित एक घर पर इजरायली बमबारी में पांच लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए. इजरायली सेना ने इन घटनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की है. हमास ने सात अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमला किया था. इस हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 अन्य को बंधक बना लिया गया था. इसके बाद इजरायल ने हमास के लिखाफ बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया. गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि गाजा पट्टी में जारी इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 40,878 हो गई है. गाजा पट्टी पर जारी नाकेबंदी के कारण भोजन, स्वच्छ जल और दवा की भारी कमी हो गई है, जिससे क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा बर्बाद हो गया है. इजरायल पर गाजा में अपने कार्यों के लिए अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में नरसंहार का आरोप लगाया गया है.

वेस्ट बैंक में इजरायली गोलीबारी में फिलिस्तीनी लड़की की मौत : वहीं, उत्तरी वेस्ट बैंक में नब्लस के दक्षिण में करयुत गांव में इजरायली गोलीबारी में एक फिलिस्तीनी लड़की की मौत हो गई. चिकित्सा सूत्रों ने शुक्रवार को समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि 13 वर्षीय की सीने में गोली लगने से मौत हो गई. समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने एक बयान में कहा कि उनकी टीमों ने कैरयूट में सीने में गंभीर चोट लगने वाली एक लड़की का इलाज किया. घायल लड़की को नब्लस के रफीडिया सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. उनके पिता ने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि बाना बेकर को इजरायली सेना की गोलीबारी में तब चोट लगी जब वह अपनी बहनों के साथ घर के कमरे में थीं.

10 दिन के ऑपरेशन के बाद इजरायली सेना जेनिन से हटी

वहीं फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन के दौरान, इजरायली बलों ने बुनियादी ढांचे और आवासीय भवनों को काफी नुकसान पहुंचाया, जिससे शहर के बड़े इलाकों में बिजली, संचार और इंटरनेट ठप हो गया. समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रारंभिक क्षति के आकलन के अनुसार, फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा ने घोषणा की कि जेनिन शहर और उसके शिविर में 25 किमी से अधिक सड़कें सेना के ऑपरेशन से पूरी तरह नष्ट हो गई. इस बीच, इजरायली सार्वजनिक प्रसारक कान ने बताया कि सेना ने ऑपरेशन के दौरान "आतंकवादियों" का सफाया कर दिया, 40 से अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार किया, 24 हथियार जब्त किए और दर्जनों विस्फोटक उपकरणों को नष्ट कर दिया. गुरुवार को, रामल्ला स्थित फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 28 अगस्त को इजरायली सैन्य अभियान शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक में 39 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और लगभग 150 अन्य घायल हो गए हैं.

इजरायली विमानों ने नुसीरात शरणार्थी शिविर के पास एक घर पर किया हमला

फ्रांस के नए प्रधानमंत्री मिशेल बार्निए के ख़िलाफ़ सड़कों पर उतर पड़े लोग

पेरिस। फ्रांस में दक्षिणपंथी नेता मिशेल बार्निए प्रधानमंत्री बनाए गए हैं. लेकिन शनिवार को फ्रांस के नीस और लेमॉन सहित देश के कई इलाकों में उनकी नियुक्ति के ख़िलाफ़ प्रदर्शन हो रहे हैं. बार्निए के ख़िलाफ़ यहां हजारों लोग सड़कों पर उतर आए हैं. अब देश में 100 जगहों पर विरोध प्रदर्शन की योजना बन रही है. फ्रांस के ट्रेड यूनियनों और वामपंथी दलों ने इनका आयोजन किया है. दरअसल, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने वामपंथी दलों के प्रधानमंत्री उम्मीदवार को पीएम नहीं बनाया.उनके इसी फैसले के ख़िलाफ़ प्रदर्शन हो रहे हैं. वहीं, दूसरी ओर यूरोपीय संघ के पूर्व ब्रेक्जिट वार्ताकार मिशेल बार्निए ने कहा कि वो सरकार बनाने के लिए लेफ्ट सहित अन्य दलों से बात करने को तैयार है.

अजरबैजान ने रूस व यूक्रेन के बीच संघर्ष को सुलझाने की इच्छा जताई

एजेंसी। बाकू

- राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा, उनका देश मदद करने के लिए तैयार

अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष को सुलझाने में हिस्सा लेने की इच्छा व्यक्त की है. समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्थानीय मीडिया एजेआरटीएसी के हवाले से बताया कि शुक्रवार को राष्ट्रपति ने एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि उनका देश दो देशों के बीच शांति बनाने में मदद करने के लिए तैयार है, क्योंकि अज़रबैजान दोनों देशों के साथ ऐतिहासिक और कूटनीतिक संबंध रखता है. उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन के साथ अजरबैजान 70 वर्षों तक सोवियत संघ का हिस्सा था, जिसके परिणामस्वरूप लोगों के बीच और राजनीतिक स्तर पर गहरे संबंध स्थापित हुए हैं. उन्होंने कहा, "हम रूस और यूक्रेन के साथ अपने संबंधों को बहुत अच्छा मानते हैं. हम यूक्रेन और सभी देशों की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का दृढ़ता से समर्थन करते हैं."

बांग्लादेश के राष्ट्रगान को बदलने की योजना नहीं: धार्मिक सलाहकार

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में धार्मिक मामलों के सलाहकार अबुल फैज़ मुहम्मद खालिद हुसैन ने शनिवार को एक बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के राष्ट्रगान को बदलने की कोई योजना नहीं है. पद्मा नदी के उत्तरी तट पर राजशाही में इस्लामिक फाउंडेशन का दौरा करने के बाद स्थानीय मीडिया ने हुसैन के हवाले से कहा, "अंतरिम सरकार विवाद पैदा करने के लिए कुछ नहीं करेगी, हम सभी के सहयोग से एक सुंदर बांग्लादेश का निर्माण करना चाहते हैं."

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़

एजेंसी। नोएडा

पति-पत्नी समेत नौ गिरफ्तार

नोएडा के थाना सेक्टर-63 पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 6 महिला आरोपियों समेत 9 लोगों को गिरफ्तार किया है. इनके कब्जे से घटना में इस्तेमाल 24 लैपटॉप, टैब, कंप्यूटर, स्वाइप मशीन, 3 पेमेंट क्यूआर कोड व 10 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं. इस फर्जी कॉल सेंटर को पति पत्नी मिलकर चला रहे थे. बियोंड स्पार्क ओवरसीज नाम की यह कंपनी विदेश (कनाडा, सर्बिया आदि) में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों के साथ धोखाधड़ी कर रही थी.

पुलिस ने बताया कि थाना सेक्टर-63, नोएडा की साइबर हेल्प डेस्क पर कुछ समय से सूचना प्राप्त हो रही थी कि थाना इलाके के ई-ब्लॉक में बियोंड स्पार्क ओवरसीज नाम की एक कंपनी विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर आवेदकों के साथ धोखाधड़ी कर रही है. पुलिस के पास केरल समेत देश भर से कई पीड़ित आए थे. पुलिस ने सभी की शिकायत के आधार पर कंपनी में जाकर जांच की, तो वहां मौजूद सोनू कुमार ने बताया कि वह कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत है और डायरेक्टर पंकज व मनप्रीत कौर के कहने पर फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि से ऐसे लोगों की डिटेल निकालते हैं, जो विदेश में जाकर नौकरी करना चाहते हैं. उसके बाद कंपनी की सेल्स टीम में बैठे लोग कॉल व व्हाट्सएप चेटिंग के माध्यम से विभिन्न देशों जैसे कनाडा, सर्बिया आदि में स्टोर कीपर, स्टोर सुपरवाइजर, एडमिन आदि पदों पर नौकरी दिलाने की बात कहकर आवेदक को प्रलोभित करते हैं. पुलिस को मौके से ही एक कंप्यूटर के जरिए करीब 7 से 8 लोगों से ठगी के सबूत मिले. इसके अलावा पुलिस जब कार्रवाई कर रही थी, तभी एक पीड़ित वहां पहुंच गया.

जानिए कैसे ठगी को अंजाम देते थे अभियुक्त

डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि से ऐसे लोगों की डिटेल निकाल लेते थे, जो विदेश में जाकर नौकरी करना चाहते हैं. उसके बाद इनकी कंपनी की सेल्स टीम में कार्य करने वाले अन्य कर्मचारी द्वारा आवेदक को कॉल व व्हाट्सएप चैटिंग के माध्यम से कनाडा के अल्बर्टा, एडमंटन में स्टोर कीपर, स्टोर सुपरवाइजर एवं एडमिन आदि पदों पर वर्क वीजा के माध्यम से नौकरी दिलवाने के नाम पर प्रलोभित किया जाता था और उसे हर महीने 1.5 से 2 लाख रुपये सैलरी की बात कही जाती थी, इस पर आवेदक तैयार हो जाता था. ये लोग आवेदक से स्टोर कीपर के नाम पर 5 लाख रुपये, स्टोर सुपरवाइजर के नाम पर 15 लाख रुपये तथा इसी प्रकार से अन्य पदों के अनुसार पैसे मांगे जाते थे. इसमें कुल रकम का 10 प्रतिशत आवेदक से फाइल आगे बढ़ाने के लिये तुरंत ले लिया जाता था और बाकी उसे नौकरी पर जाने के बाद देने के लिये बोला जाता था. पैसे लेने के बाद आवेदक को इन लोगों पर शक न हो, इसलिए यह लोग उससे कागजात जैसे पासपोर्ट, आधार कार्ड आदि भेजने के लिये बोलते थे और फिर कागजात में कमी निकालकर उसको घुमाना शुरू कर देते थे. इन लोगों द्वारा ऐसे आवेदकों को सेलेक्ट किया जाता था, जो दूर-दराज (गैर राज्य) के होते थे, जिससे वह इनके ऑफिस में न आ सके. आवेदक का फोन आने पर उनको आगे का समय बताकर टालते रहते थे. इससे कई आवेदक थक-हार कर अपना पैसा वापस मांगना बंद कर देते थे.

संयुक्त राष्ट्र नीले आसमान के लिए स्वच्छ वायु का पांचवां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया

वायु प्रदूषण के समाधान के लिए निवेश की जरूरत

एजेंसी। नैरोबी

वायू प्रदूषण सार्वजनिक स्वास्थ्य, पर्यावरण और आर्थिक समस्याओं का कारण बन रहा है. इस समस्या के समाधान के लिए निवेश की जरूरत है. दरअसल, शनिवार को दुनिया में ''नीले आसमान के लिए स्वच्छ वायु का पांचवां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया''. इसमें स्वच्छ वायु के लिए निवेश का आह्वान किया गया. स्वच्छ वायु के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर दुनिया भर में कार्यक्रम हुए.

दक्षिण अफ्रीका ने दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया और यूएनईपी ने एक वेबिनार के माध्यम से बताया कि अफ्रीकी शहर खुले में कचरे को जलाने से कैसे बच सकते हैं. आज 99 प्रतिशत से अधिक आबादी प्रदूषित हवा में सांस ले रही है. इसके कारण प्रतिवर्ष 80 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु हो जाती है. इनमें पांच वर्ष से कम आयु के 700,000 से अधिक बच्चे भी शामिल हैं. प्रदूषित हवा, महिलाओं, बच्चों और वृद्ध लोगों को प्रभावित करती है. समय से पहले मृत्यु के लिए वायु प्रदूषण दूसरे सबसे बड़ा कारण बन गया है. वयस्कों की मृत्यु के लिए यह तंबाकू से आगे निकल गया है. पांच साल से कम उम्र के बच्चों के मौत के मामले में यह कुपोषण के बाद दूसरे स्थान पर है. वायु प्रदूषण से हर साल दुनिया को अकेले स्वास्थ्य क्षति के रूप में 8.1 ट्रिलियन का नुकसान होता है. प्रदूषण अर्थव्यवस्थाओं को भी प्रभावित कर रहा है.

एकीकृत प्रयायों से बदलाव संभव : संयुक्त राष्ट्र महासचिव

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने स्वच्छ वायु के लिए कुछ बिंदुओं पर ध्यान देने के लिए कहा है. जैसे जीवाश्म ईंधन की समाप्ति, वायु गुणवत्ता निगरानी को मजबूत करना, वायु गुणवत्ता मानकों को लागू करना, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना, स्वच्छ खाना पकाने में बदलाव, टिकाऊ परिवहन और टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों का निर्माण करना, मीथेन सहित हानिकारक उत्सर्जन को कम करने के लिए कार्रवाई की आवश्यकता है. उन्होंने कहा, अच्छी खबर यह है कि वायु प्रदूषण को रोका जा सकता है और दुनिया भर के लोग इस संकट से निपटने के लिए आगे आ रहे हैं. यह साबित करता है कि बदलाव संभव है, कुछ शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर कम हुआ है. देशों ने वायु प्रदूषण से व्यापक रूप से निपटने के लिए एकीकृत योजनाएं विकसित की हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)